य एषु सुप्तेषु जागर्ति
वर्ष : 19 | अंक : 342 | पृष्ठ 12 | ₹5.00
patrika.com /rajasthanpatrika
/rpbreakingnews /rajasthan_patrika
दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

नई दिल्ली, शनिवार, 06 जुलाई, 2024 | आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, संवत् 2081

ब्रिटेन में 'अबकी बार 400 पार'
@इंडिया&वर्ल्ड

जनादेश मंजूर... ब्रिटेन के आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी का सफाया होने के बाद शुक्रवार को किंग चार्ल्स तृतीय से मिलकर इस्तीफा सौंपने जाते पराजित प्रधानमंत्री ऋषि सुनक अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ।

बिजनेस मैनेजमेंट में एक नहीं, महिलाओं को मिलते हैं कई मौके
@मीनेक्स्ट

अब युवाओं की बारी... गिल की कप्तानी में जिम्बाब्वे को देंगे चुनौती
@स्पोर्ट्स &गेमिंग

सुप्रीम कोर्ट
समलैंगिक विवाह संबंधी याचिका पर 10 को सुनवाई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता के फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिका पर 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। पांच सदस्यीय संविधान पीठ में सीजेआइ डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, हिमा कोहली, बी.वी. नागरत्ना और पी.एस. नरसिम्हा शामिल हैं। शीर्ष कोर्ट ने पिछले साल फैसले में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया था, लेकिन समलैंगिकों को बच्चा गोद लेने का अधिकार दे दिया था।

न्यूज विंडो

■ केजरीवाल की अर्जी पर जवाब तलब

नई दिल्ली@ पत्रिका. दिल्ली हाईकोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सीबीआइ को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में जवाब तलब किया है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि याचिकाकर्ता ने ट्रायल कोर्ट में जाने के बजाय सीधे इस अदालत का रुख किया। इस पर बाद में विचार किया जाएगा। अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी।

■ अमृतपाल और राशिद ने ली शपथ

नई दिल्ली@ पत्रिका. खालिस्तानी अमृतपाल सिंह और अलगाववादी कश्मीरी नेता शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद ने शुक्रवार को लोकसभा सदस्य के तौर पर शपथ ली। अमृतपाल को डिब्रूगढ़ जेल, जबकि राशिद को तिहाड़ जेल से सुरक्षा कर्मचारियों के घेरे में संसद भवन लाया गया। शपथ के लिए दोनों को पैरोल दी गई है।

■ जल बोर्ड घोटाले को लेकर छापे

नई दिल्ली@ पत्रिका. ईडी ने दिल्ली जल बोर्ड में एसटीपी घोटाले की जांच के लिए मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। उसने दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई और हैदराबाद में कई जगह छापे मारे। इनमें 41 लाख रुपए नकद, दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए।

हलफनामा : 'बड़े पैमाने पर गोपनीयता उल्लंघन के सबूत नहीं'

केंद्र नीट-यूजी परीक्षा को रद्द करने के पक्ष में नहीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. नीट-यूजी मामले में केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर परीक्षा रद्द नहीं करने की अपील की। सरकार ने तर्क और तथ्य पेश करते हुए कहा कि परीक्षा में बड़े पैमाने पर गोपनीयता के उल्लंघन के सबूत नहीं हैं। सरकार का हलफनामा ऐसे समय आया है, जब परीक्षा में गड़बड़ी, पेपर लीक और धोखाधड़ी को आरोपों से माहौल गरमाया हुआ है।

हलफनामे में शिक्षा मंत्रालय ने कहा अखिल भारतीय परीक्षा में गोपनीयता के बड़े पैमाने पर उल्लंघन के किसी सबूत के अभाव में पूरी परीक्षा और पहले से घोषित परिणामों को रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के हितों को खतरे में नहीं डाला जाना चाहिए, जिन्होंने अनुचित साधन अपनाए बगैर परीक्षा दी। हलफनामा पेपरलीक समेत अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली कई याचिकाओं के जवाब में दायर किया गया। सीजेआइ डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ आठ जुलाई को इस मामले की सुनवाई करने वाली है।

पीठ मुख्य रूप से यह जांच करेगी कि क्या पांच मई को परीक्षा में कोई समझौता किया गया और क्या दोबारा परीक्षा की जरूरत है? हलफनामे में कहा गया कि सरकार इस बात को बखूबी समझती है कि किसी भी परीक्षा में प्रश्न पत्रों की गोपनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता है। अगर किसी आपराधिक कृत्य के कारण गोपनीयता भंग हुई है तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

गुवाहाटी. नीट परीक्षा में धांधली और पेपर लीक के मुद्दे को लेकर राजीव भवन के बाहर सिर के बाल कटाकर प्रदर्शन करते असम प्रदेश युवा कांग्रेस के सदस्य।

सरकार ने कहा...चिंता समझती है

1 परीक्षा पूरी तरह रद्द करने से लाखों ईमानदार अभ्यर्थियों को गंभीर रूप से नुकसान होगा।

2 सरकार मुकदमे को प्रतिकूल तरीके से नहीं ले रही है। वह परीक्षा देने वालों की चिंताओं को पूरी तरह समझती है।

3 सरकार ने मामले में समाधान-उन्मुख दृष्टिकोण अपनाया। सीबीआइ को आरोपों के पूरे दायरे की जांच के लिए कहा गया।

4 सरकार सभी प्रतियोगी परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नीट-पीजी परीक्षा 11 अगस्त को दो शिफ्ट में होगी

नई दिल्ली. नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस)) ने नीट-पीजी 2024 की डेटशीट जारी कर दी। परीक्षा 11 अगस्त को दो शिफ्ट में होगी। पहले यह 23 जून को होनी थी, लेकिन स्वास्थ्य-परिवार कल्याण मंत्रालय ने प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता को लेकर उठे सवालों के कारण इसे स्थगित कर दिया था। इस परीक्षा से पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों में एडमिशन निर्धारित होता है।

जहरीले कुकुरमुत्ते

जब से सरकारों ने निजी क्षेत्र में विश्वविद्यालय खोलने को बढ़ावा देना शुरू किया है, राज्यों में कुकुरमुत्तों की तरह विश्वविद्यालय खुलने लगे हैं। अफसोस की बात यह है कि इनमें बहुत से कुकुरमुत्ते विषैले हैं। ऐसे कई विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के नाम पर शैक्षणिक माहौल को विषैला बनाने में लगे हैं। उन्हें शिक्षा के स्तर से कोई मतलब नहीं, बस किसी ना किसी तरह अंधी कमाई होनी चाहिए। भले ही इसके लिए कितना भी नीचे गिरना पड़े। हालांकि इस भीड़ में बहुत से ऐसे संस्थान भी हैं, जो बेहतर शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से भटके नहीं हैं।

प्रवाह
भुवनेश जैन

चूरू की ओपीजेएस यूनिवर्सिटी का मामला तो आंखें खोलने वाला है। इस विश्वविद्यालय में एक वर्ष की सौ सीटें तय की गई थी, 5 साल में 1300 डिग्रियां बांट दीं। अब उच्च शिक्षा विभाग लकीर पीटने में लगा है। जिसे अवैध कमाई करनी थी, कर ली। अब कुछ भी कर लो। जब पेपर तक अपराधियों को बेच दिए जाते हैं तो डिग्रियां बेचने में क्या बुराई है? मेहनत करके डिग्री हासिल करने वाले भले ही खून के आंसू बहाते रहें। किसको चिंता। ऐसे ही घोटाला हो रहा है फर्जी खेल सर्टिफिकेट बांटने का। इसके लिए खरीददार का बाकायदा प्रवेश दिखाया जाता है और खेल आयोजकों की मदद से फर्जी प्रमाण पत्र और मैडल बांट दिए जाते हैं। इन प्रमाण पत्रों के आधार पर नौकरी मिल जाती है। तुर्रा यह है कि इन दुकाननुमा 'विश्वविद्यालयों' को रियायती दर पर जमीनें दे दी जाती हैं। राजनेता, अफसर और विश्वविद्यालय संचालक-सबके वारे-न्यारे।

> दुकाननुमा 'विश्वविद्यालयों' को रियायती दर पर जमीनें दे दी जाती हैं। राजनेता, अफसर और विश्वविद्यालय संचालक- सबके वारे-न्यारे।

सम्पूर्ण भारत में उच्चशिक्षा का यह माफिया छाया हुआ है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी उच्चशिक्षा संस्थानों में फर्जीवाड़े की होड़ लगी है। छत्तीसगढ़ में एक यूनिवर्सिटी ने पैसे के बदले बैक डेट में डिप्लोमा सर्टिफिकेट जारी कर दिया। यह मामला अदालत में विचाराधीन है। एक अन्य विश्वविद्यालय ने जेल में बंद कैदी को रिहा होने से पहले ही रेगुलर कोर्स का सर्टिफिकेट जारी कर दिया। मध्यप्रदेश के 51 में से एक दर्जन विश्वविद्यालयों के फर्जीवाड़े सामने आ चुके हैं। यहां तक कि पी.एच.डी. की डिग्रियां भी पैसे लेकर बांटे जाने के मामले उजागर हुए। कई विश्वविद्यालयों में छात्रवृत्ति घोटाला हो रहा है। राजस्थान में जोधपुर का विश्वविद्यालय भी फर्जी डिग्रियों के मामले में 'नाम' कमा चुका है।

उच्च शिक्षा के नाम पर इतने फर्जीवाड़े बिना राजनेताओं और अफसरों की मिलीभगत के नहीं हो सकते। इनकी कृपा से हर जगह फर्जी डिग्रीधारियों ने नौकरियों पर कब्जा कर लिया। जिसके पास पैसे हों, इनकी जेबें भरे और जीवन भर मौज करे। मेहनत करने वाले भटकने को मजबूर हैं। उच्च शिक्षा में ऐसा विष घोलने वालों को देशद्रोही कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी। शिक्षा किसी भी देश में विकास की नींव होती है, जो क्षुद्र स्वार्थों की खातिर इस नींव को ही खोखला कर दे, उसे देश और समाज ही नहीं -मानवता का शत्रु कहें तो भी कम होगा। मेहनती छात्र बड़ी उम्मीद से अपने राज्यों की नई सरकारों को देख रहे हैं कि शायद वे इन जहरीले कुकुरमुत्तों की सफाई का कोई रास्ता निकालें।

bhuwan.jain@epatrika.com

बदलाव की बयार : ब्रिटेन में 14 साल बाद वामपंथी लेबर पार्टी को कमान, स्टार्मर नए पीएम

वादे पूरे नहीं हुए तो सत्ता विरोधी लहर में बहे सुनक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लंदन. ब्रिटेन में सत्ता विरोध लहर ने सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी का सफाया कर दिया। चौदह साल के इंतजार को खत्म करते हुए लेबर पार्टी शुक्रवार को वापस सत्ता में आ गई है। लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर को प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। स्टार्मर ने विजय रैली में तीखा बयान दिया कि आखिरकार इस महान देश के कंधों से एक बोझ हट गया है। शेष@ पेज04

वादे जो नहीं हुए पूरे

जनवरी 2023 में सुनक ने ब्रिटिश लोगों के सामने 5 प्राथमिकताओं का वादा किया था इनमें से केवल मुद्रास्फीति कम करने का वादा ही पूरा हो पाया। *ये वादे रहे अधूरे...*

1 अर्थव्यवस्था को बढ़ाना
2 कर्ज कम करना
3 राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के मुद्दे को हल करना
4 अवैध प्रवासियों को रोकना

जोश में होश कहां : 125 लोगों की टीम ने रातभर चलाया सफाई अभियान

बोतल...कागज...जूते-चप्पल...विक्ट्री परेड के बाद मरीन ड्राइव पर 11.50 टन कचरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

आखिर यह कैसा जीत का जश्न

मुंबई. टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के गुरुवार को मुंबई में स्वागत के दौरान लाखों की भीड़ उमड़ी, लेकिन जब भीड़ छंटी तो सड़कों पर गंदगी और कचरे का अंबार लगा था। हालत यह थी कि मरीन ड्राइव पर हजारों की तादाद में जूते-चप्पल और पानी की खाली बोतलें पड़ी थीं। इन्हें नगर निगम की सात गाड़ियों में भरकर ले जाया गया।

मुंबई महानगर पालिका के एक अधिकारी ने बताया कि विक्ट्री परेड के बाद गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान 11,500 किलोग्राम (11.50 टन) कचरा एकत्रित किया गया। बीएमसी के मुताबिक कबाड़ को डंपिंग ग्राउंड भेजने के बजाय रिसाइक्लिंग प्लांट भेजा गया। सफाई अभियान शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे समाप्त हुआ। अभियान में महानगर निगम के 100 कर्मचारियों के अलावा एनजीओ के करीब 25 लोगों का सहयोग लिया गया।

मरीन ड्राइव पर शुक्रवार सुबह सफाई करता महानगर निगम का कर्मचारी।

यह छोड़ गए लोग

महानगर पालिका के कर्मचारियों के मुताबिक मरीन ड्राइव से कचरा उठाने के लिए बड़ी और छोटी गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। कचरे में अधिकतर प्लास्टिक की बोतलें, चिप्स के रैपर, चाय के कप, कागज, कपड़े और जूते-चप्पल मिले।

11 लोगों को चोट, 60 मोबाइल चोरी

परेड के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। भारी भीड़ के कारण 11 लोगों को चोटें आईं व कई लोगों को चक्कर आने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान मोबाइल चोरी की घटनाएं भी हुईं। पुलिस ने 60 मोबाइल चोरी के मामले दर्ज किए।

नया जल

जल्द मिलेगा हवा व सूरज की रोशनी से तैयार डिब्बाबंद पानी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. झरनों, नदी और जमीन से निकाले गए पीने के पानी के बाद अमरीका के बाजार में जल्द हवा और सूरज की रोशनी से तैयार डिब्बाबंद पानी मिलेगा। यह पानी हाइड्रोपैनल तकनीक से तैयार किया जाएगा। इसे अमरीका की एक कंपनी ने तैयार किया है और स्काई वाटर के नाम से अगस्त या सितंबर से बेचने की तैयारी की जा रही है। इसे रिसाइकल होने वाली एल्युमिनियम की कैन और बोलतों में बेचा जाएगा।

इस विशेष पानी को तैयार कंपनी का कहना है कि फ्लोरिडा में उसका वाटर फार्म हर दिन करीब तीन हजार लीटर पानी बनाता है। कंपनी अब तक 56 देशों में वाटर पैनल लगा चुकी है। कंपनी का कहना है कि एक पैनल प्रतिदिन 3 लीटर पानी बना सकता है। हाइड्रोपैनल तकनीक से तैयार किए गए पैनल को जमीन या छत पर लगाकर पीने के पानी के पाइप से जोड़ा जा सकता है। शेष@पेज04

सीएसआइ की नई गाइडलाइन : भारतीयों के हिसाब से तय हुए रिस्क फैक्टर

130 नहीं 100 से नीचे हो बैड कोलेस्ट्रॉल, दिल के मरीजों का होना चाहिए 55 से नीचे

50% मामलों में कोलेस्ट्रॉल होता है हार्ट अटैक का कारण

80% लोगों की लिपिड प्रोफाइल नॉर्मल नहीं, खुद भी बेखबर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली/भोपाल. देश में अब 130 नहीं बल्कि 100 से कम बैड कॉलेस्ट्रॉल वाले लोग ही स्वस्थ माने जाएंगे। कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया ने पहली बार भारतीयों के लिए नए रिस्क फैक्टर तय किए गए हैं। अब तक एलडीएल (लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन) कोलेस्ट्रॉल की जांच पश्चिमी देशों के मापदंड के तहत होती थी। इसे खारिज करते हुए कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया (सीएसआइ) ने नई गाइड लाइन तय की हैं। भारत में हार्ट अटैक के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार लिपिड प्रोफाइल (कोलेस्ट्रॉल का स्तर) को माना जाता हैं। खास बात है कि यह देश के 80% लोगों में नॉर्मल नहीं है। वहीं ज्यादातर लोग अपनी लिपिड प्रोफाइल से बेखबर हैं। देश में 50% हार्ट अटैक के मामलों का यही कारण हैं। एम्स, भोपाल के जैव रसायन विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डा. सुखेश मुखर्जी ने बताया कि नई रेंज के तहत अलग-अलग रोगों के लिए रोगियों की सही पहचान हो सकेगी। इससे सही इलाज मिल सकेगा। शेष@पेज04

यह हैं नए पैमाने...

- स्वस्थ व्यक्ति में कोलेस्ट्रॉल का लेवल 100 से नीचे होना चाहिए। यह अब तक 130 था।
- कार्डियक डिजीज, मधुमेह, उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोगों को 70 से नीचे कोलेस्ट्रॉल का लेवल रखना होगा।
- दिल के मरीजों को कोलेस्ट्रॉल का लेवल 55 से नीचे रखना होगा।
- लिपिड प्रोफाइल जांच खाना खाने के बाद होगी। पहले यह खाली पेट होती थी।
- चालीस साल से ऊपर के हर व्यक्ति को एक-दो साल के अंतराल में जांच करानी चाहिए।
- परिवार में किसी को हार्ट अटैक आया है या आनुवंशिक रोग रहा है तो किसी भी उम्र में लिपिड प्रोफाइल की जांच कराई जानी चाहिए।
- अगर लिपिड प्रोफाइल पैरामीटर के हिसाब से नहीं है तो डॉक्टर से परामर्श कर दवाएं लेनी चाहिए।

पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा का
विशेष कवरेज

53 साल बाद एक दिन में तीन उत्सव, एक करोड़ श्रद्धालु आएंगे...
पढ़ें @पेज 12

'शरीर ही ब्रह्माण्ड' में आज
पानी है उत्पत्ति का आधार
पढ़ें@पत्रिकायन

छत्तीसगढ़

कुएं में जहरीली गैस से पांच की मौत

रायपुर@पत्रिका. छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के गांव के कुएं में जहरीली गैस से पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक कुएं में गिरी लकड़ी निकालने के लिए ग्रामीण कुएं में उतरा था। वह बाहर नहीं आया तो चार और लोग कुएं में उतरे। सभी का गैस से दम घुट गया।

ट्रेंडिंग न्यूज

बॉम्बे हाईकोर्ट

नरेश गोयल की अस्थायी बेल बढ़ाई

मुंबई@पत्रिका. बॉम्बे हाईकोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल की अस्थायी जमानत चार सप्ताह बढ़ा दी। गोयल की ओर से कोर्ट में पेश हलफनामे में कहा गया था कि डॉक्टर ने उन्हें चार सप्ताह में लेप्रोस्कोपिक फंडोप्लीकेशन सर्जरी कराने का सुझाव दिया है।

नियुक्ति

संजय सिंह आप संसदीय दल के नेता

नई दिल्ली@पत्रिका. राज्यसभा सांसद संजय सिंह को आम आदमी पार्टी संसदीय दल का नेता नियुक्त किया गया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उन्हें हमेशा सड़क से सदन तक आवाज बुलंद करने का अवसर दिया।

स्क्रीनलेस लैपटॉप लॉन्च | बिना स्क्रीन वाला दुनिया का पहला लैपटॉप, 1.60 लाख रुपए है कीमत

चश्मा पहनते ही आंखों के सामने आएगा 100 इंच का स्क्रीन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

तेल अवीव. साइंस फिक्शन फिल्मों की तरह कभी ऐसे लैपटॉप की कल्पना की है जिसमें स्क्रीन नहीं हो और इसके बावजूद उस पर फिल्म देख सकें, वीडियो गेम खेल सकें, दोस्तों से वीडियो कॉल करने सहित वे सभी काम कर सकें जो सामान्य लैपटॉप पर करते हैं।

इस कल्पना को सच कर दिखाया है इजरायली कंपनी साइटफुल ने, जिसने बिना स्क्रीन वाला दुनिया का पहला लैपटॉप स्पेसटॉप जी। लॉन्च किया है। इस लैपटॉप में कोई स्क्रीन नहीं है, इसके बदले एक ऑगमेंटेड रियलिटी (एजी) से लैश चश्मा दिया है, जिसे लगाते ही आपकी आंखों के सामने 12-14 इंच का नहीं बल्कि 100 इंच का वर्चुअल स्क्रीन आ जाएगा। लैपटॉप की कीमत 1900 डॉलर यानी करीब 1.60 लाख रुपए हैं। शेष@पेज04

एआर ग्लास लगाने के बाद आंखों के सामने खुला वर्चुअल स्क्रीन

ऐसे काम करता है स्क्रीनलेस लैपटॉप

इस लैपटॉप के 100 इंच के वर्चुअल स्क्रीन को चाहें तो सिंगल मॉनिटर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं, या स्क्रीन को मल्टीपल वर्कस्टेशन के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। यानी इसे कई स्क्रीन में बांटकर हर स्क्रीन पर अगल-अलग काम कर सकते हैं। एक साथ इसके स्क्रीन पर मल्टीपल विंडो ओपन कर सकते हैं। इस लैपटॉप में एक फिजिकल की-बोर्ड और ट्रैकपैड दिया गया है। इसके ग्लास में 5 मेगापिक्सल का कैमरा और माइक्रोफोन के साथ स्पीकर लगा हुआ है, जिससे इससे आसानी से वीडियो कॉल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आदि कर सकते हैं।

भारत में अक्टूबर से मिलने की उम्मीद

उम्मीद है कि भारत सहित दुनियाभर के बाजार में यह अक्टूबर, 2024 से मिलने लगेगा। इसे अभी 100 डॉलर देकर प्री-बुक कर सकते हैं। प्री-बुक करने पर कंपनी 200 डॉलर (₹17,000) की छूट दे रही है।

अनोखा आशियाना : 3डी प्रिंटिंग तकनीक का इस्तेमाल, लेगो जैसी डिजाइन

अंतरिक्ष की धूल की विशेष ईंटों से चांद पर बनाए जाएंगे मकान, ईएसए की तैयारियां

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लंदन. यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने चांद पर घर बनाने का तरीका खोज निकाला है। अंतरिक्ष की धूल से लेगो (बच्चों के प्लास्टिक ब्लॉक खिलौने) जैसी ईंटें बनाकर चांद पर घर का निर्माण किया जा सकेगा। इन ईंटो को आसानी से चांद पर ले जाया या बनाया जा सकता हैं।

चांद की सतह पर मिलने वाली मिट्टी व पत्थरों को रेगोलिथ कहते हैं। ईएसए इसी रेगोलिथ से ईंटे बनाने के लिए खास 3डी प्रिंटिंग तकनीक का इस्तेमाल करेगी, जिसे सिंटरिंग कहते हैं। सिंटरिंग तकनीक में रेगोलिथ को पिघलने से पहले के तापमान पर गर्म कर इनसे लेगो की डिजाइन की ईंटें बनाई जाएंगी। ईंटो को जोड़कर चांद पर घर का निर्माण किया जा सकेगा।

क्या होंगे फायदे

लेगो जैसी ईंटों के इस्तेमाल का बड़ा फायदा यह है कि इन्हें जोड़कर आसानी से अलग किया जा सकता है और अलग-अलग आकार की इमारत बनाई जा सकती है। यह अंतरिक्ष में इमारतें बनाने में मददगार होगा। अंतरिक्ष यात्री इन ईंटों से जल्दी निर्माण कर सकेंगे।

प्रतिकूल वातावरण

ईएसए के विज्ञान सलाहकार एडन काउली का कहना है कि अंतरिक्ष की धूल से सड़कें व लॉन्च पैड के लिए ठोस ब्लॉक भी बनाए जा सकते हैं। इनसे बने आवास अंतरिक्ष यात्रियों को प्रतिकूल चंद्र वातावरण से बचाएंगे। चांद की धूल लगातार सूर्य की विकिरणों के संपर्क में रहती है। इससे उसमें विद्युत आवेश आता है और उसके गुण बदल जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा

सजा के तौर पर जमानत देने से नहीं किया जा सकता इनकार

नई दिल्ली@ पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने जमानतों की पैरवी करते हुए अफसोस प्रकट किया कि हाईकोर्ट और निचली अदालतें यह भूल गई हैं कि सजा के तौर पर जमानत देने से इनकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यूएपीए के एक आरोपी को जमानत देते हुए यह टिप्पणी की, जिस पर आरोप भी तय नहीं हुए और वह चार साल से जेल में है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि अपराध कितना भी गंभीर क्यों न हो, आरोपी को संविधान के तहत त्वरित सुनवाई का अधिकार है। ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्टों को जमानत के मुद्दों पर निर्णय लेते समय त्वरित सुनवाई व व्यक्तिगत स्वतंत्रता के पक्ष को कमजोर नहीं करना चाहिए। कोर्ट ने कहा, जमानत की जरूरत केदी को सिर्फ मुकदमे में हाजिरी सुनिश्चित करने के लिए है, इसे सजा के तौर पर नहीं देखें। कोर्ट ने यह भी कहा कि राज्य का इरादा अभियुक्त के शीघ्र सुनवाई के अधिकार की रक्षा करने का नहीं है तो वह जमानत याचिका पर आपत्ति नहीं कर सकता

शेयर बाजार

लार्जकैप और मिडकैप के लिए बाजार पूंजीकरण सीमा बढ़ी

मुंबई @ पत्रिका. लार्जकैप और मिडकैप श्रेणी में किसी शेयर के शामिल होने के लिए बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) की सीमा बढ़ा दी गई है। लार्जकैप में शामिल होने के लिए कंपनी का बाजार पूंजीकरण अब कम से कम 84,325 करोड़ रुपए और मिडकैप में शामिल होने के लिए कम से कम 27,564 करोड़ रुपए होना चाहिए। म्युचुअल फंडों के संगठन एम्फी ने नए सिरे से शेयर संतुलन की कवायद के बाद यह सीमा बढ़ाई है। दिसंबर 2023 में जब इस तरह की कवायद की गई थी तो लार्जकैप के लिए कंपनी के शेयर का बाजार पूंजीकरण 67,000 करोड़ रुपए और मिडकैप के लिए 22,000 करोड़ रुपए तय किया गया था। यानी इस बार बाजार पूंजीकरण की सीमा 25 फीसदी बढ़ा दी गई है।

जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार खोलने के लिए नई समिति गठित

भुवनेश्वर @ पत्रिका. ओडिशा सरकार ने श्री जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार में संग्रहीत बहुमूल्य वस्तुओं के भंडार की प्रक्रिया की निगरानी करने के लिए उड़ीसा हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता में एक नई समिति का गठन किया है। भाजपा सरकार ने पूर्ववर्ती बीजू जनता दल सरकार की ओर से दो मार्च को गठित उच्च स्तरीय समिति को भंग कर नई समिति गठित की है। भाजपा ने चुनाव अभियान में वादा किया था कि सरकार बनने पर वह रत्न भंडार खोलकर सूची बनाएगी, जिसे 1978 से नहीं खोला गया है। नई समिति शनिवार को अपनी बैठक में रत्न भंडार को खोलने की तारीख को अंतिम रूप दे सकती है।

महाराष्ट्र : 6 माह में 430 किसानों ने की आत्महत्या

छत्रपति संभाजीनगर @पत्रिका. महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में पिछले छह महीनों में विभिन्न कारणों से त्रस्त होकर 430 किसानों ने आत्महत्या की है। प्रमंडलीय आयुक्त सूत्रों के अनुसार किसानों ने कर्ज, दरिद्रता और अवसाद में आकर यह कदम उठाया। राज्य कृषि मंत्री धनंजय मुंडे के गृह जिले बीड़ में सबसे अधिक आत्महत्याओं के मामले सामने आए हैं। जहां पिछले छह महीनों में 101 किसानों के आत्महत्या की है।

सुबह हाथरस भगदड़ के पीड़ितों से मिले : दोपहर में पहुंचे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, लोको पायलट की सुनी समस्याएं

नेता प्रतिपक्ष बनते ही राहुल गांधी सक्रिय, लोगों के बीच फिर पहुंचे

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव के नतीजों से कांग्रेस खासी उत्साहित है। वहीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी संसद के बाद अब फिर से लोगों के बीच पहुंच रहे हैं। शुक्रवार सुबह उत्तर प्रदेश के हाथरस पहुंच गए और भगदड़ के पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। जबकि दोपहर में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन लोको पायलट की समस्याएं सुनी।

दरअसल, भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल ने अपनी सियासत में बदलाव कर लोगों से सीधा संपर्क बनाना शुरू किया था। इसका फायदा लोकसभा चुनाव में मिला। अब चुनाव समाप्त होने के साथ ही राहुल के पास लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी आ गई हैं। राहुल संसद के पहले सत्र में खासे सक्रिय दिखे। वहीं अब सड़क पर भी लोगों की समस्याएं उठाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

राहुल तड़के सड़क मार्ग से हाथरस व अलीगढ़ के लिए रवाना हो गए। जहां हादसे के पीड़ित परिवारों से मिले और उनका दुख जाना। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि दुख की बात है, बहुत परिवारों को नुकसान हुआ है। इसको सियासी चश्मे से नहीं देखना चाहते हैं, लेकिन प्रशासन की कमी और गलतियां हैं। उन्होंने सरकार से पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द मुआवजा देने की मांग की है।

राहुल गांधी से लिपट कर रोती पीड़ित महिला।

लोको पायलट की समस्याएं जानी

राहुल गांधी दोपहर में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे। वहां लोको पायलट के लॉबी में जाकर मौजूद लोको पायलट से बातचीत की और ट्रेन परिचालन के बारे में जानकारी ली। राहुल ने उनकी समस्याओं के बारे में पूछा।

भारतीय रेल गरीबों, निम्न मध्यम व मध्यम वर्ग को किफायती यात्रा कराने के लिए प्रतिबद्ध

अगले दो वर्षों में रेल के 10 हजार नॉन एसी डिब्बों का होगा निर्माण : वैष्णव

जीएसवी वडोदरा और एयरबस ने एयरोस्पेस शिक्षण व अनुसंधान के लिए समझौते पर किए हस्ताक्षर

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केन्द्रीय रेल, सूचना और प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेल गरीबों, निम्न मध्यम व मध्यम वर्ग के लोगों को किफायती रेल यात्रा की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय रेल ने अगले दो वर्षों के दौरान रेल के 10 हजार नॉन एसी डिब्बों का निर्माण करने की योजना बनाई है।

वैष्णव ने यह बातें भारतीय रेलवे के गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) वडोदरा और एयरबस ने एयरोस्पेस शिक्षण और अनुसंधान के लिए समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कही। वैष्णव ने कहा कि विशेष अभियान के तहत 2,500 सामान्य (ट्रेन) कोच बनाए जा रहे हैं।10 हजार से अधिक सामान्य कोचों के लिए स्वीकृति दी गई है। इस गर्मी के मौसम में रेलवे ने भारी मांग को पूरा करने के लिए 10 हजार से अधिक विशेष ट्रेनें चलाई हैं। हम सेवाओं, सुरक्षा और स्वच्छता पर केंद्रित तरीके से काम कर रहे हैं। 50 और अमृत भारत ट्रेनों का निर्माण शुरू हो गया है। इसके बाद 150 और अमृत भारत ट्रेनों के निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। पिछले साल 5300 किलोमीटर नई ट्रेक जोड़े गए हैं। इस साल अब तक करीब 800 किलोमीटर से अधिक ट्रेक जोड़े जा चुके हैं। कवच का रोल आउट भी तेज़ गति से किया जा रहा है। वैष्णव ने देश भर के 12 लाख रेल कर्मियों से समर्पण के साथ काम करने और अपना मनोबल ऊंचा रखने की भी अपील की।

व्यावहारिक रूप से एक साथ चलना चाहिए

वैष्णव ने कहा कि कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि सबका साथ सबका विकास की भावना में, विमानन, राजमार्ग, रेलवे, सडक परिवहन का विकास होना चाहिए। व्यावहारिक रूप से सब कुछ एक साथ चलना चाहिए। हम सबका साथ, सबका विकास की भावना से सभी के साथ सहयोग करते रहेंगे। जीएसवी की स्थापना का कारण एक केंद्रित और विशिष्ट संस्थान होना था, जो परिवहन के सभी क्षेत्रों को पूरा करता हो। हमने रेलवे से शुरुआत की, हम धीरे-धीरे विनिर्माण की ओर बढ़े, अगला क्षेत्र जिसमें हम आगे बढ़े वह नागरिक उड्डयन है। इसके बाद शिपिंग और लॉजिस्टिक्स मंत्रालय है। इस अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह, रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा समेत कई अन्य मौजूद रहे।

रिचार्ज टैरिफ महंगे करने पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

केंद्र सरकार ने दूरसंचार कंपनियों को 34,824 करोड़ रुपए वसूलने की छूट दी : सुरजेवाला

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि देश की तीन बड़ी टेलीकॉम कंपनियों जियो, एयरटेल और वोडाफोन ने अपने रिचार्ज टैरिफ महंगे कर दिए हैं। इससे ऐसा लगता है कि केन्द्र सरकार ने इन टेलीकॉम कंपनियों को आम लोगों से करीब 34 हजार 824 करोड़ रुपए की वसूली की खुली छूट दे दी है।

सुरजेवाला ने यह बातें शुक्रवार को कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल का जनता के लिए उसके मित्रवादी पूंजीवाद का प्रसाद है। उन्होंने कहा कि भारत में सेल फोन मार्केट में सिर्फ तीन सेल फोन ऑपरेटर हैं। रिलांयस जियो के 48 करोड़, एयरटेल के 39 करोड़ और वोडाफोन आइडिया के 22 करोड़ 37 लाख उपभोक्ता हैं।

ट्राई की एक रिपोर्ट के अनुसार सेल फोन कंपनियां अपने हर सेल फोन ग्राहक से 152.55 पैसे प्रति माह कमाती हैं। उन्होंने कहा कि 27 जून को रिलायंस जियो ने 12 प्रतिशत से 27 प्रतिशत बढ़ा दिए। 8 जून को एयरटेल ने 11 से 21 प्रतिशत बढ़ा दिए। 29 जून को वोडाफोन आइडिया ने 10 प्रतिशत से 24 प्रतिशत बढ़ा दिए।

साफ है कि तीनों कंपनियों ने सलाह कर सिर्फ 72 घंटे में सेलफोन की शुल्क दर बढ़ाने की घोषणा की। अगर सेल फोन कंपनियों का औसत देखें तो पता चलेगा कि रिलायंस जियो के हर यूजर पर 30.51 रुपए की बढ़त हुई है। यानी सालाना 17,568 करोड़ रुपए अतिरिक्त वूसल किए जाएंगे। एयरटेल के ग्राहकों पर 22.88 रुपए की बढ़त हुई है। यह सालाना 10,704 करोड़ रुपए होगा। वोडाफोन के उपभोक्ता पर 24.40 रुपए की बढ़त हुई है यानी सालाना 6,552 करोड़ रुपए वूसले जाएंगे।

कांग्रेस के मोदी सरकार से सवाल

1. मोदी सरकार ने 109 करोड़ यूजर से अपनी जिम्मेदारी क्यों मोड़ ली?
2. मोदी सरकार ने सेल कंपनियों से मिलीभगत कर लोकसभा चुनाव तक टाल कर रखा? ताकि कोई जवाब न मांग सके?
3. क्या मोदी सरकार ने ये बोझ डालने से पहले कोई अध्ययन या जांच की?

नर्सिंग भर्ती को लेकर प्रदर्शन से जुड़े मामले में हाईकोर्ट से राहत

जयपुर. राजस्थान हाईकोर्ट ने वर्ष 2022 में स्वास्थ्य भवन पर नर्सिंग भर्ती से संबंधित प्रदर्शन को लेकर दर्ज मामले में याचिकाकर्ता दो महिलाओं के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। साथ ही इस मामले में सरकारी पक्ष से जवाब तलब किया, वहीं अधीनस्थ अदालत के अंतिम आदेश पारित करने पर पाबंदी लगा दी। न्यायाधीश समीर जैन ने संतरा धाकड़ व रजनी की याचिका पर यह अंतरिम आदेश दिया। 10 नवंबर 2022 को संविदा कर्मियों की नर्सेज एसोसिएशन के नेतृत्व में याचिकाकर्ता सहित करीब सौ लोग स्वास्थ्य कार्यकर्ता भर्ती के पद बढ़ाने को लेकर स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं होने और स्वास्थ्य भवन के बाहर रास्ता जाम करने को लेकर एसआइ कविता यादव ने मामला दर्ज कराया। प्रार्थीपक्ष की ओर से अधिवक्ता एस पी एस चौहान ने कोर्ट को बताया कि रैली में सौ से अधिक लोग मौजूद थे, लेकिन पुलिस ने सिर्फ छह लोगों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया।

बैठक में मातृ, नवजात व बाल स्वास्थ्य के एजेंडे पर मंथन

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने वीसी से जिनेवा में पीएमएनसीएच बोर्ड की बैठक में दिया मुख्य भाषण

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मातृ, नवजात और बाल स्वास्थ्य के लिए भागीदारी बोर्ड की स्विटजरलैंड के जिनेवा मे आयोजित 33वीं बैठक को संबोधित करते हुए 2030 के बाद के एजेंडे पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं, बच्चों और किशोरों के कल्याण के लिए पीएमएनसीएच की प्रतिबद्धता की सराहना की और इस मुद्दे को आगे बढ़ाने व युवाओं की सार्थक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार का आश्वासन दोहराया। उन्होंने स्थायी विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रगति में तेजी लाने और 2030 के बाद के एजेंडे की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर किया।

स्वास्थ्य मंत्रालय में अपर सचिव एवं मिशन निदेशक (एनएचएम) आराधना पटनायक जिनेवा में पीएमएनसीएच बोर्ड की 33वीं बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं। मातृ, नवजात और बाल स्वास्थ्य के लिए भागीदारी (पीएमएनसीएच) महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य, कल्याण व अधिकारों की रक्षा और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध दुनिया का सबसे बड़ा गठबंधन है।

मोदी ने ब्रिटेन के आम चुनाव में जीत के लिए कीर को बधाई दी

सोशलमीडिया पर लिखा- सकारात्मक सहयोग की आशा रखता हूं

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ब्रिटेन के आम चुनाव में जीत के लिए कीर स्टार्मर को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ब्रिटेन के आम चुनाव में उल्लेखनीय जीत के लिए कीर स्टार्मर को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। मैं सभी क्षेत्रों में भारत-ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने, आपसी विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए हमारे बीच सकारात्मक और रचनात्मक सहयोग की आशा करता हूं।

इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऋषि सुनक के कार्यकाल की तारीफ करते हुए भी एक्स पर पोस्ट किया। जिसमें बताया गया था कि कैसे उनके कार्यकाल में भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में प्रगाढ़ता आई।

मध्य प्रदेश की कमान महेंद्र सिंह के हवाले तो छत्तीसगढ़ के प्रभारी बने नितिन नबीन

भाजपा ने 23 राज्यों के बनाए प्रभारी, सहप्रभारी

राजस्थान के नए प्रदेश प्रभारी पर अभी निर्णय नहीं

नॉर्थ ईस्ट की कमान संभालेंगे संबित पात्रा

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. भारतीय जनता पार्टी ने 23 राज्यों के प्रदेश प्रभारी और सहप्रभारी नियुक्त किए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से सभी नेताओं को राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी हैं। राजस्थान के नए प्रदेश प्रभारी पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं हुआ है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पुरी से सांसद संबित पात्रा बतौर कोआर्डिनेटर नॉर्थ ईस्ट के सभी राज्यों की कमान संभालेंगे।

मध्य प्रदेश के प्रभारी यूपी के एमएलसी डॉ. महेंद्र सिंह और सहप्रभारी दिल्ली के सतीश उपाध्याय को बनाया गया है। इसी तरह छत्तीसगढ़ की कमान बिहार के विधायक नितिन नबीन को मिली है। बिहार के प्रभारी विनोद तावड़े बने हैं तो सह प्रभारी दीपक प्रकाश होंगे।

हिमाचल प्रदेश के प्रभारी श्रीकांत शर्मा तो जम्मू कश्मीर की कमान राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग संभालेंगे। राष्ट्रीय महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल को कर्नाटक का प्रभारी और लक्ष्मीकांत वाजपेयी को झारखंड की कमान मिली है। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर पहले की तरह केरल की जिम्मेदारी देखेंगे। राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम उत्तराखंड तो भाजपा प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा को नॉर्थ ईस्ट का संयोजक बनाया गया है।

सतीश पुनिया होंगे हरियाणा के प्रभारी

राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया को पार्टी ने हरियाणा का प्रभारी बनाया है। इससे पूर्व पुनिया हरियाणा के ही लोकसभा प्रभारी थे। उनके साथ सुरेंद्र सिंह नागर बतौर सह प्रभारी कार्य करेंगे।

सर्वे शुरू | राज्य में बिछेगा 862 किलोमीटर नई रेल लाइनों का जाल

खाटूश्याम से सालासर, डाबला से कोटपूतली तक बिछेंगी नई लाइनें

एक्सक्लूसिव

1441 किमी लाइनें होंगी डबल...फ्रेट टर्मिनल बनाने की भी तैयारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. रेलवे से खुश खबर है। रेलवे बोर्ड अब कोटपूतली, सालासर, टोंक, चाकसू को भी रेल नेटवर्क से जोड़ने में जुट गया है। साथ ही जयपुर से चौमूं-सामोद, रींगस-सीकर-लुहारू समेत कई लाइनों के दोहरीकरण की भी तैयारी चल रही है। रेलवे ने इन सुविधाओं के लिए सर्वे शुरू कर दिया है। आगामी रेल बजट में इनको शामिल किया जाना लगभग तय माना जा रहा है।

दरअसल, रेलवे राजस्थान में रेल नेटवर्क को मजबूती देने में जुटा है। इसके तहत रेलवे 862 किलोमीटर में नई लाइनें बिछाएगा। इनके अलावा 1441 किलोमीटर रेल लाइनों का दोहरीकरण किया जाना प्रस्तावित है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इनके अलावा खातीपुरा (जयपुर), भट्टों की गली, उमरा व लालगढ़ (बीकानेर) में कोच डिपो भी बनाया जाना प्रस्तावित है। इनके अतिरिक्त हिरनोदा (फुलेरा), धानक्या, बिरधवाल व नवलगढ़ में फ्रेट टर्मिनल बनाने की तैयारी चल रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने इनका खाका तैयार कर लिया है। सर्वे शुरू हो गया है। सर्वे रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को भेजी जाएगी। उसके बाद ही बजट स्वीकृति मिल पाएगी और निर्माण कार्य शुरू हो सकेगा। पिछले दिनों उत्तर पश्चिम रेलवे के अधिकारियों और मुख्यमंत्री के बीच बैठक हुई थी। बैठक में इनके बारे में बताया गया था। रेलवे अधिकारियों से भूमि अवाप्ति को लेकर भी मांग की गई थी।

व्यापार-पर्यटन को भी लगेंगे पंख

सालासर-खाटूश्याम जी के बीच रेल लाइन की मांग कई साल से चल रही है। यहां सालाना लाखों लोगों की आवाजाही होती है। कोटपूतली, टोंक भी रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा। लाइनों के दोहरीकरण से गति मिलेगी। टर्मिनल स्टेशन व फ्रेट टर्मिनल से लोगों को सुविधाएं मिलेंगी। पर्यटन व व्यापार दोनों को पंख लगेंगे।

नए रेलवे प्रोजेक्ट पर सर्वे चल रहा है। उसकी रिपोर्ट बोर्ड को भेजी जाएगी फिर आगे का खाका तैयार होगा।

-कैप्टन शशिकिरण, सीपीआरओ, उत्तर पश्चिम रेलवे

ये बिछेंगी नई लाइनें

- खाटूश्यामजी-सालासर-सुजानगढ़
- कोटपूतली-डाबला/न्यू डाबला
- अजमेर (आदर्श नगर)- टोंक-चाकसू-बस्सी
- अनूपगढ़-बीकानेर
- फलौद -नागौर
- मंदसौर-प्रतापगढ़-बांसवाड़ा
- पिलानी-लुहारू
- बीकानेर बाइपास ■ चूरू बाइपास ■ डेगाना बाइपास ■ बांगड़ग्राम बाइपास
- बाइपास समदड़ी
- बाइपास अलवर-रेवाड़ी सेक्शन से न्यू रेवाड़ी स्टेशन डीएफसी

ये लाइनें होंगी डबल

- जयपुर से चौमूं-सामोद
- जयपुर ऑर्बिटल कॉरिडोर
- नारनौल-फुलेरा ■ उमरा-देबारी ■ लालगढ़ -जैसलमेर
- राइका बाग- मारवाड़ मथानिया

यूनान

सप्ताह में करना होगा छह दिन काम

एथेंस@ पत्रिका. यूनान में अब श्रमिकों को प्रति सप्ताह छह दिन काम करना होगा। प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने दावा किया है कि ओवरटाइम कार्य के लिए पर्याप्त पारिश्रमिक मिलेगा तथा अघोषित श्रम की समस्या पर भी अंकुश लगेगा। हालांकि, श्रमिक संगठनों ने इस पहल की आलोचना की है। मित्सोताकिस ने इस पहल को घटती आबादी और कुशल श्रमिकों की कमी के समाधान के रूप में प्रचारित किया है।

पोलमपोल भायो

भोजन हुयो मिलावटी, बढ़ा रह्यो छै रोग।
पीड़ा दोन्यूं ही बखत, जीम रह्या छै लोग।

धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व : बफर जोन घोषित होने पर टिकी निगाहें, उससे पहले बजट नहीं, बफर जोन के प्रस्ताव जाने के बाद ही घोषित होगा नोटिफिकेशन

एक साल से कागजों में टाइगर रिजर्व, इस सीजन भी नहीं होगा शुरू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

धौलपुर. राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व को बीते साल 54वें बाघ अभयारण्य के रूप में सैद्धांतिक स्वीकृति भले ही दी, लेकिन यह प्रस्ताव आज भी कागजों में नजर आ रहा है। इस निर्णय से धौलपुर और करौली जिले में पर्यटन के क्षेत्र में एक अच्छा कदम माना जा रहा था, लेकिन एक साल बाद भी अभी तक टाइगर रिजर्व पार्क को लेकर कार्य सुस्त चल रहा है। क्योंकि बफर जोन घोषित होने से पहले बजट नहीं मिलेगा। यानी इस सीजन में पार्क के शुरू होने की संभावना कम है। बता दें कि इको टूरिज्म के माध्यम से स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए एनटीसीए के इस निर्णय को बेहतर कदम माना था। गौरतलब है कि एनटीसीए ने 22 अगस्त 2023 को राजस्थान के करौली और धौलपुर जिलों में बाघ अभयारण्य बनाने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक स्वीकृति मिली थी।

फाइल फोटो

धौलपुर. सरमथुरा क्षेत्र में भ्रमण करता टाइगर।

बफर जोन से होगा पूर्ण

नए टाइगर रिजर्व पार्क को क्रिटिकल टाइगर हैबीटाट तो घोषित कर दिया है, लेकिन बफर जोन का नोटिफिकेशन और होना है। इसके लिए इलाके में ग्राम सभा करा कर प्रस्ताव लिए जाने हैं। धौलपुर में ग्राम सभा हो चुकी है, लेकिन करौली और भरतपुर से प्रस्ताव लेना शेष है। कुछ टुकड़ा भरतपुर जिले का भी शामिल है। बफर जोन के प्रस्ताव जाने पर एनटीसीए और वन एवं पर्यावरण विभाग नोटिफिकेशन जारी करेगा। जो टाइगर रिजर्व को बफर जोन बताएगा।

धौलपुर-करौली जिले के वन क्षेत्र शामिल

धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व की स्थापना दो पूर्वी राजस्थान के दो जिलों को बनाकर हुई है। पहला कोर एरिया 580 स्क्वायर किमी और दूसरा एरिया 495 स्क्वायर किमी में फैला है। पिछले साल धौलपुर क्षेत्र सरमथुरा इलाके के वन क्षेत्र में करीब आधा दर्जन बाघों का मूवमेंट सामने आया था।

टाइगर रिजर्व के लिए बफर जोन का प्रस्ताव भिजवाया जा रहा है। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद पार्क के लिए बजट मिलना शुरू हो जाएगा। करौली के साथ कुछ टुकड़ा भरतपुर का भी है। इसलिए ग्राम सभा के प्रस्ताव मिलने पर उन्हें अगले सप्ताह तक बफर जोन के नोटिफिकेशन के लिए भिजवाएंगे।

- नाहर सिंह सिनसिनवार, उप वन संरक्षक चंबल सेंचुरी, धौलपुर

पर्यटन और रोजगार को लगेंगे पंख

धौलपुर जिले में रोजगार के खास साधन नहीं है। यहां प्रमुख कार्य रेड स्टोन है, जो जिले के सरमथुरा, बसेड़ी और बाड़ी क्षेत्र में होता है। इसके बाद पशु पालन है। इंडस्ट्रीज में रोजगार का अभाव है। इसलिए नवीन टाइगर रिजर्व पार्क शुरू होने से पर्यटन और रोजगार को बढ़ाने में मदद मिलेगी। सवाईमाधोपुर के रणथम्भौर और अलवर के सरिस्का की तर्ज पर यहां पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी।

66000 स्कूलों के छात्रों को पुस्तकों का वितरण

विद्यार्थियों के हाथों में पहुंचीं पुस्तकें, एक दिन में साढ़े तीन करोड़ पुस्तकें बांटीं

विद्यालय में निःशुल्क पुस्तकों का वितरण।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. शिक्षा सत्र शुरू होने के साथ ही विद्यार्थियों के हाथों में पुस्तकों ने शोभा बढ़ानी शुरू कर दी है। यह पहला मौका है, जब शिक्षा सत्र 2024-25 के शुरू होने के पांचवें दिन ही प्रदेश के सैंकड़ों स्कूलों में विद्यार्थियों को पुस्तकों का वितरण किया जा चुका है। गत दिनों जयपुर में शिक्षा विभाग की बैठक में विद्यार्थियों को समय पर पाठ्य पुस्तकें एवं साइकिलों का वितरण करने का फैसला हुआ था। शुक्रवार को एक ही दिन में प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पाठ्य पुस्तकों का वितरण कर दिया गया। मुख्य समारोह जयपुर में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की मौजूदगी में हुआ। इसके बाद प्रदेश के सभी जिलों के स्कूलों में वितरण कार्यक्रम हुआ। समारोह में प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी भी मौजूद रहे।

बीकानेर के स्कूलों में भी हुआ पुस्तक वितरण

प्रदेश के अन्य जिलों के साथ-साथ बीकानेर जिले के भी अनेक स्कूलों में पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नारसीसर में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेन्द्र कुमार शर्मा एवं जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) गजानंद सेवग की मौजूदगी में पुस्तक वितरण किया गया। इस मौके पर पौधरोपण भी किया गया।

प्रदेश के 66 हजार स्कूलों में तीन करोड़ पुस्तकों का वितरण 58 लाख विद्यार्थियों को किया गया। प्री प्राइमरी से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकें वितरित की गईं। जिन विद्यार्थियों को अभी तक पुस्तकें नहीं मिली हैं, उन्हें भी स्कूल आने पर कक्षा के अनुसार वितरण किया जाएगा।

ट्रेंडिंग वीडियो

1. भोले बाबा की बहन ने उगले राज

2. इन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

उत्तर कुंजियों पर आपत्ति आज से

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान लोक सेवा आयोग ने सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) स्क्रीनिंग टेस्ट-2021 की 14 विषयों की मॉडल उत्तरकुंजियां वेबसाइट पर जारी की हैं। अभ्यर्थी शनिवार से उत्तर कुंजियों पर ऑनलाइन आपत्ति दर्ज करा सकेंगे।

विधि रचनाकार परीक्षा 14 जुलाई को

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान लोक सेवा आयोग के तत्वावधान में विधि रचनाकार प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 14 जुलाई को होगा। प्रवेश पत्र 11 जुलाई को अपलोड किए जाएंगे। सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि परीक्षा सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2.30 से शाम 5.30 बजे तक अजमेर व जयपुर जिला मुख्यालय पर होगी। परीक्षा में ओएमआर शीट में पांचवें विकल्प भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। अभ्यर्थी आवंटित जिले की जानकारी 7 जुलाई को एसएसओ पोर्टल से ले सकेंगे। अभ्यर्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही केंद्रों में प्रवेश दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को मूल आधार कार्ड (रंगीन प्रिंट) लाना जरूरी होगा।

शराब पीकर स्कूल में मचाया उत्पात, अध्यापक निलम्बित

कोटा @ पत्रिका. राउमावि रंगपुर के अध्यापक द्वारकालाल मीणा को विद्यालय में शराब पीकर आने, उत्पात मचाने के मामले में निलम्बित किया। जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक कृष्णकुमार शर्मा ने बताया कि अध्यापक द्वारकालाल मीणा के स्कूल में शराब पीकर आने व अशोभनीय कार्य को देखते हुए 5 जुलाई से निलम्बित करने के आदेश दिए। अध्यापक का मुख्यालय इटावा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय रहेगा।

खान विभाग में हड़कंप : जयपुर, जोधपुर समेत नौ जिलों के खनिज अभियंताओं से मांगा जवाब

लोकायुक्त ने माना...बजरी खनन के पट्टों में हुआ अरबों का घोटाला, मांगी रिपोर्ट

एक्सक्लूसिव

सुरेश जैन
patrika.com

भीलवाड़ा. लोकायुक्त प्रताप कृष्ण लोहरा ने नियम विरुद्ध बजरी खनन के पट्टों में अरबों का घोटाला होना माना है। उन्होंने खान निदेशालय से बजरी मामले में रिपोर्ट मांगी। लोकायुक्त के पत्र से खान विभाग में हड़कंप मचा है। लोकायुक्त ने सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी एवं उच्चतम न्यायालय के आदेशों के विपरीत निरस्त एलओआइ धारकों को नियम विरुद्ध बजरी खनन के पट्टे देने में हुए घोटाले की रिपोर्ट मांगी है। अधीक्षण खनिज अभियंता उदयपुर कमलेश्वर बारेगामा ने मामले में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, भरतपुर, कोटा, राजसमन्द, अजमेर, बीकानेर तथा भीलवाड़ा के अधीक्षण अभियंताओं से प्रोफार्मा अनुसार जवाब मांगा है।

भीलवाड़ा में बजरी से भरा ट्रैक्टर जाते हुए।

इनके मांगे जवाब

लोकायुक्त ने सरकार से कई बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट मांगी है। इनमें एलओआइ धारक का नाम व पता, पट्टे का स्थान, खनन पट्टा क्षेत्र, खनन अधिकार कब व कौनसी तारीख को दिया, पट्टे की मंजूरी की तारीख, पट्टा अवधि कितने दिन के लिए था, जैसे कई बिंदुओं के बारे में पूछा है।

बजरी का दोहन

बजरीधारक फर्जी रवन्ना व ट्रांजिट पास से परिवहन कर रहे हैं। बूंदी में पकड़े बजरी के डंपर चालक के पास भी फर्जी टीपी मिली थी। यानी इंडियन बैंक एसोसिएशन से अनुमोदित एमआइसीआर पेपर का कहीं भी उपयोग न होकर दूसरे कागजों पर फर्जी रवन्ना बुक व टीपी छापकर काम में लिया जा रहा है।

लोकायुक्त ने यह भी पूछा

- सीईसी (सेंट्रल एंपावर्ड कमेटी) की सभी शर्तों की पालना लीज होल्डर ने की या नहीं?
- व्यक्तियों या फर्मों को बजरी लीज राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियम 2017 के तहत दी गई है?
- लीजधारकों ने वार्षिक मूल्यांकन करवाया? यदि हां तो क्या यह रिपोर्ट विभाग को दी है? क्या यह डीएसआर का भाग है?
- विभाग ने यह सुनिश्चित किया कि खनिज स्थल पर मोबाइल वे-ब्रिज से तुलाई के बाद बजरी ट्रांजिट डिपो भेजी गई एवं अनलोड से पूर्व फिर तुलाई हुई? यदि हां तो दोनों में कितना अंतर रहा है?
- विभाग ने सुनिश्चित किया कि केवल जीपीएस एवं आरएफआइडी वाहन ही बजरी परिवहन में शामिल है तथा विभाग ने ऑनलाइन पोर्टल पर पर्यवेक्षण किया है?
- ई-रवन्ना के माध्यम से बजरी परिवहन किया या अन्य भौतिक रवन्ना जारी किया गया है?
- बजरी धारकों ने ई-रवन्ना व ट्रांजिट पास इंडियन बैंक एसोसिएशन से अनुमोदित एमआइसीआर पेपर पर ही छापा है?

निदेशालय से पत्र मिला है। उस आधार पर रिपोर्ट बना रहे हैं। अभी बजरी के मामले में सीबीआइ भी जांच करने से अधिकारी उनके साथ लगे हैं।

- ओपी काबरा, अधीक्षण खनिज अभियंता, भीलवाड़ा

किसानों के लिए राहत की खबर

तेज गर्मी और लू से कम हुआ देश में टिड्डी का खतरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चिड़ावा (झुंझुनूं). प्रदेश में कमजोर प्री-मानसून, तेज गर्मी और लू के कारण इस बार टिड्डी के पनपने का खतरा कम हो गया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सर्वेक्षण में जून के अंत तक रेगिस्तानी क्षेत्र में सामूहिक और एकल टिड्डियों की कोई हलचल नहीं मिली। किसानों के लिए यह राहत की खबर है। मंत्रालय ने सर्वेक्षण में कुल 165 जगह का अवलोकन किया। सर्वेक्षण में निर्धारित रेगिस्तानी क्षेत्र में बीकानेर, फलौदी, पालनपुर और सूरतगढ़ के कुछ स्थानों पर मिट्टी की नमी मिली।

सूरतगढ़ और पालनपुर में कुछ स्थानों पर हरी घास देखी गई। लेकिन टिड्डी की उपस्थिति नहीं मिली। अल्जीरिया के मध्य सहारा में जरूर टिड्डी के कुछ व्यस्क पाए गए। दक्षिण-पूर्वी ईरान के आंतरिक भाग में तीन स्थानों पर कुछ टिड्डी दल देखे गए। मंत्रालय का मानना है कि भारत-पाकिस्तान में सामान्य से ज यादा बारिश होने की उम्मीद है। मानसून में वयस्क टिड्डियों की कम संख्या दिखाई देगी।

फाइल फोटो

नहीं हो रहा टिड्डी प्रजनन

सर्वेक्षण में सामने आया कि मरुस्थलीय क्षेत्र में टिड्डी के प्रजनन के लिए परिस्थिति अनुकूल नहीं है। सर्वेक्षण के अनुसार पूर्वानुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले पखवाड़े में भी टिड्डी की गतिविधि नहीं दिखेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत से करीब पांच हजार किमी दूर पूर्वी अफ्रीका में ज्यादातर टिड्डी का हॉट स्पॉट रहता है। इथोपिया, केन्या, सोमालिया, जिबूती और युगांडा में बारिश के मौसम में प्रजजन के बाद इसकी संख्या में बढ़ौतरी हो जाती है। इसके बाद टिड्डी दल ईरान, सऊदी अरब, पाकिस्तान, अफगानिस्तान से होता हुआ भारत में प्रवेश कर जाता है।

तलवास: पर्यटकों को लुभा रहा पहाड़ी से गिरता झरना

तलवास (बूंदी). क्षेत्र में गुरुवार देर रात शुरू हुई कभी तेज तो कभी हल्की बारिश से पहाड़ियों से जगह-जगह पर झरने गिरने लगे हैं। अजीतगढ़ किले पर रामसागर कडुलीया धुंधेलश्वर महादेव का कुंड लबालब भर गया। इसके बाद पानी झरने के रूप में छलक गया। काफी संख्या में पर्यटक झरने को देखने के लिए आने लगे हैं।

154 अभ्यर्थियों के मंडल आवंटन के लिए विकल्प मांगे

बीकानेर @ पत्रिका. आरपीएससी अजमेर की ओर से वरिष्ठ अध्यापक सीधी भर्ती-2022 के अन्तर्गत संस्कृत तथा उर्दू के 154 अभ्यर्थियों से मंडल आवंटन के लिए विकल्प मांगे हैं। तय समय तक विकल्प नहीं भरा गया, तो शिक्षा विभाग अभ्यर्थी का किसी भी मंडल में पदस्थापन कर सकेगा। संस्कृत विषय में 145 एवं उर्दू के 9 अभ्यर्थियों को विभाग की ओर से मण्डल आवंटन के लिए प्राथमिकता विकल्प ऑनलाइन मांगे हैं। अभ्यर्थी 6 जुलाई तक समय शाम 6 बजे तक विकल्प भर सकेंगे। इसके बाद लिंक बंद हो जाएगा। यदि अभ्यर्थी को विकल्प दर्ज करते समय रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी नहीं आता है, तो ऐसे अभ्यर्थी शिक्षा निदेशक के नाम से आधार कार्ड की छाया प्रति के साथ विभाग की वेबसाइट पर प्रार्थना-पत्र भेज सकते हैं, ताकि मोबाइल नम्बर में संशोधन एवं अभ्यर्थी मण्डल प्राथमिकता विकल्प आसानी से भर सके।

20 जुलाई तक होंगे चयन

शिक्षा विभाग: 2 हजार 449 प्रबोधक इस माह होंगे पदोन्नत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. प्रारंभिक शिक्षा के अधीन कार्यरत 2 हजार 449 प्रबोधकों को जल्दी ही वरिष्ठ प्रबोधक पदों पर पदोन्नत करने की तैयारी शिक्षा विभाग ने कर ली है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा, मुख्यालय) को उनके जिले में पदोन्नति के पात्र प्रबोधकों की संख्या भेजते हुए उनकी अस्थायी वरिष्ठता सूची 10 जुलाई तक अद्यतन करने के निर्देश दिए हैं। इस सूची पर 3 दिवस में संबंधित प्रबोधकों से आपत्तियां मांगने के बाद 15 जुलाई तक स्थाई वरीयता सूची जारी कर दी जाएगी। 20 जुलाई तक चयन संबंधी कार्यवाही पूरी कर चयन आदेश की हार्ड और सॉफ्ट कॉपी 22 जुलाई तक प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय को वाहक स्तर पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

बीकानेर जिले से 60

जिले में कुल 254 प्रबोधक पदोन्नति के पात्र थे, जिसमे से 122 को वरिष्ठ प्रबोधक पदों पर पदोन्नत किया जा चुका है। शेष 132 प्रबोधकों में से 60 प्रबोधकों को वरिष्ठता के आधार इस बार पदोन्नत किया जाएगा।

पूरे राज्य में कुल 10 हजार 392 प्रबोधक वरिष्ठ प्रबोधक पदों पर पदोन्नति के पात्र हैं, जिसमे से वर्ष 2021 में पदोन्नत करने के लिए 5 हजार पद स्वीकृत किए गए थे। शेष रहे 5 हजार 392 में से अब 2 हजार 449 पदों पर पदोन्नति की स्वीकृति सरकार ने दी है। जिन नवगठित जिलों में जिला स्थापना समिति का गठन नहीं हुआ है, उन जिलों में पूर्व 33 जिलों के अनुसार ही वरिष्ठता निर्धारित की जाएगी।

राज्य में पांच साल में बलात्कार के 25 हजार तो छेड़छाड़ के 45 हजार मामले

उदयपुर में बलात्कार तो अलवर में सामूहिक बलात्कार के सर्वाधिक मामले दर्ज

श्यामलाल चौधरी
patrika.com

नागौर. राजस्थान सरकार के गृह विभाग की ओर से विधानसभा में महिला अपराधों के बारे में दी गई जानकारी के अनुसार एक जनवरी 2019 से 31 दिसंबर 2023 तक 2 लाख 223 से अधिक मामले दर्ज हुए हैं। इनमें बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, हत्या, छेड़छाड़, अपहरण, दहेज हत्या एवं दहेज प्रताड़ना से जुड़े मामले हैं। इनमें से पुलिस एक लाख, 4 हजार 743 प्रकरणों में चालान पेश कर पाई, जबकि 89,829 प्रकरणों में एफआर लगा दी। 5,350 प्रकरण पेंडिंग हैं।

जिलावार मामले देखें तो पांच साल में सबसे अधिक 1277 बलात्कार के मामले उदयपुर जिले में दर्ज हुए, जबकि सामूहिक बलात्कार के सर्वाधिक 418 मामले अलवर जिले में दर्ज किए गए। बलात्कार के सबसे अधिक मामले दर्ज करने वाले उदयपुर में सामूहिक बलात्कार के मामले मात्र 72 ही हैं। इसी प्रकार हत्या के सबसे अधिक 295 मामले अलवर जिले में दर्ज किए गए, तो दहेज हत्या के भी सबसे अधिक 135 मामले अलवर में ही हुए हैं। छेड़छाड़ के सबसे अधिक 1795 मामले अजमेर में दर्ज किए गए हैं।

हत्या के 155 मामलों का नहीं हुआ खुलासा

हत्या से जुड़े 155 मामले ऐसे हैं, जो पुलिस के लिए ब्लाइंड मर्डर बन गए। इसमें चार नागौर के तथा दो डीडवाना-कुचामन के हैं। सरकार का कहना है कि इनमें 101 मामले ऐसे हैं, जिनमें विशेष टीमों का गठन किया गया, ताकि मामलों का खुलासा हो सके, लेकिन पुलिस को सफलता नहीं मिली है।

फोकस | **प्राथमिक स्कूलों में 485 ट्रांसजेंडर विद्यार्थी, उच्च माध्यमिक में एक भी नहीं**

बढ़ती उम्र के साथ शिक्षा से दूर हो रहे राजस्थान के ट्रांसजेंडर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. ट्रांसजेंडर को शिक्षा का संबल देने के मामले में राजस्थान बहुत पीछे है। लिहाजा प्रारंभिक शिक्षा के बाद ही ट्रांसजेंडर की पढ़ाई छूट रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश के प्राथमिक स्कूलों में 485 ट्रांसजेंडर विद्यार्थी अध्ययनरत है, लेकिन उच्च माध्यमिक स्कूलों में एक भी नहीं है। राजस्थान में ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड भी इस पर काम नहीं कर पा रहा है। सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत ट्रांसजेंडर बढ़ती उम्र के साथ ही शिक्षा से दूर होते जाते हैं। भेदभाव और कमाई का कोई साधन न होना बड़ी वजह है। शिक्षा विभाग के शाला दर्पण के आंकड़े में यह कड़वा सच सामने आया है। आंकड़ों पर गौर करें तो 5वीं कक्षा तक की पढाई के बाद ज्यादातर ट्रांसजेंडर विद्यार्थी पढ़ाई छोड़ देते हैं। कुछ कक्षा 8 तक पढ़ाई करते हैं, लेकिन बोर्ड कक्षा तक आते-आते लगभग सभी ट्रांसजेंडर विद्यार्थी पढाई छोड़ चुके होते हैं। वर्ष 2023-24 के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में 485 ट्रांसजेंडर विद्यार्थी प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत है।

कक्षा अनुसार ट्रांसजेंडर नामांकन

कक्षा ग्रुप	ट्रांसजेंडर विद्यार्थी
कक्षा 1 से 5	451
कक्षा 6 से 8	32
कक्षा 9 से 10	02
कक्षा 11 से 12	00

कक्षा 9 से 10 में दो, 11 एवं 12 में एक भी नहीं

प्रदेश में कक्षा 9-10 में अध्ययनरत विद्यार्थियों में ट्रांसजेंडर का नामांकन नाम मात्र का है। इस कक्षा ग्रुप में पूरे प्रदेश में मात्र 2 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इनमें बारां एवं बाड़मेर में एक-एक विद्यार्थी है। कक्षा 11-12 में एक भी ट्रांसजेंडर का नामांकन नहीं है।

प्रदेश में नामांकन की यह स्थिति

प्रदेश के 33 जिलों में 32 ऐसे हैं, जहां पहली से 5वीं तक की कक्षाओं में 451 ट्रांसजेंडर विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। कक्षा 6 से 8 तक में ट्रांसजेंडर के नामांकन में कमी देखी गई। इन कक्षाओं में 13 जिलों में 32 ट्रांसजेंडर विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

ट्रांसजेंडर बच्चों की छूटी हुई पढ़ाई को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। इसको लेकर फंडिंग के लिए मंत्रालय से भी मिले हैं। राजस्थान में ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड से स्कॉलरशिप का भी प्रबंध है। नियमों की पेचीदगी को सरल करने का प्रयास कर रहे हैं।

पुष्पा माई, महामंडलेश्वर, किन्नर अखाड़ा जयपुर

ट्रांसजेंडर की शिक्षा पर खर्च का यह प्रावधान

- वित्तीय वर्ष 2021-22 की बजट घोषणा में ट्रांसजेंडर उत्थान कोष दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। ऐसे में प्रारम्भिक से उच्च, तकनीकी शिक्षा के लिए पूर्व मैट्रिक छात्रों को 225 रुपए प्रति माह, उत्तर मैट्रिक के लिए 1000 रुपए और फीस का पुनर्भरण देय है।
- कक्षा 6 से उच्च कक्षा में अध्ययनरत को निवास से अन्यत्र रहने की स्थिति में 6000 रुपए सहायता देने का प्रावधान है।

5 साल में दर्ज महिला अपराधों के मामले

शीर्षक	दर्ज प्रकरण	चालान	एफआर	पैंडिंग
बलात्कार	25379	14001	10523	855
सामूहिक बलात्कार	6999	3449	3281	269
हत्या	3046	1788	1088	169
छेड़छाड़	45351	25877	18454	1020
अपहरण/व्यपहरण	31208	9974	19818	1416
दहेज हत्या	2366	1591	674	101
दहेज प्रताड़ना	85874	48363	35991	1520

'कानून दिव्य दृष्टि से बनें' पर प्रतिक्रियाएं

सरकारों को कमाई का मोह छोड़ करनी होगी सेहत की चिंता

*आज के दौर की जीवनशैली सुविधाओं के साथ-साथ कई बीमारियों को भी निमंत्रण दे रही है। मोबाइल का नशा तो जैसे सिर चढ़कर बोल रहा है। बच्चे से लेकर बड़े तक सब मोबाइल में व्यस्त हो घर-परिवार से कटते जा रहे हैं। आत्मा और प्रकृति को दरकिनार कर देह में जीने की मनुष्य की प्रवृत्ति पर चिंता जताते पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी के अग्रलेख 'कानून दिव्य दृष्टि से बनें' को पाठकों ने उद्वेलित करने वाला बताया है। पाठकों का कहना है कि आलेख से जुड़े सभी पहलुओं में सख्त कानून बनाने की जो हिमायत की गई है वह आज के दौर की सख्त जरूरत है। **पाठकों की प्रतिक्रियाएं विस्तार से-***

कम समय में अधिक उत्पादन के मोह ने कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल बढ़ाया है। वर्णसंकर बीजों के दुष्परिणाम हम भोग रहे हैं। एक तरफ गोवंश को बचाने की मुहिम छेड़ते हैं तो दूसरी ओर गोमांस निर्यात बढ़ाने में भी हम पीछे नहीं। हमें आस्था के नाम पर जो अंधेरा हो रहा है उसे छोड़कर उजाले की ओर आना होगा। **-यशपाल यश,** ओमउमाश्रय सेवाधाम, जयपुर

तकनीक के साधनों में इंसान पूरी तरह से खो गया है इससे बचने की जरूरत है। युवा कई ऑनलाइन गेम्स की लत का शिकार हो रहे हैं। इससे पूरी तरह से वे तनाव में पहुंच रहे हैं। इस पर लगाम लगानी होगी ताकि आने वाली पीढ़ी के भविष्य बचाया जा सके। **-पंकज गोयल,** जयपुर

अग्रलेख 'कानून दिव्य दृष्टि से बनें' सचमुच कई चिंताएं खड़ी करने वाला है। अग्रलेख में सही कहा गया है कि आज छोटी उम्र में ही बच्चे समय से पहले बड़े बन रहे हैं। सोशल मीडिया अश्लीलता का बड़ा माध्यम बन गया है। वहीं मोबाइल की लत ने बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अग्रलेख में कहा गया है कि मोबाइल की लत कैंसर से भी गंभीर रोग बन गया है। इसलिए ही सरकारों को सख्त कानून बनाने की जरूरत है। **-शिवजीलाल मीना,** रिटायर्ड बैंक अधिकारी, जयपुर

मोबाइल मेनिया तेजी से फैल रहा है। दुनिया के 5.5 करोड़ लोग मोबाइल-सोशल मीडिया से जुड़े रोगियों की श्रेणी में हैं। आंखों की बीमारी, मानसिक तनाव, चिड़चिड़ापन जैसे रोग पनप रहे हैं। यह बात सच है कि एआइ तकनीक, इंटरनेट वक्त के साथ बेहद जरूरी हैं। लेकिन युवाओं का स्क्रीन पर 12 से 16 घंटे बिताना मुसीबत को दावत देना है। **-डॉ. के.एल सिंह,** अजमेर

हम ब्रह्मांड के उद्देश्य को ही अपने जीवन का उद्देश्य समझें, तो खुद को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। क्योंकि ब्रह्मांड और हर एक परमाणु का अपना उद्देश्य है और हम सब उसी के हिस्से हैं। लाखों आकाश गंगाएं और तारे सौर मंडल में स्वचलित तरीके से काम कर रहे हैं। हमें इस उपक्रम का हिस्सा बनना होगा। समाधान स्वत: ही मिल जाएंगे। **-सज्जन राज मेहता,** बेंगलूरु

'कानून दिव्य दृष्टि से बनें' शीर्षक अग्रलेख का निचोड़ यही है कि मानव स्वभाव से ही सुविधाओं के पीछे भागता है। दुपहिया वाहनों को फर्राटे से दौड़ाना हो या फिर नशे की लत और यातायात नियमों की खुली अवहेलना इन सबकी वजह यही है कि हमारे यहां कानून सख्त है ही नहीं। जहां सख्त प्रावधान हैं वहां इनकी पालना में सख्ती नहीं होती। अग्रलेख में मोबाइल मेनिया की ओर सही चिंता व्यक्त की गई है कि समय रहते हमें ही बचाव के उपाय तलाशने होंगे। **-रामप्रकाश शर्मा,** सवाईमाधोपुर

आधुनिक दौर में तमाम दूसरी बीमारियों के साथ मोबाइल की लत भी एक बड़ी बीमारी बनती जा रही है। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए रील-मीम्स बनाने की होड़ एक तरह से मानसिक रोग ही बढ़ा रही है। बच्चे अथवा युवा घंटों मोबाइल पर बिताने लगे हैं। यह स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक दृष्टि से भी हानिकारक है। नतीजा यह भी कि परिवारों में तो बच्चों-माता-पिता के बीच संवाद भी कम हो रहा है। **-एस.वी.शर्मा,** सेवानिवृत्त अधिकारी, अजमेर

ये बात बिल्कुल सही है कि मोबाइल का नशा सिर चढ़कर बोल रहा है। खासकर युवा वर्ग इसकी चपेट में आ चुका है। इसके अधिक उपयोग से दुष्परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में सरकार को आवश्यक रूप से इस ओर ध्यान देते हुए आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है, अन्यथा नई पीढ़ी के लिए आने वाला कल मुश्किल होने वाला है। **-क्रांति प्रकाश मिलिंद,** एडवोकेट, ग्वालियर

देखा जाए तो तकनीक ने हमें काफी कुछ दिया है, लेकिन जब तकनीक को दास बनाने के बजाय हम खुद उसके दास बन जाएं तो फिर मोबाइल की लत से उपजे खतरे तो सामने आएंगे ही। चिंता की बात यही है कि सरकारों का ध्यान सिर्फ राजस्व जुटाने में रहता है। अकेले मोबाइल के कारण पीढ़ियां किस तरह से संस्कारों से विमुख होती जा रहीं है इसकी कोई चिंता नहीं करता। अग्रलेख में आज की शिक्षा, नैतिक मूल्यों का पतन और परिवारों के होते विघटन के कारणों का बखूबी जिक्र किया है। जो संकट सामने दिख रहे हैं उनका मुकाबला करने के रास्ते भी हमें ही तलाशने हैं। सरकार और समाज दोनों को। **-निहिता जैन,** मेडिकल छात्रा, अयोध्या

कैंसर रोग पहले हजारों लोगों में एक को होता था, लेकिन अब यह तेजी से पांव पसार रहा है। इसका बड़ा कारण सही खान-पान न होना है। अग्रलेख में सही कहा है कि सरकार लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रही है। उन्नत बीज पर फोकस किया जा रहा है, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा कि यह स्वास्थ्य पर कितना भारी पड़ रहा है। **-विनिता केशरवानी,** सागर, मध्यप्रदेश

हमारे अधिकतर कानूनों व प्रावधानों में इतना लचीलापन है कि बड़े से बड़ा अपराधी भी बच निकलता है और छोटे अपराध के लिए किसी को भी बरसों जेल में सड़ाया जा सकता है। इसलिए जो भी कानून बनाए जाएं उसमें सभी बिन्दुओं का ध्यान रखना चाहिए। तभी न्याय की उम्मीद की जा सकती है। **-चंद्रशेखर शर्मा,** जबलपुर

विकास समय की मांग है। तकनीक में परिवर्तन भी समय के अनुसार होता रहता है। मोबाइल समय की अनिवार्यता है, लेकिन किसी भी तकनीक के साथ फायदे और नुकसान दोनों जुड़े होते हैं। मोबाइल ने कई चीजों को आसान कर दिया है, लेकिन मानव में कई विकृतियां पैदा कर दी हैं। मोबाइल पर आने वाली नुकसानदायक चीजों रोकने के लिए सख्त कानून की जरूरत है। **-रविंद्र सिंह,** छिंदवाड़ा

मोबाइल का दंश आज परिवार भी तोड़ रहा है। आए दिन कोई न कोई केस महिला थाना में इसी से जुड़े होता है। बच्चे इसके आदी तो हो ही रहे, बड़े भी गिरफ्त में आ रहे हैं। अग्रलेख वाकई आंख खोलने वाला है। यह हमें इतनी गहराई में लेकर जाता है जहां से मोबाइल युग की जड़ें हिलती दिखाई देती हैं। अगर यही हाल रहा तो वो दिन दूर नहीं जब हमें एंटी मोबाइल टीका लगाना पड़े। **-नीता शर्मा,** रायपुर, छत्तीसगढ़

कानून जटिल होने की जगह सहज और आमजन से जुड़े होने चाहिए। आज की आवश्यकता साइबर क्राइम रोकने, इंटरनेट के दुरुपयोग और इससे लोगों, खासकर बच्चों और युवाओं में दुष्प्रभाव से बचने की है। साथ ही ऐसी वस्तुएं जो जीवन और समाज के लिए हानिकारक हैं, उन पर रोक लगाना भी जरूरी है। **-आनन्द मोहन तिवारी,** एडवोकेट, रायपुर.

सियासत गरमाई: भाजपा ने कहा, अभी मत दो इस्तीफा...जल्द ही मंत्रिमंडल में करेंगे फेरबदल तब छोड़ देना मंत्री पद की जिम्मेदारी

किरोड़ी को अब राज्यपाल बनाने की चर्चा लेकिन वे तैयार नहीं

पद छोड़ने की घोषणा के साथ पार्टी हुई सक्रिय

भवनेश गुप्ता
patrika.com

जयपुर. लोकसभा चुनाव की हार का स्वयं-भू जिम्मा उठाते हुए मंत्री पद से त्यागपत्र देने वाले किरोड़ीलाल मीना ने जयपुर से दिल्ली तक राजस्थान की राजनीति में उथल-पुथल मचा दी है। दरअसल 5 विधानसभा सीटों के उप चुनाव सिर पर खड़े हैं, ऐसे में भाजपा को मीना का मंत्री पद छोड़ना चुनावी गणित पर असर डालता नजर आ रहा है। पांच में से दो सीट दौसा और देवली-उनियारा ऐसी हैं, जो मीना के प्रभाव क्षेत्र की मानी जाती हैं। नतीजतन बीते एक माह से मीना के त्यागपत्र पर खामोश भाजपा उनके मंत्री पद छोड़ने की घोषणा सार्वजनिक होने

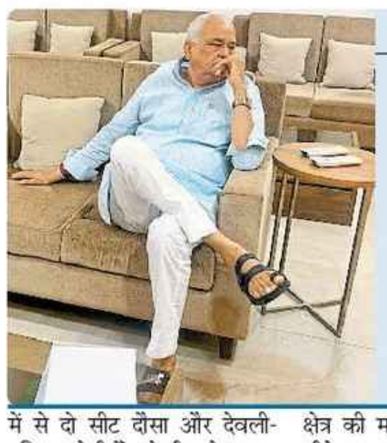

नड्डा ने दिए दो विकल्प

किरोड़ी ने शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा से दिल्ली में मुलाकात की। पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार चुनावी गणित को ध्यान में रखकर दिल्ली ने उन्हें अब दो विकल्प दिए हैं। पहला विकल्प, फिलहाल वह पद पर ही बने रहें। जल्द ही मंत्रिमंडल में फेरबदल होगा, तब वह जिम्मेदारी से मुक्त हो जाएं। दूसरा विकल्प, इसी माह कुछ राज्यपालों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। अत: उन्हें किसी राज्य में राज्यपाल की जिम्मेदारी दी जा सकती है। मीना के समर्थकों के अनुसार राज्यपाल बनने के लिए फिलहाल वह तैयार नहीं हैं। मीना अभी न्यूनतम 10 साल सक्रिय राजनीति का हिस्सा बने रहना चाहते हैं। ऐसे में फिलहाल किसी भी विकल्प पर बात नहीं बनी है।

एसटी वर्ग को संदेश देने की रणनीति

लोकसभा चुनाव में आरक्षण का मुद्दा गर्माने के बाद अब भाजपा जनजाति (एसटी) वर्ग को एक बार फिर जोड़ने की रणनीति बना रही है। इसके लिए एसटी वर्ग के नेताओं को बड़ी जिम्मेदारियां देने की तैयारी है। भाजपा किरोड़ी को राज्य में एसटी का बड़ा नेता मानती है। लिहाजा उन्हें राज्यपाल पद का प्रस्ताव दिया है। उन्हें एसटी वर्ग की बाहुल्यता वाले राज्य में यह मौका देने की चर्चा है।

सार्वजनिक हुआ त्यागपत्र, चिट्ठी में मोदी का भी जिक्र

मंत्री पद छोड़ने की पहेली खत्म होने के बाद मीना का त्यागपत्र भी शुक्रवार को सामने आ गया। मुख्यमंत्री को लिखे 4 पेज के इस्तीफे में उन्होंने उन बातों का ही जिक्र किया, जो चुनाव में कही थीं। लिखा कि दौसा, टोंक-सवाईमाधोपुर और करौली-धौलपुर से सांसद रह चुका हूं। दौसा में पीएम नरेन्द्र मोदी का रोड शो भी हुआ लेकिन तीनों ही सीटें नहीं जीत सके। मैंने 15 सीटों पर प्रचार किया लेकिन जो मेरे प्रभाव क्षेत्र वाली सीटें थी, वहीं पार्टी हार गई। इसलिए अपराध बोध से मन अत्यंत व्यथित है।

होमवर्क शुरू: प्रदेश में अभी 3.76 लाख सम्पत्ति दायरे में, 17 लाख बाहर

यूडी टैक्स के दायरे में ज्यादा भूखंडधारियों को लेने की तैयारी!

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. प्रदेश में नगरीय विकास कर (यूडी टैक्स) के दायरे में ज्यादा लोगों को लाने की तैयारी है। अभी 300 वर्गगज से ज्यादा क्षेत्रफल के आवासीय भूखण्ड और 100 वर्गगज से ज्यादा क्षेत्रफल के व्यावसायिक भूखण्डधारी ही टैक्स के दायरे में हैं। अब इससे कम क्षेत्रफल के भूखंडधारियों को शामिल करने की कवायद की जा रही है।

स्वायत्त शासन विभाग ने इस पर होमवर्क शुरू कर दिया है। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि मौजूदा प्रावधान के तहत प्रदेश में केवल 3.76 लाख सम्पत्ति ही यूडी टैक्स के दायरे में हैं, करीब 17 लाख से ज्यादा इससे बाहर हैं। यह भी 15 वर्ष पहले किए गए सर्वे के आधार पर है। अब तो सम्पत्ति की संख्या काफी बढ़ चुकी है। इससे निकायों की आर्थिक स्थिति लगातार बदतर हो रही है, जिससे लोगों को समय पर पूरी

निकायों की आर्थिक तंगी व सुविधाओं में कटौती को बना रहे आधार

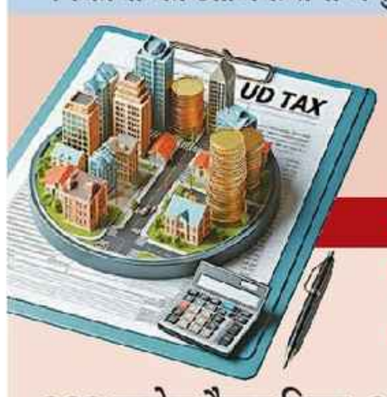

इन राज्यों का हवाला...

अधिकारियों ने गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा सहित अन्य राज्यों में अध्ययन किया है। यहां हर प्रॉपर्टी यूडी टैक्स के दायरे में है। इस कारण वहां लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलने का तर्क दिया जा रहा है।

क्या दे रहे सुविधा?

- **निकाय** जिन लोगों से टैक्स ले रहे हैं, क्या उन तक पूरी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं।
- **ऐसे** कई लोग हैं जो निकायों की मनमानी से परेशान हैं। ऐसे निकायों को सुधारने के लिए मैकेनिज्म क्या होगा।

223 करोड़ टैक्स मिला, 270 में से 10 निकायों का हिस्सा 80 फीसदी

(वर्ष 2023-24 के अनुसार) राशि करोड़ों में

इसका भी हवाला: ■ केन्द्र सरकार के नए नियमों के तहत 15वें फाइनेंस कमीशन ने निकायों को मिलने वाली राशि को यूडी टैक्स से जोड़ दिया है। निर्धारित से कम यूडी टैक्स लेने वाले निकायों को केन्द्र सरकार राशि नहीं देगी। अभी उदयपुर नगर निगम को यह राशि नहीं मिली। अच्छा काम करने वाले निकायों को प्रोत्साहन राशि देने का भी प्रावधान किया गया है। ■ कुछ माह पहले आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के तत्कालीन सचिव जयपुर आए थे। उन्होंने नगरीय निकायों को नगरीय विकास कर एकत्रित करने पर ध्यान देने की जरूरत जताई थी।

उपचुनाव... फूंक-फूंक कर बढ़ा रहे कदम

विधानसभा की पांच सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इस बीच अक्टूबर-नवम्बर से कई नगर निगम, पालिका, परिषद में भी चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस कारण सरकार फूंक-फूंक कर कदम बढ़ा रही है। अफसरों को फिलहाल होमवर्क करने के लिए कहा गया है। लागू करना है या नहीं, इसका फैसला बाद में होगा।

सरपंचों की चेतावनी... सरकार सक्रिय, वार्ता के निर्देश

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. अपनी मांगों का समाधान नहीं होने से नाराज सरपंचों के 18 जुलाई को विधानसभा कूच की चेतावनी के बाद अब सरकार भी एक्टिव मोड में आ गई है।

राज्य सरकार ने सरपंचों से वार्ता करने के निर्देश उच्चाधिकारियों को दिए हैं। बताया जा रहा है कि सोमवार या मंगलवार को सरपंच संघ के प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए बुलाया जा सकता है। इधर सरपंच पूरे प्रदेश में 8 जुलाई को सभी ग्राम पंचायतों में एक दिन की सांकेतिक तालाबंदी करेंगे। उसके पश्चात 10 जुलाई को पंचायत समिति स्तर पर धरना और ज्ञापन दिया जाएगा। 12 जुलाई को सभी जिलों में कलक्टर को ज्ञापन दिए जाएंगे और उसके बाद 18 जुलाई को जयपुर में एकत्रित होकर विधानसभा का घेराव करेंगे।

पेज एक का शेष

वादे पूरे...

परिवर्तन अब शुरू होता है। ब्रिटेन में 4 जुलाई को हुए मतदान का परिणाम शुक्रवार सुबह सामने आया। विपक्षी लेबर पार्टी ने 2005 के बाद ब्रिटिश चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज की है। एक सीट पर पुनर्मतगणना के कारण अंतिम परिणाम शनिवार की सुबह तक घोषित नहीं किया जाएगा।

इससे पहले, 25 अक्टूबर, 2022 को ब्रिटिश पीएम के रूप में पदभार संभालने वाले भारतवंशी ऋषि सुनक ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए पीएम पद और कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पद से भी इस्तीफा दे दिया। उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा, 'मैंने आपकी नाराजगी सुन ली है। ब्रिटिश लोगों ने एक गंभीर फैसला सुनाया है। सीखने और प्रतिबिंबित करने के लिए बहुत कुछ है। मैं नुकसान की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।' ऋषि सुनक भारतीय दिग्गत कंपनी इन्फोसिस के संस्थापक नारायणमूर्ति और सुधा मूर्ति के दामाद है। इस बार रेकॉर्ड संख्या में भारतवंशी ब्रिटेन की संसद में पहुंचे हैं। पिछली बार 15 भारतीय मूल के सांसद चुने गए थे, इस बार 18 हैं।

कीर स्टार्मर बने नए प्रधानमंत्री

कुल सीटें:	650
लेबर पार्टी:	412(+211)
कंजर्वेटिव पार्टी:	121(-250)
लिबरल डेमोक्रेट्स:	71(+63)
स्कॉटिश नेशनल पार्टी:	9(-38)
अन्य:	35(+21)
नतीजे घोषित:	648

130 नहीं...

एम्स तय कर रहा जांच के नए लेवल : देश में डायबिटीज, लिपिड प्रोफाइल, कोलेस्ट्रॉल, बीपी और थायराइड समेत अन्य बीमारियों के लिए नए लेवल तय किए जा रहे हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आइसीएमआर) के रेफरेंस इंटरवेल प्रोजेक्ट के तहत एम्स भोपाल समेत देश के 14 सेंटर भारतीयों के यह नया बेंचमार्क तय कर रहा है। अभी यूएसए और यूरोपीयन रेफरेंस रेंज (रोगों के पैमाने) के हिसाब से देखा जाता है।

भारतीयों को खतरा अधिक

एक भारतवासी और एक अमरीकी में कोलेस्ट्रॉल का लेवल एक जैसा है तो भी दिल की बीमारी का ज्यादा खतरा भारतवासी में होगा। भारतीयों में कोलेस्ट्रॉल के सब पार्ट माइक्रो एलडीएल की मात्रा ज्यादा होती है, ऐसे में दिल की बीमारी का खतरा भी अधिक रहता है। वे लोग जिनमें कोलेस्ट्रॉल लेवल कम बढ़ा हुआ होता है। उन्हें डाइट से इसे कंट्रोल करना जरूरी है। एक बार बढ़ गया जो समस्याएं बढ़ेंगी।

-डॉ. किसलय श्रीवास्तव, कार्डियोलॉजिस्ट, भोपाल

चश्मा पहनते...

कंप्यूटिंग का फ्यूचर : लैपटॉप में स्क्रीन के बदले दिया गया एआर ग्लास एक वायर के जरिए लैपटॉप से जुड़े हैं। इस ग्लास में दो ओएलईडी स्क्रीन है जिसका रेजोल्यूशन 1080पी है। यानी इस ग्लास को लगाते ही दोनों आंखों के सामने अलग-अलग स्क्रीन आ जाएगा। इससे आप आसानी से की-बोर्ड और ट्रैकपैड के जरिए कमांड देकर चला सकेंगे। इस लैपटॉप को कंप्यूटिंग का फ्यूचर कहा जा रहा है। इसने बिना फिजिकल की-बोर्ड और स्क्रीन वाले कंप्यूटर का रास्ता खोल दिया है जो हाथ और आंख के इशारे से आयरन मैन के जारवीस की तरह सभी काम करेगा।

जल्द मिलेगा...

इसे लगवाने में करीब ढाई लाख का खर्चा आता है, लेकिन समय और मांग के बाद इसके और सस्ते होने की उम्मीद है।

ऐसे तैयार होगा... हाइड्रोपैनल तकनीक सौर पैनलों की तरह काम करती है। इसमें लगे पैनल हवा को सोख कर पहले उसे गर्म और फिर ठंडा करते हैं। इससे हवा में मौजूद नमी पानी की बूंदों में बदल जाती है। यह पानी शुद्ध होता है। जरूरी मिनरल और ओजोन मिलाकर इसे पूरी तरह पीने योग्य बनाया जाएगा।

हिन्दू धर्म को नीचा दिखाने का प्रयास बर्दाश्त नहीं: जोशी

जयपुर @ पत्रिका. भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा की 240 सीटें आई हैं। कांग्रेस तीन चुनावों में भी इतनी सीटें हासिल नहीं कर पाई। लोकसभा में जिस प्रकार हिंदुओं को बदनाम करने और नीचा दिखाने का प्रयास किया जा रहा है, उसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। जोशी ने कहा कि राहुल गांधी व कांग्रेस नेता पहले भी हिन्दू आतंकवाद कह चुके हैं। क्या उन्हें नहीं पता, कश्मीर में आतंकी घटनाएं कौन कर रहा है।

8 अधीक्षण अभियंता को मिली पोस्टिंग

जयपुर @ पत्रिका. जयपुर डिस्कॉम ने अधिशासी अभियंता से अधीक्षण अभियंता पद पर प्रमोशन हुए इंजीनियरों को पोस्टिंग दे दी है। इनमें आठ इंजीनियर शामिल हैं। जयपुर डिस्कॉम के सचिव नरेश सिंह तंवर ने शुक्रवार को आदेश जारी कर दिए। राजेश कुमार तिवारी को जयपुर में एसई लीगल, राजेश वर्मा को धौलपुर, मिठ्ठालाल मीना को दौसा, नगेन्द्र प्रताप सिंह को जयपुर ग्रामीण दक्षिण की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह दिप्ती माथुर को जयपुर, मनोज गंगावत को भिवाड़ी, हरीशचन्द मंगल को सवाईमाधोपुर और राजीव मदान को एसई रेगुलेशन की जिम्मेदारी दी गई है।

पदोन्नति: अनुभव में दो साल तक की छूट

जयपुर @ पत्रिका. राज्य सरकार ने पद खाली रहने पर पदोन्नति के लिए अनुभव में दो साल तक की छूट दी है। कार्मिक विभाग ने शुक्रवार को आदेश जारी किया। इसमें कहा कि पदोन्नति से भरे जाने वाले पद खाली रहते हैं तो अधिकारियों व कर्मचारियों को अनुभव में दो साल तक की छूट दी जा सकती है। अनुभव 2 साल जरूरी होने पर छूट एक साल दी जा सकेगी। सरकार ने अंतरिम बजट के समय इस छूट का भरोसा दिलाया था।

अनुशासन समिति की पहली बैठक आज, 20 से ज्यादा मामले रखे जाएंगे

भितरघात और पार्टी विरोधी बयानवीरों पर चलेगा कांग्रेस अनुशासन का डंडा

चार साल बाद हो रही बैठक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. विधानसभा और लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों के खिलाफ भितरघात करने और पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त नेताओं पर अब कांग्रेस अनुशासन का डंडा चलाएगी। ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने के लिए कांग्रेस अनुशासन समिति की पहली बैठक शनिवार को हो रही है।

अनुशंसा समिति के अध्यक्ष उदयलाल आंजना के साथ समिति पदाधिकारी शकुंतला रावत, हाकम अली और विनोद गोठवाल बैठक में शामिल होंगे। अनुशासन समिति के गठन के बाद पहली बैठक हो

जयपुर हेरिटेज निगम पार्षदों का भी मामला

बताया जा रहा है कि बैठक में जयपुर हेरिटेज नगर निगम मेयर मुनेश गुर्जर की बर्खास्तगी की मांग को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी से मुलाकात करने वाले कांग्रेस पार्षदों के मामले को भी अनुशासन समिति को भेजा गया है। शहर कांग्रेस ने इन पार्षदों को पहले कारण बताओ नोटिस जारी किए थे, अब कार्रवाई के लिए मामले को कमेटी को भेजा गया है। इन पर भी कमेटी एक्शन ले सकती है।

लोकसभा चुनाव के बाद दिया था कड़ा संदेश

दरअसल पार्टी लाइन से अलग बयानबाजी करने और भितरघात की शिकायतों पर लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद कांग्रेस ने कई नेताओं पर कार्रवाई की थी। बाड़मेर-जैसलमेर कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम की शिकायत पर पूर्व मंत्री अमीन खां, जालोर प्रत्याशी वैभव गहलोत की शिकायत पर पीसीसी के पूर्व सचिव बालेंदु शेखावत और नागौर से गठबंधन प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल की शिकायत पर कुचेरा नगरपालिका चेयरमैन तेजपाल मिर्धा सहित कई लोगों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया गया था। हाल ही में 27 ब्लॉक अध्यक्ष और उनकी कार्यकारिणी को भी भंग कर दिया गया था। इसकी भी कमेटी में अनुशंसा कराई जा सकती है।

20 से ज्यादा मामलों पर चर्चा

पार्टी सूत्रों की माने तो अनुशासन समिति के पास चुनावों में भितरघात करने और पार्टी लाइन से अलग बयानबाजी करने की 20 से ज्यादा शिकायतों को भेजा गया था। इस पर बैठक में चर्चा होगी और उसके बाद ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने की अनुशंसा कर रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को भेजी जाएगी। इसके बाद प्रदेश नेतृत्व सख्त कार्रवाई करेगा।

बढ़ेगा भार हर माह बिल, फिर प्रतिभूति राशि की गणना 2 माह के आधार पर क्यों?

36 लाख बिजली उपभोक्ताओं से 1500 करोड़ रुपए वसूलेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं की जेब से फिर मोटी राशि निकालने की तैयारी है। यह रकम प्रतिभूति (सिक्यूरिटी) राशि के रूप में ली जाएगी, जिसके लिए डिस्कॉम्स ने उपभोक्ताओं को नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। बिल के साथ नोटिस देख लोग परेशान हो रहे हैं। प्रदेशभर में ऐसे 36 लाख से ज्यादा उपभोक्ता बताए जा रहे हैं, जिनसे करीब 1500 करोड़ रुपए वसूलने का शुरुआती आकलन किया गया है। इसमें अकेले एक हजार करोड़ रुपए जयपुर डिस्कॉम के हैं। जोधपुर व अजमेर डिस्कॉम की पूरी गणना बाकी है।

उपभोक्ताओं को ब्याज देने का तर्क

उपभोक्ता को जमा प्रतिभूति राशि पर ब्याज देने का तर्क दिया जा रहा है। डिस्कॉम बैंक रेट के आधार पर ब्याज की गणना करता है। साल में एक बार एक साथ ब्याज की गणना करते हैं और बिजली बिल कम कर देते हैं।

बिलिंग सर्कल बदला, नियम वही

- ***इसका हवाला:*** गणना पीछे टीसीओएस (सप्लाई के नियम व शर्तें) का हवाला दिया जा रहा है। इसमें दो माह के अनुसार गणना करना अंकित।
- ***हकीकत:*** जब नियम प्रभावी हुए तब बिलिंग प्रक्रिया दो माह में हो रही थी। मतलब, उपभोक्ता को दो माह में विद्युत उपभोग के आधार पर बिल दिया जाता रहा। लेकिन अब स्पॉट बिलिंग शुरू हो चुकी है, जिसमें हर माह बिलिंग हो रही है। इसके बाद भी डिस्कॉम दो माह बिजली बिल के आधार पर प्रतिभूति राशि ले रहा है।
- ***इससे बच रहे:*** बिजली कंपनियां चाहे तो राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग में संशोधन के लिए पीटिशन दाखिल कर सकता है, लेकिन इससे बच रही हैं।

गंभीर यह है कि प्रतिभूति राशि की गणना दो माह की बिलिंग के आधार पर की गई है, जबकि जयपुर डिस्कॉम के 12 जिलों और जोधपुर व अजमेर डिस्कॉम के कुछ एक सर्कल में हर माह बिल जारी किए जा रहे हैं। ऐसे में एक माह की बिल राशि के आधार पर ही गणना होती और उपभोक्ताओं की सिक्यूरिटी राशि आधी हो जाती। खुद को सही साबित करने के लिए बिजली कंपनियां, राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग की ओर से जारी रेगुलेशन की आड़ ले रही हैं।

यह है प्रतिभूति राशि...

बिजली वितरण कंपनियां हर उपभोक्ता से एडवांस राशि लेती हैं, जो प्रतिभूति राशि के रूप में होती है। इसके पीछे तर्क है कि यदि उपभोक्ता बिल जमा नहीं कराता है तो इस

महंगाई की मार : बारिश के कारण उत्पादन कम, आवक कमजोर होने से बढ़े दाम

सब्जियों के दाम आसमान पर, टमाटर 80 रुपए पार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. आम जनता को एक बार फिर महंगाई का करंट लगा है। आलू, प्याज और टमाटर के भाव आसमान छूने लगे हैं। फुटकर बाजार में एक महीने में टमाटर के दाम दोगुना हो गए हैं। 30-35 रुपए किलो बिकने वाला आलू 40-45 रुपए किलो तक पहुंच गया है।

प्याज तो बगैर कटे ही रुला रहा है। कीमतें 40 रुपए किलो के पार हो गई हैं। लौकी 60 रुपए से घटकर 40-50 रुपए किलो में बिक रही हैं। आढ़तियों का कहना है कि बारिश के कारण उत्पादन कम हो गया और आवक भी कमजोर होने से दाम बढ़े हैं। अभी कुछ दिन कीमतें बढ़ी रहेंगी। सीजन में ही दाम नीचे आएंगे।

दुबग्गा फल सब्जी व्यापारी समिति के महामंत्री शाहनवाज हुसैन ने बताया कि मंडी में टमाटर 1700-2000 रुपए प्रति कैरेट (25 किलो) हो गया है। इसके अलावा आलू 24-25 रुपए किलो हो गया है। अभी नया आलू सिर्फ हल्द्वानी से आ रहा है। एक-दो दिनों में बेंगलूरु से आने लगेगा। युवा किसान आढ़ती व्यापार मंडल के अध्यक्ष मयंक सिंह ने बताया कि सहालग के कारण आलू, प्याज और टमाटर की खपत बढ़ेगी। इससे दामों में और इजाफा होगा। फतेहगंज के सब्जी विक्रेता सुरेश सोनकर ने बताया कि टमाटर 80 रुपए किलो, आलू 35-40 रुपए और प्याज 40-50 रुपए किलो के पार तक पहुंच गया है।

इस वजह से बढ़े सब्जियों के भाव

टमाटर महंगाई की मार से जिस तेजी से लाल हो रहा है। इसकी कीमत 80 रुपए से बढ़कर 100 के पार जाने की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में यह आम लोगों की थाली से गायब होता जा रहा है। भारतीय किसान एवं आढ़ती वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष नजमुद्दीन राईनी ने बातया कि बारिश के कारण अमरोहा का टमाटर खत्म हो गया है। अब बेंगलूरु से आ रहा है। थोक मंडी में यह 50-55 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, जबकि तीन-चार दिन पहले 30-35 रुपए किलो में बिक रहा था। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई के बाद दामों में कमी आएगी।

फोटो स्टोरी

आत्मसमर्पण

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआइ) के माओवादी जोनल कमांडर नीरज सिंह खेरवार उर्फ संजय खेरवार और सलमान उर्फ राज कुमार गंझू ने शुक्रवार को लातेहार में 'ऑपरेशन नई दिशा, एक नई पहल' के दौरान आत्मसमर्पण किया।

न्यूज 2 मिनट में

देवरिया में ट्रेन की चपेट में आने से दो की मौत

देवरिया@पत्रिका. जिले के भाटपार रानी रेलवे स्टेशन के सोहनपुर ढाले के पास शुक्रवार को दो लोगों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। जीआरपी ने बताया कि भाटपार रानी क्षेत्र के सोहनपार गांव निवासी रामनाथ प्रसाद (70) और अकली देबी (60) आज सुबह भैंस चरा रही थी कि इसी बीच उनकी भैंसे रेलवे ट्रैक पर चली गई। बिहार के तरफ से आ रही ट्रेन को देखकर दोनों अपनी भैंसों को रेलवे ट्रैक से हटाने के प्रयास में ट्रेन की चपेट में आ गए। जिससे रामनाथ प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई तथा गंभीर रूप से घायल अकली देबी की देवरिया मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच कर रही है।

देवी दर्शन को जा रहे श्रद्धालुओं से भरी लोडर पलटी

कौशांबी@पत्रिका. जनपद में शीतलाधाम कड़ा देवी दर्शन के लिए आ रहे श्रद्धालुओं से भरी लोडर गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें 23 श्रद्धालु घायल हो गए। पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार प्रतापगढ़ जिले के नवाबगंज थानाक्षेत्र सिंदुराईगांव के दो दर्जन से अधिक लोग लोडरगाड़ी से शीतला देवी के दर्शन के लिए कड़ा धाम आ रहे थे। श्रद्धालुओं से भरी हुई लोडर गाड़ी जैसे ही कौशांबी जिले के कड़ा धाम थाना क्षेत्र के लेहदरी गांव के पास पहुंची, तेज गति के कारण अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गई। दुर्घटना में घायल हुए 23 लोगों को उपचार के लिए जिला अस्पताल मंझनपुर भर्ती कराया गया है।

हाथरस हादसे के पीड़ित के परिजनों को पहुंचाई आर्थिक मदद

पीलीभीत@पत्रिका. हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में हुई भगदड़ में मारी गई पीलीभीत निवासी एक महिला के परिजनों को शासन से भेजी गई दो लाख रुपए की सहायता प्रशासन ने शुक्रवार को सौंप दी। प्रशासन से जारी विज्ञप्ति के अनुसार रामबेटी उर्फ वीरेन्द्र कुमारी वर्तमान निवासी अयोध्यापुरम कालोनी निकट नेहरू पार्क नगर व जिला पीलीभीत की मृत्यु हो गयी थी। मुख्यमंत्री कार्यालय से तीन जुलाई द्वारा उक्त दुर्घटना में मृतक रामबेटी के आश्रित/परिवार को दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए गए थे।

एबीवीपी का प्रदर्शन, सीबीआइ जांच कराने की मांग

निजी विश्वविद्यालय में लगातार हो रही मौतों का मुद्दा गरमाया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मुरादाबाद. जनपद के एक निजी विश्वविद्यालय में लगातार हो रही छात्र-छात्राओं व महिला प्रोफेसर की संदिग्ध मौतों का मुद्दा गरमा रहा है। वहीं, शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) मेरठ प्रांत की ईकाई ने विश्वविद्यालय के गेट पर जबरदस्त नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

एबीवीपी मेरठ प्रांत के मंत्री क्षमा शर्मा ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में छात्र-छात्राओं की संदिग्ध हालात में मौतों के बीच अब 27 वर्षीया महिला प्रोफेसर की मौत की घटना ने बुरी तरह झकझोर दिया है। क्षमा ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि एक के बाद एक हत्याओं का संगीन मामला है, जिसके लिए न केवल विश्वविद्यालय प्रबंधन बल्कि जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन भी जिम्मेदार हैं। इनकी उच्च स्तरीय जांच कराई जानी चाहिए।

एबीवीपी के विभाग संयोजक अमन शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय में 6 जुलाई 2013 को एमबीबीएस छात्रा नीरज भड़ाना की विश्वविद्यालय के अति सुरक्षित कैंपस में हत्या के विरोध में एबीवीपी ने धरना प्रदर्शन किया था। मेडिकल स्टुडेंट नीरज भड़ाना को न्याय नहीं मिला, जिसका नतीजा सामने है। विश्वविद्यालय में 25 दिन में तीन मौतों का आंकड़ा प्रमाण है। विभाग संयोजक ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि महिला सुरक्षा का दावा भले ही किया जाता हो, लेकिन विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं तथा महिला प्रोफेसर समेत संदिग्ध मौतों को जिला पुलिस प्रशासन सुसाइड बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहा है। उच्च प्रशासनिक अधिकारियों की इन मामलों में चुप्पी सवाल खड़े करती है। आखिर उक्त मौतों के जिम्मेदारों को आख़िर कौन संरक्षण दे रहा है, यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि आखिर विश्वविद्यालय में ही ऐसी तमाम घटनाएं क्यों घटती हैं।

अपना दल (कमेरा) के मंडल अध्यक्ष डॉ रामेश्वर दयाल तुरैहा के नेतृत्व कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को प्रेषित ज्ञापन में विश्वविद्यालय में एमडी मेडिकल छात्र ओशो राज चौधरी, विगत दिनों असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अदिति मेहरोत्रा,विगत माह जून 2024 में बीबीए फाइनल ईयर के छात्र अक्षत जैन, नवंबर 2023 में बीटेक की छात्रा करुणा विश्वकर्मा, वर्ष 2021 में एमडीएस की छात्रा, डॉ वैशाली व मेडिकल स्टूडेंट नीरज भड़ाना व अन्य कई छात्राओं की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौतों की सीबीआई जांच कराने की मांग की।

सह आरोपी और भांजे को भी किया दोषमुक्त

बबलू श्रीवास्तव सर्राफा व्यापारी के अपहरण मामले में कोर्ट से बरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

प्रयागराज. जनपद के सर्राफा कारोबारी पंकज महेंद्र अपहरणकांड में अंडरवर्ल्ड डॉन बबलू श्रीवास्तव को शुक्रवार को बड़ी राहत मिली है। मामले में सुनवाई के बाद इलाहाबाद की ट्रायल कोर्ट ने बबलू श्रीवास्तव को अपहरण मामले में दोषमुक्त करार दिया है।

कोर्ट ने उन्हें सभी धाराओं में बरी किया है। उनके साथ ही सह अभियुक्त संकल्प श्रीवास्तव को भी कोर्ट ने दोषमुक्त किया है। संकल्प श्रीवास्तव, बबलू श्रीवास्तव का भांजा है। दोनों इस प्रकरण में आरोपी बनाए गए थे। जिला अदालत में वर्ष 2015 में हुए सर्राफा कारोबारी पंकज महिंद्रा के चर्चित अपहरण कांड के आरोपी अंडरवर्ल्ड डॉन बबलू श्रीवास्तव और उसके भांजे संकल्प श्रीवास्तव बेगुनाह, बाकी आठ आरोपी दोषी करार दिए गए। यह फैसला इलाहाबाद जिला अदालत में गैंगस्टर की विशेष अदालत के न्यायधीश विनोद कुमार सोनकर की कोर्ट ने शुक्रवार को सुनाया है।

गौरतलब है कि 5 सितंबर 2015 की रात दुकान बंद करके कार से घर जाते समय सर्राफा व्यवसायी को अगवा किया गया था। सराफा व्यवसायी पंकज महिंद्रा की जवाहर स्क्वायर कोतवाली क्षेत्र में ज्वैलरी की दुकान थी। बदमाशों ने उनकी कार संगम स्थित बंधवा में लेटे हनुमान मंदिर के पास छोड़ दी थी। फिरौती के रूप में 10 करोड़ रुपए मांगे गए थे। बाद में पुलिस ने फतेहपुर जिले के एक फार्म हाउस में रात को छापा मारा तो सर्राफ पंकज महिंद्रा बंधे पड़े थे।

11 हजार वोल्ट का तार गिरने से दो युवकों की मौत

जौनपुर@पत्रिका. सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के मछुआर गांव में 11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आने से बाइक और साइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। घटना को लेकर बिजली विभाग के प्रति ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।मछुआर गांव निवासी सूरज तिवारी बाइक और श्याम सिंह यादव साइकिल से गुरुवार को बारिश में मेन रोड से नहर की सड़क पकड़कर बात करते हुए घर जा रहे थे। इसी दौरान नहर के ऊपर से होकर गुजरा 11 हजार वोल्ट का तार अचानक गिर गया, जिससे दोनों उसकी चपेट में आ गए और अचेत हो गए। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने विद्युत विभाग को दी तो विद्युत विभाग के लोगों ने लाइन बंद की। दोनों युवकों को बदलापुर अस्पताल ले जाया गया, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया।

मगरमच्छ के हमले में युवक घायल

बहराइच@पत्रिका. जनपद में शौच के लिए गए एक युवक पर शुक्रवार को मगरमच्छ ने हमला कर दिया। हमले में युवक घायल हो गया। पुलिस के अनुसार मिहींपुरवा तहसील क्षेत्र के गोपिया गांव में अपनी रिश्तेदारी में गए हरदी थाना क्षेत्र के अरनवा गांव के रहने वाले 28 वर्षीय कमलेश कुमार पुत्र जियालाल की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने डंडे मारकर मगरमच्छ से युवक की जान बचाई। घायल कमलेश को सीएचसी में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टर ने उसे इलाज के लिए बाद मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया।

दोस्त ने शराब पिलाकर कर दी हत्या

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

गोंडा. जिले में बीते 29 जून को एक युवक ने अपने साथी को फोन करके बुलाया। उसके बाद अनाज गोदाम के पीछे ले जाकर शराब पिलाई। फिर ईंट से कूच कर उसकी हत्या कर दी। घटनाक्रम का खुलासा हुआ तो पुलिस भी सन्न रह गई। एसपी ने हत्या का खुलासा करने के लिए तीन टीमों का गठन किया था।

छपिया पुलिस एसओजी और सर्विलांस टीम के संयुक्त प्रयास से शुक्रवार को हत्या के आरोपी राजमन को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह दोनों लुधियाना में रहकर पीओपी का काम करते थे। वहां पर मृतक ने उनसे 2 हजार रु. लिए थे। बार-बार पैसा मांगने के बाद भी वह नहीं दे रहा था। जिससे वह नाराज था। इसी वजह से रामजन ने अपने साथी को बुलाकर पहले शराब पिलाई, उसके बाद ईंट से सिर पर वार कर हत्या कर दी। पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही थी। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

नगर निगम कार्यकारिणी का चुनाव आज

पार्षदों ने मेयर डॉ. उमेश गौतम से की शिकायत

सभागार की छत से टपक रहा पानी, जिम्मेदार गंभीर नहीं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बरेली. जनपद में एक तरफ जहां बारिश से जलजमाव है, वहीं नगर निगम के सभागार की छत भी टपकने लगी है। सभागार में बैठने की जगह तक नहीं बची है। ऐसे हालात में सभागार में कार्यकारिणी का चुनाव कैसे होगा, पार्षदों ने इसकी शिकायत मेयर डॉ. उमेश गौतम से की है।

पार्षदों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी इसको गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। शहर में एक दिन बारिश हो जाए तो अगले दो दिनों तक पूरे शहर में जल जमाव और कीचड़ से दो-चार होना पड़ता है। निचले इलाकों की सडकें तो दलदल बन जाती है। अब जहां से शहर को विकसित करने के लिए बजट मंजूर होता है।

उस सभागार (नगर निगम की सदन) की छत से भी बारिश का पानी टपक रहा है। यहां शनिवार को कार्यकारिणी के छह सदस्यों का चुनाव होना है। इस स्थिति में यहां चुनाव कैसे होगा।

गर्मी में एसी नहीं, बारिश में टपकती है छत

मेयर ने बताया कि पार्षदों ने शिकायत की है कि सभागार का रखरखाव ठीक से नहीं हो रहा है। गर्मी में ना तो एयरकंडीशनर ठीक से काम करते हैं और ना ही बैठने आदि की व्यवस्था को सुधारा है। बारिश में भी सदन की छत से पानी टपक रहा है। इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी गई है, इसके बावजूद सुधार करने की कोई व्यवस्था नहीं कही गई है। अधिकारियों से कहा गया है कि चुनाव में किसी तरह की कोई भी लापरवाही हुई तो सीधे शासन को उनकी कार्यशैली के बारे में लिखा जाएगा।

बिहार-झारखंड अपडेट
BIHAR-JHARKHAND UPDATE

समस्तीपुर के विंदगामा जलालपुर का मामला

बहू ने की ससुर की हत्या, बोली- बुरी नजर रखता था इसलिए मारा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

समस्तीपुर. जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र के विंदगामा जलालपुर गांव में एक बहू ने अपने ससुर की हत्या कर दी। बहू ने खटिया पर ससुर के हाथ-पांव बांधकर गला घोंट दिया। कुछ देर बाद थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। जानकारी के अनुसार, मृतक बुजुर्ग बहू प्रिया देवी और उसके दो बच्चों के साथ गांव में रहता था। उसका पुत्र सूरज पुणे में रहता था। हाल ही में वह घर आया हुआ था। बीती रात किसी बात पर घर में विवाद हुआ। इसके बाद बहू ने चारपाई पर सो रहे ससुर के हाथ-पांव कपड़े से बांध दिए। इसके बाद गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी और फरार हो गई। सुबह लोगों ने शव को देखा तो हल्ला होने लगा। गांव के लोगों ने मामले की जानकारी मोहनपुर पुलिस को दी। इस दौरान आरोपी बहू मोहनपुर थाने पहुंच गई। उसने पुलिस को ससुर की हत्या की जानकारी दी।

पति ने लगाए गंभीर आरोप

मामले में पति का कहना है कि उसकी पत्नी बताती थी कि उसके पिता का चाल-चलन ठीक नहीं था। वह अपनी बहू पर गलत नजर रखते थे। उसने अपने पिता पर गलत हरकत करने का भी आरोप लगाया। सूरज का कहना है कि इसी से तंग आकर उसकी पत्नी ने ये कदम उठाया है। पटोरी के डीएसपी बीके मेधावी ने बताया कि हत्या किन कारणों से की गई है ये जांच का विषय है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

बिजली विभाग की लापरवाही से लाइनमैन की मौत

महोबा@पत्रिका. जिले के चरखारी क्षेत्र में विभागीय लापरवाही से करंट की चपेट मे आकर बिजली विभाग के लाइन मेन की मौत हो गई। लाइनमैन की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने शव को सड़क पर रख जमकर बवाल काटा है। अधिकारियों के घटना की जांच कराकर न्यायिक कार्रवाई करने के आश्वासन देने के बाद स्थिति को सामान्य किया जा सका। लाइनमैन जैसे ही विद्युत पोल में चढ़ कर बिजली के तारों को पकड़ा, तो उसमे दौड़ रहे करंट की चपेट में आने से लाइनमेन की मौत हो गई। लाइनमेन के परिजनों ने मृतक के शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और बवाल शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को प्रकरण में न्याय पूर्ण कार्रवाई का आश्वासन देकर स्थिति को सामान्य किया। घटना से बिजली कर्मियों मे रोष का माहौल है।

पटना : एक घायल की हालत गंभीर

तेज रफ्तार कार ने 5 लोगों को मारी टक्कर, पिता व बेटा-बेटी की मौत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पटना. जिले के पुनपुन-बिहटा-सरमेरा हाईवे पर डुमरी चौराहा के पास शुक्रवार को एक अनियंत्रित कार ने दो बाइक को टक्कर मार दी। एक बाइक पर तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, दूसरे बाइक पर सवार एक युवक की हालत गंभीर है। आनन-फानन में सभी पटना के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने युवक और उसके बेटे व बेटी को मृत घोषित कर दिया। एक अन्य युवक की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद नाराज लोगों ने कार के चालक को पकड़ कर जमकर उसकी मौके पर पिटाई कर दी। उसकी हालत गंभीर है।

मसौढ़ी डीएसपी 2 कन्हैया सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक कार ने दो बाइक पर सवार चार लोगों को टक्कर मार दी थी। हादसे में पुनपुन इलाके के बबन यादव, उसकी बेटी सुरुचि और बेटे सोनू की मौत हो गई। मसौढ़ी निवासी रविराज और कार चालक रोहित कुमार का इलाज चल रहा है।

पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया

बताया जा रहा है कि पटना से चलकर एक कार पुनपुन की तरफ जा रही थी। डुमरी चौराहा के नजदीक कार के आगे चल रहे दो मोटरसाइकिल को कार की तेज रफ्तार ने कुचल डाला। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार चारों लोग युवक बीच सड़क पर बुरी तरह गिरकर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास गांव के लोग मौके पर पहुंचे और लोगों ने कार चालक को खदेड़कर पकड़ लिया। घटना से गुस्साए लोगों ने कार चालक की जमकर पिटाई कर दी।

सीबीआइ कर रही पूछताछ

झारखंड से नीट पेपर लीक मामले में अमित गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पटना. नीट पेपर लीक मामले में सीबीआइ की टीम ने अमन सिंह के चचेरे भाई अमित उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी झारखंड के झरिया इलाके से हुई है। रुपए के ट्रांजेक्शन के आधार पर ये कार्रवाई की गई है। सीबीआइ ने बंटी की एसयूवी गाड़ी को भी जब्त किया है।

अमित सिंह को गिरफ्तार कर उसे लेकर पटना पहुंची है। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत में पेश करने के बाद रिमांड पर लेकर उससे पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मुताबिक पेपर लीक गिरोह के साथ अमन के व्यापारिक संबंध होने की बात सामने आ रही है। दो दिन पहले बुधवार को सीबीआइ ने धनबाद से अमन को गिरफ्तार किया था। उस समय मौके से अमित फरार हो गया था।

पेपर लीक के इस कांड में अमन सिंह का अहम रोल है। वो इस कांड में फरार चल रहे नालंदा के हिलसा निवासी रॉकी का खास आदमी है। सूत्रों के अनुसार पहले से गिरफ्तार चिंटू और मुकेश ने पूछताछ के दौरान अमन सिंह का नाम खोला था। इन दोनों से मिले लीड के बाद ही सीबीआइ की एक टीम धनबाद गई थी। पुख्ता इनपुट और लोकेशन मिलने के बाद सरायढेला थाना क्षेत्र के बापू नगर में छापेमारी की और फिर अमन को गिरफ्तार कर पटना ले आई।

बोकारो में 688 करोड़ रुपए से बनेगा मेडिकल कॉलेज

बोकारो@पत्रिका. जिले में 688 करोड़, 49 लाख, 42 हजार, 200 रुपए की लागत से 500 बेड के मेडिकल कॉलेज का निर्माण अब शुरू होगा। इसके निर्माण के लिए टेंडर की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। इसका काम दिल्ली की एजेंसी डीडीएफ कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड को दी गई है।

इस मेडिकल कॉलेज के लिए राज्य सरकार 40 प्रतिशत और केंद्र सरकार की 60% की हिस्सेदारी रहेगी। इसके लिए 25 एकड़ जमीन की स्वीकृति सेल से मिल चुकी है, लेकिन वन विभाग से एनओसी नहीं मिली है। इस मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए प्रथम किस्त 50 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिल चुकी है। इस राशि की निकासी के लिए सिविल सर्जन, रांची को अधिकृत किया गया है।

चार्जशीट में ईडी का दावा- आलमगीर ने 25 टेंडर वर्क ऑर्डर में लिए 1.23 करोड़ रुपए

नमूने के तौर पर 25 टेंडर के ब्योरे से जुड़े दस्तावेज भी लगाए

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रांची. ईडी ने टेंडर कमीशन घोटाले में पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, उनके निजी सचिव रहे संजीव लाल और नौकर जहांगीर आलम के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है।

ईडी ने चार्जशीट में कोर्ट को बताया है कि नेताओं और अफसरों की गठजोड़ से टेंडर के वर्क ऑर्डर आवंटन में कमीशन ली जाती थी। सभी टेंडर करीबियों को देते थे और कमीशन में लाखों रुपए लेते थे। इसमें मंत्री, अधिकारी और इंजीनियर का संगठित गिरोह सक्रि य था। कमीशन के बंटवारे के लिए अधिकारी व नेता कोडवर्ड का इस्तेमाल करते थे।

ईडी ने नमूने के तौर पर जनवरी में निकले 92 करोड़ के 25 टेंडर के ब्योरे से संबंधित एक दस्तावेज भी चार्जशीट में लगाया है। इसमें लिखा है कि मंत्री आलमगीर आलम ने 25 टेंडर के एवज में 1.23 करोड़ रुपए लिए थे। उमेश नामक व्यक्ति को 1.75 करोड़ व ऑफिस के लिए 3.46 करोड़ रुपए का भुगतान का भी जिक्र है। ईडी ने संजीव लाल और उनके नौकर जहांगीर को छह मई को गिरफ्तार किया था। आलमगीर आलम की गिरफ्तारी 15 मई को हुई थी। ईडी ने संजीव लाल, उनके नौकर व सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। जहांगीर आलम के फ्लैट से 32.20 करोड़ रुपए जब्त किए गए थे।

इसके बाद जांच एजेंसी ने संजीव लाल, जहांगीर आलम और आलमगीर आलम को रिमांड पर लेकर पूछताछ की थी। जिसके बाद आरोपियों से अवैध तरीके से अर्जित अचल संपत्तियों की जानकारी मिली थी। वर्तमान में तीनों आरोपी बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद हैं।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

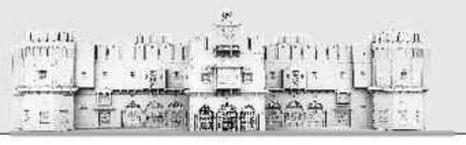

प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगातार कार्रवाई जरूरी

वायु प्रदूषण में मामूली बढ़ोतरी भी जानलेवा साबित हो सकती है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई शहर बड़ा है या छोटा। हवा में घुलते जहर की बात जब भारत के संबंध में होती है तो यह चिंता और बढ़ जाती है। इस बीच कॉर्नेल यूनिवर्सिटी का ताजा शोध कहता है कि भारत में बच्चे घरों में भी प्रदूषण के खतरे से सुरक्षित नहीं हैं। देखा जाए तो सड़कों पर धुआं छोड़ते वाहनों की रेलमपेल, कारखानों का प्रदूषण, पटाखे, पराली और दूसरे न जाने कितने कारण हैं जो हवा को जहरीली बनाते जा रहे हैं। हर साल हमारे शहरों में प्रदूषण का स्तर एयर क्वालिटी के मानकों से कहीं ज्यादा रहता है। मुश्किल यह है कि प्रदूषण की रोकथाम की दिशा में किए जाने वाले उपायों का असर कहीं नजर नहीं आता।

वायु प्रदूषण के गहराते संकट का अहसास हमें इसलिए भी हो जाना चाहिए कि वायु प्रदूषण के हिसाब से खराब कहे जाने वाले दुनिया के एक सौ शहरों में से 83 शहर भारत के हैं। सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये आंकड़े प्रदूषण के मामले में भारत की छवि दुनिया के सामने कैसी रख रहे होंगे? एक ताजा अध्ययन में पाया गया है कि वर्ष 2008 से 2019 के बीच हर साल 10 भारतीय शहरों में लगभग 33,000 मौतें विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों से अधिक वायु प्रदूषण के स्तर के कारण हुई हैं। इस अध्ययन के अनुसार वर्तमान भारतीय वायु गुणवत्ता मानकों से नीचे का प्रदूषण स्तर भी मृत्यु दर में वृद्धि का कारण बनता है। लैंसेट की ओर से अध्ययन करने वाली अंतरराष्ट्रीय टीम में हमारे देश के वाराणसी और दिल्ली के क्रॉनिक डिजीज कंट्रोल सेंटर के शोधकर्ता शामिल रहे हैं। दिल्ली, बेंगलूरु , कोलकाता, मुम्बई जैसे शहरों में वायु प्रदूषण की खराब स्थिति तो सालों से जगजाहिर है, पर अचंभित करने वाला खुलासा यह है कि शिमला जैसे साफ-सुथरे शहर तक में वायु प्रदूषण मौतों का बड़ा कारण बनता नजर आ रहा है। चौंकाने वाला निष्कर्ष यह भी है कि प्रति एक हजार शिशुओं की मौतों में से 27 की मौत का कारण घरेलू प्रदूषण बन रहा है। इन शिशुओं की माताएं प्रदूषण की जो परेशानी भोग रही होंगी, उसका तो हिसाब ही नहीं है। इसका एक कारण परंपरागत चूल्हे पर खाना बनाना भी है। जाहिर तौर पर सरकार को उज्ज्वला योजना के जरिए प्रदूषण रहित रसोई का बंदोबस्त और प्रभावी तरीके से करना होगा। आज भी खाना पकाने के लिए कोयले और लकड़ी के ईंधन का इस्तेमाल माताओं और शिशुओं की सेहत के लिए खतरा बन रहा हो तो चिंता करनी ही होगी।

वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ाने के लिए जिम्मेदार दूसरे कारकों को भी बेहतर तरीके से समझना होगा। छोटे ही सही लेकिन सतत प्रयास वायु प्रदूषण की मार को कम कर सकते हैं। भारतीय प्रदूषण निगरानी एजेंसियों द्वारा निर्धारित सीमाओं से नीचे भी प्रदूषण का स्तर घातक प्रभाव डालता है। इसलिए प्रदूषण कम करने के लिए साल भर कार्रवाई करनी होगी।

पानी में मधुर और क्षार दो भाग होते हैं। पानी की बूंद जमीन पर गिरती है तो सोमप्रधान मधुर भाग सजातीय आकर्षण से द्युलोक में जाता है। क्षार भाग पृथ्वी के आकर्षण से सफेद धब्बे के रूप में यहीं रह जाता है। सोम शुक्र का मधुर भाग सृष्टि का उत्पादक है, क्षार भाग आग्नेय होता है।

पानी है उत्पत्ति का आधार

गुलाब कोठारी
प्रधान संपादक
पत्रिका समूह
@patrika.com

शरीर ही ब्रह्माण्ड

अध्यात्म संस्था भी अधिदेव की प्रतिकृति है। भृगु का मधुर भाव देव सृष्टि करता है। क्षार भाव पार्थिव सृष्टि करता है। प्रत्येक प्राणी के स्वेद में मधुर, क्षार दोनों ही रहते हैं। इन प्राणों का प्रभाव व्यक्ति के साथ जीवनपर्यन्त बना रहता है।

प्राण व्यापार इच्छा के बिना नहीं होता। सही अर्थों में इच्छा के बाहर जीवन है ही नहीं। ब्रह्म की इच्छा ही विश्व है। हमारी इच्छा हमारा विश्व है। ब्रह्म स्वयं दो भागों में जीता है। विद्यारूप स्थिति तत्त्व ब्रह्म है। उसी का गतिभाग कर्मरूप-अविद्या है। इसी को अव्यक्त कहते हैं। ब्रह्म के रस और बल ये ही दो विभाग हैं। प्रकृत में बल भी जब रस में समा जाता है तो केवल ब्रह्म रहता है। प्रलयकाल में यह विश्व नहीं होता। विश्व की 'माता' भी नहीं होती। विश्व को पैदा करने के लिए–**'एकोऽहं बहुस्याम्'** के लिए ब्रह्म पहले स्त्री रूप मां को पैदा करता है। मां विश्व को पैदा करती है। चूंकि एक जीवात्मा को ब्रह्म से चलकर पार्थिव-पंचभूत रूप–शरीर धारण करने में पांच बार जन्म लेना पड़ता है, अतः माताएं भी पांच प्रकार की होती हैं। सृष्टि की प्रत्येक स्थूल देहधारी मादा पांचवीं माता होती है। हर स्तर पर ब्रह्म पहले माता को पैदा करता है, उसी में प्रविष्ट होकर सृष्टि में अपने को आगे बढ़ाता है–**तत्सृष्ट्वा तदेवानुप्राविशत्।**

सारा विश्व उसी इच्छा का परिणाम है। इच्छा ही स्त्री बनी। ब्रह्म की कामना नहीं बदली। माता रूप स्त्री (स्त्रैण तत्त्व) बदलता गया। सूक्ष्मतम सृष्टि से सूक्ष्म और स्थूल स्तर तक, 84 लाख मां के रूप बने - सातों लोकों में। नर-नारी उनमें से एक हैं। हर योनि में नई मां नया शरीर देती है। ब्रह्म केन्द्र में रहता है। स्थूल, सूक्ष्म तथा कारण रूप तीन शरीर हैं तथा तीन ही माता-पिता प्रत्येक शरीर के हैं। अद्‌भुत खेल है प्रकृति का भी।

ऋक्-यजुः व साम तीनों अग्निवेद हैं। इनमें ऋक् व साम क्रमशः केन्द्र व परिधि हैं, मन एवं वाक् हैं। इनके मध्य में गतिशील भाग यजुः है। यत् एवं जू रूप दो भागों से यजुः ब्रह्म एवं कर्म हैं। यत् को वायु और जूः आकाश भी कहा जाता है। वायु गति एवं आकाश स्थिति तत्त्व हैं। स्थिति प्रतिष्ठा है, ब्रह्म है। यह सृष्टि में हर पिण्ड में विद्यमान है। गति कर्म है। अग्नि ऊपर उठता है तथा सोम सदा नीचे प्रवाहित होता है–इस सिद्धान्त के आधार पर संसार का प्रत्येक तत्त्व गतिशील है। क्योंकि सृष्टि अग्नि और सोम के मेल से होती है। सोम को अप् कहते हैं। इस प्रकार अप् भी कर्म है। किसी भी निर्माण में योजक तत्त्व/प्रेरक तत्त्व आवश्यक होता है। उसको मातरिश्वा वायु कहा जाता है। यही अग्नि में सोम की आहुति का प्रेरक है। इसी के कारण अव्यक्त ऋत ब्रह्म स्वयंभू की अग्नि में आहूत होता है। अतः विश्व सृष्टि की प्रथम माता स्वयंभू बनता है। इस प्रजनन यज्ञ में अव्यय पुरुष सृष्टि का प्रथम व्यक्त भाव बनता है।

पुनः स्वयंभू के आग्नेय प्राणों के तपन रूप कर्म से स्वेद (पसीना) बना। उसी स्वेद से आपः लोक– परमेष्ठी का निर्माण हुआ। **अप् एव ससर्जादौ...** पानी ही सबसे पहले उत्पन्न हुआ है। यह पानी स्वयंभू का स्वेद ही है जो स्थूल सृष्टि का आरंभक

बनता है। यही ब्रह्म की कामना पूर्ति हेतु स्त्री रूप अप् तत्त्व है। योषा है। रयि है। सृष्टि के लिए वृषा (ब्रह्म) को योषा (स्त्रैण) की आवश्यकता होती है। अतः मूल प्राण प्रजापति स्वयंभू ही आप में प्रविष्ट होकर प्राण रूप में यजुः ब्रह्म तथा आपः रूप में सुब्रह्म कहलाते हैं। सुब्रह्म ही परमेष्ठी में भृगु व अंगिरा रूप में अग्नि-सोमात्मक हो गया। अतः अग्निसोमात्मक सृष्टि का पहला मूल आपोमय परमेष्ठी ही बनता है। आपोमय परमेष्ठी में जब स्वयंभू ब्रह्मा प्रविष्ट हो जाते हैं तब ब्रह्माण्ड का उदय होता है–**'तत् आण्डं समवर्त्तत'।**

ईश्वरतत्त्व अनुमान सिद्ध है। अग्निवेद ऋक्-यजुः व साम ही ज्ञान, क्रिया एवं अर्थ हैं। विश्व क्रियामय है, क्रिया से प्राण का अनुमान होता है तथा प्राण व्यापार बिना इच्छा के संभव नहीं। **ज्ञानजन्या भवेत् इच्छा, इच्छाजन्या भवेत् क्रिया, क्रियाजन्यो भवेत् अर्थम्** रूप में इच्छा ही कामना है। सृष्टि कामना से ही अप् (पानी) में प्रजनन शक्ति आ जाती है। जिसे जायाबल कहते हैं। सृष्टि हेतु इस जायाबल का अग्निबल में प्रतिष्ठित होना आवश्यक है। इसके लिए क्रिया होने पर पानी में धृति यानी प्रतिष्ठाबल अथवा धाराबल पैदा हो जाता है। इसी से सातों लोकों की सृष्टि होती है। सृष्टि कामना से पानी मातरिश्वा वायु की प्रेरणा से यत् रूप अग्नि प्राण को अपने भीतर में प्रतिष्ठित कर लेता है। सोमरूप जायाबल ही स्त्री का उपादान कारण है। अग्नि पुरुष है। वही शोणित रूप में इस जायाबल से वेष्टित रहता है। अतः जायाबल से आवरित (वेष्टित) शोणित ही स्त्री के प्रजननधर्मा होने का मूल आधार बनता है। यत् रूप अग्नि के गर्भित होने के कारण इसको शोणित अग्नि भी कहते हैं।

सोम ही अग्नि में आहूत होकर पिण्ड बनता है। सूर्य पिण्ड ऋक् है, प्रकाशमण्डल साम है। सूर्य-केन्द्र में रहने वाला प्राणाग्नि पुरुष (यजुः) है। यही मौलिक तत्त्व है। शुक्र (रेत) सोम रूप है, जाया है। स्त्री की तरह पुरुष भी जाया अर्थात् प्रजननधर्मा है। आत्मा का प्रथम प्रवेश पुरुष शरीर के इसी जाया तत्त्व में होता है। यह तत्त्व शरीर की अन्नादि धातुओं के क्रम में सातवीं धातु शुक्र बनता है। शुक्र रूप में आना ही जीव का पहला जन्म है। सृष्टि कामना से पुरुष (नर) शरीर के सभी अंग समग्र रूप में इसी में समाहित होकर शोणित में आहूत होते हैं। शरीर के जिस भाग का समावेश इस जाया तत्त्व (शुक्र) में नहीं होता सन्तान में भी उस अंग की कमी रह जाती है। शुक्र भृगु है। भृगु तीन अवस्थाओं में रहता है–आप, वायु और सोम। सृष्टि सोम से होती है–आपः से नहीं। पानी में मधुर और क्षार दो भाग होते हैं। पानी की बूंद जमीन पर गिरती है तो सोमप्रधान मधुर भाग सजातीय आकर्षण से द्युलोक में जाता है। क्षार भाग पृथ्वी के आकर्षण से सफेद धब्बे के रूप में यहीं रह जाता है। सोम शुक्र का मधुर भाग सृष्टि का उत्पादक है, क्षार भाग आग्नेय होता है।

पानी का जो भाग भृगु रूप नहीं बनता, अथर्वा कहलाता है। यही आगे अंगिरा बनता है। मधुर भाग (भृगु) ही क्षार भाग (अंगिरा) की प्रतिष्ठा है। अंगिरा से अग्नि का विकास होता है। आपोमय परमेष्ठी के भृगु व अंगिरा ऋत है। सूर्य में अंगिरा सत्य हो जाता है। स्वयंभू प्रजापति के तप से उत्पन्न यही ऋत-सत्य (भृगु-अंगिरा) सूर्य के जनक बनते हैं। ऋक्-यत्-जूः-साम (वेदत्रयी), आपः, वायु-सोम (भृगु) और अग्नि, यम, आदित्य (अंगिरा), ये दस तत्त्व मिलकर ही विराट (सन्तान) को उत्पन्न करते हैं। तीनों लोकों भू, भुवः तथा स्वः के जनक बनते हैं।

अध्यात्म संस्था भी अधिदेव की प्रतिकृति है। भृगु का मधुर भाव देव सृष्टि करता है। क्षार भाव पार्थिव सृष्टि करता है। प्रत्येक प्राणी के स्वेद में मधुर, क्षार दोनों ही रहते हैं। इन प्राणों का प्रभाव व्यक्ति के साथ जीवनपर्यन्त बना रहता है। भार्गव प्राण का सम्बन्ध द्युलोक से है तथा अंगिरा प्राण का सम्बन्ध पृथ्वी लोक से है। यह अंगिरा प्राण रुधिर में व्याप्त रहता है। रक्त सम्बन्ध से यही संतानधारा में प्रविष्ट होता है।

क्रमशः

gulabkothari@epatrika.com

क्यूआर कोड को स्कैन कर आप आलेख सुन भी सकते हैं।

अग्नि रूप पांच माताएं : सौराग्नि (द्युलोक में), पर्जन्याग्नि (अन्तरिक्ष में), पार्थिव अग्नि (पृथ्वी पर), जठराग्नि (अन्न का परिपाक करने वाला), योषाग्नि (स्त्री)

दक्षिण अमरीका : सबसे बड़ा संकेंद्रित सौर ऊर्जा प्लांट

सेरो डोमिनडोर सोलर पावर प्लांट 210 मेगावाट का संयुक्त संकेंद्रित सौर ऊर्जा (सीएसपी) और फोटोवोल्टिक प्लांट है जो चिली के एंटोफगास्टा क्षेत्र में स्थित है। अटाकामा रेगिस्तान में स्थित यह धरती पर सबसे ज्यादा सौर विकिरण वाले सबसे शुष्क स्थानों में से एक है। पूरा होने पर, सेरो डोमिनडोर दक्षिणी अमरीका में स्टोरेज वाला सबसे बड़ा सीएसपी पावर प्लांट होगा। इसे अप्रेल 2021 में ग्रिड से जोड़ा गया था। इस परियोजना को चिली सरकार ने 2013 में मंजूरी दी थी। प्लांट का उद्घाटन 8 जून, 2021 को हुआ था। फरवरी 2020 के अंत में 2,300 टन वजन वाले इसके सौर रिसीवर को परिसर के केंद्रीय टॉवर में 220 मीटर की ऊंचाई तक उठाया गया, जिससे टॉवर की कुल ऊंचाई 252 मीटर हो गई।

सामयिक : राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री के जवाब के वक्त टोकाटाकी है संसदीय परंपरा का खुला उल्लंघन

संसद की गरिमा के प्रति गंभीरता घटी तो कमजोर होगा लोकतंत्र

उमेश चतुर्वेदी
स्तम्भकार, समसामयिक विषयों पर लेखन
@patrika.com

संसदीय परंपराओं की महानता को हम बचाकर नहीं रखेंगे, सांसद अपने शब्दों की ताकत नहीं समझेंगे, संसद को लेकर पावन बोध विकसित नहीं करेंगे तो इसके संदेश बेहद खराब होंगे। लोग और वोटर फिर संसद को क्यों गंभीर मानेंगे? इससे संसद की गरिमा का पतन होगा और अंततः इससे लोकतंत्र कमजोर होगा।

हमने जिस संसदीय लोकतंत्र को स्वीकार किया है। वह एक तरह से ब्रिटेन की कॉपी है। ब्रिटेन की संसद में कई अच्छी परंपराएं हैं, जैसे संसद का कोई सदस्य किसी पर बिना किसी प्रमाण के आरोप नहीं लगा सकता। सांसद चाहे जिस भी पृष्ठभूमि या दल का हो, वह हवा-हवाई किसी पर आरोप नहीं लगाता। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में संसदों को सबसे पवित्र दर्जा हासिल है। इसी पवित्रता बोध पर ही संसदीय परंपराएं निर्मित हुई हैं। पर हाल के कुछ वर्षों में संसद को पवित्र जगह मानने का भाव कमजोर हुआ है। कुछ राज्यों की विधानसभाएं कभी-कभी अखाड़े में जरूर परिवर्तित होती रही हैं। तमिलनाडु की विधानसभा में जयललिता से हुई बदसलूकी और उत्तर प्रदेश की विधानसभा में हुई खुली मारपीट इसके उदाहरण हैं। इसकी बड़ी वजह यह है कि आज की राजनीतिक पीढ़ी संसद को अपनी भड़ास निकालने और इस पूरी प्रक्रिया में अनर्गल प्रलाप करने का माध्यम तक मान चुकी है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा के दौरान राहुल गांधी का भाषण ऐसी ही राजनीति का विस्तार लगता है।

दरअसल, संसद या विधानमंडलों के सदस्यों को एक विशेषाधिकार हासिल है। संसद या विधानमंडल में बोलने या वहां किसी पर आरोप लगाने को लेकर किसी भी अदालत में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। अरविंद केजरीवाल सरकार इसी विशेषाधिकार का इस्तेमाल करके बार-बार विधानसभा सत्रों में केंद्र सरकार और इसके मंत्रियों पर आरोप लगाती रही है। आधारहीन आरोपों को लेकर जब अरुण जेटली और नितिन गडकरी ने अदालती कार्यवाही की तो केजरीवाल ने बिना शर्त माफी भी मांगी।

राहुल गांधी से उम्मीद थी कि वे संसद में जो भी आरोप लगाएंगे, ठोस आधार के साथ लगाएंगे। अगर वे ऐसा करते तो उनके कई आरोपों को संसदीय कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटाया नहीं जा सकता था। यह बात और है कि संसदीय कार्यवाही से उनके बयानों के कई अंशों को हटाने को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर आरोप लगाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि वे सरकार के दबाव में ऐसा कर रहे हैं। कांग्रेस के प्रवक्ता राहुल गांधी के बयान को सोशल मीडिया से लेकर अपने तमाम मंचों पर उठा रहे हैं ताकि जनता मान ले राहुल गांधी ने जो कहा या किया, वही सही है। जनता का एक वर्ग इसे मान भी लेगा। सोशल मीडिया के दौर में ऐसा संभव भी है। आज पृष्ठभूमि की तह में जाने या उसे खोजने के लिए लोगों के पास वक्त नहीं है। सोशल मीडिया ने हमें तात्कालिक सूचनाओं को ही समूचा ज्ञान मानने की प्रक्रिया का अंग बना दिया है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब पारंपरिक तौर पर प्रधानमंत्री देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब के वक्त जिस तरह लगातार टोकाटाकी हुई, वह भी संसदीय परंपरा का खुला उल्लंघन है। संसदीय परंपरा है कि जब प्रधानमंत्री बोल रहा हो तो दूसरा सदस्य तब बोलेगा, जब प्रधानमंत्री उसे मौका देते हुए अपनी सीट पर बैठ जाए। अगर प्रधानमंत्री खड़ा है तो मतलब है कि सदन को उसे सुनना है। अगर सदन को किसी बात पर आपत्ति है तो सदस्य बाद में प्रधानमंत्री से स्पष्टीकरण मांग सकते हैं। इस संदर्भ में अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री रहते वक्त लोकसभा का एक किस्सा याद आ रहा है। गुजरात से जुड़े एक मसले पर चर्चा के दौरान जब प्रधानमंत्री वाजपेयी ने हस्तक्षेप किया तो गुजरात के एक कांग्रेसी सांसद ने टोकाटाकी शुरू कर दी। उनकी टोकाटाकी से परेशान वाजपेयी यह कहते हुए बैठ गए कि 'अब आप ही बोलिए, प्रधानमंत्री नहीं बोलेगा।' अटल के बैठते ही पूरे सदन में मानो सन्नाटा छा गया। इसके बाद प्रियरंजन दास मुंशी अपनी सीट पर खड़े होकर बताने लगे कि अटल जी भाषण क्यों नहीं देंगे। उन्होंने वह किस्सा भी बताया कि पहली बार उन्हें सुनने के लिए वे साइकिल से बोलपुर गए थे। रामविलास पासवान ने भी वाजपेयी के भाषण सुनने के लिए बोरा लेकर जाने का अपना अनुभव बताया। इसके बाद तो जैसे सदन में तांता लग गया। वाजपेयी को टोकने वाले कांग्रेसी सांसद शर्मिंदा हुए, उन्होंने माफी भी मांगी।

सवाल यह है कि क्या आज के सांसद और विशेषकर नेता प्रतिपक्ष भी अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे? सदन में जो बोला जा रहा है, वैसा सदन के बाहर बोलने पर मुकदमों की बौछार हो सकती है। संबित पात्रा को इसका अनुभव है। छतीसगढ़ में उनके खिलाफ सैकड़ों मुकदमे दर्ज करा दिए गए थे।

संसदीय परंपराओं की महानता को हम बचाकर नहीं रखेंगे, सांसद अपने शब्दों की ताकत नहीं समझेंगे, संसद को लेकर पावन बोध विकसित नहीं करेंगे तो इसके संदेश बेहद खराब होंगे। लोग और वोटर फिर संसद को क्यों गंभीर मानेंगे? इससे संसद की गरिमा का पतन होगा और अंततः इससे लोकतंत्र कमजोर होगा।

आर्ट एंड कल्चर

मेघ ही नहीं, राग मेघ मल्हार भी उत्साह और उम्मीद का प्रतीक

फिल्मों में भी बारिश के आह्वान के लिए या फिर बारिश के दृश्यों को पूर्णता के लिए या फिर बारिश के भाव के लिए मेघ मल्हार के प्रयोग होते रहे हैं

कैसा महसूस होगा, जब बारिश में भीगते हुए किसी शहर की किसी सड़क से गुजरते हुए संतूर पर बज रहा राग मेघ मल्हार सुनाई दे। हमारे लिए यह कल्पना होगी। आंध्र प्रदेश के शहर विजयवाडा के लिए यह सच है, जहां एक खास ब्रांड की चाय के प्रचार के लिए एक ऐसी होर्डिंग लगाई गई है, जिसकी बनावट कुछ ऐसी है कि बारिश की बूंदें लकड़ी से बने हत्थे के एक सिरे पर बने कप में जमा होती हैं और असंतुलित होकर खाली होने और होर्डिंग पर लगे तारों से टकराने पर मेघ मल्हार की ध्वनि गूंजने लगती है। वास्तव में तकनीक, प्रकृति और संगीत का एक अद्‌भुत समन्वय है यह, जिसे प्रख्यात शास्त्रीय संगीतज्ञ तौफीक कुरेशी और संतूर वादक शांतनु गोखले के निर्देशन में तैयार करवाया गया। यह जानना भी दिलचस्प है कि अपने फ्यूजन के लिए चर्चित तौफीक कुरेशी उस्ताद अल्लारखा खां के बेटे और उस्ताद जाकिर हुसैन के भाई हैं, लेकिन संगीत की शिक्षा इन्होंने घाटम के गुरु पं. विक्कू विनायक राम से प्राप्त की। निश्चय ही उनके इस अभिनव प्रयोग में घाटम के ज्ञान का अहम योगदान रहा होगा। 2,250 वर्गफीट के इस विशाल होर्डिंग में 31 लकडी के हत्थे हैं, जिनके एक सिरे पर वर्षा की बूंदें सहेजने के लिए कप बने हैं और इतनी ही संख्या में स्ट्रिंग्स हैं। आश्चर्य नहीं कि दुनिया के सबसे बडे पर्यावरण अनुकूल होर्डिंग के रूप में इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड में भी शामिल किया गया है।

विनोद अनुपम
राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त कला समीक्षक
@patrika.com

वास्तव में चाय बेचने वाली कंपनी को पता है कि वर्षा से चाय का संबंध भले ही नया हो, मेघ मल्हार का संबंध बहुत पुराना है। होती होगी मेघ मल्हार के गायन पर बारिश, आज भी कहीं भी, मेघ मल्हार सुनें तो बारिश का अहसास तो होने ही लगता है। कहते हैं तानसेन ने जब अकबर के अनुरोध पर राग दीपक गाया और फिर अपने ही ताप से उसका बदन जलने लगा तो उसकी ही शिष्या ने मेघ मल्हार गाकर बारिश को आमंत्रित किया और उसका ताप शांत हुआ। सिनेमा में राग मेघ मल्हार पर आधारित पहला गीत भी 1942 में बने 'तानसेन' का ही माना जाता है। जिसे खेमचंद प्रकाश के संगीत निर्देशन में खुर्शीद ने गाया था, बरसो रे कारे बदरवा हिया में बरसो...।

मेघ मल्हार वर्षा की अनुभूति कराने वाला अनोखा राग है, फिल्मों में बारिश के आह्वान के लिए या फिर बारिश के दृश्यों को पूर्णता के लिए या फिर बारिश के भाव के लिए मेघ मल्हार के प्रयोग होते रहे हैं। यह उम्मीद और आस का राग है। 'साहब बीबी और गुलाम' में छोटी बहू पति के इंतजार में बेचैन शृंगार कर रही है, मिलन की उम्मीद अभिव्यक्त होती है राग मेघ में ... 'पिया ऐसे जिया में समाय गयो रे कि मैं तन मन की सुध गंवा बैठी..।' मेघ और मेघ मल्हार दोनों ही जीवन के प्रतीक हैं। ये जिस भी रूप में हमारे जीवन में दस्तक देते हैं, स्वीकार्य है, होर्डिंग पर ही सही।

आपकी बात

सुविधाजनक है प्लास्टिक बैग

प्लास्टिक बैग सस्ते और सुविधाजनक होते हैं। कपड़े या कागज से बने बैग महंगे और कम सुविधाजनक हैं। इसके कारण वे बाजार में अपनी जगह नहीं बना पा रहे। लोगों में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता की कमी भी है। प्लास्टिक बैग के उपयोग को बंद करने के लिए हर स्तर पर जागरूकता की जरूरत है।

-पलाश मुंगे, इंदौर, मप्र

जनता को जागरूक किया जाए

पॉलिथीन की थैलियों पर प्रतिबंध के बावजूद ये बाजार में बहुत आसानी से उपलब्ध हैं। जाहिर है इस मामले में सख्ती नहीं है। प्लास्टिक बैग की जगह जूट या कपड़े के बैग का इस्तेमाल करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को प्लास्टिक की थैलियों से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जाए।

- प्रियंका महेश्वरी, जोधपुर

भविष्य से खिलवाड़

वर्तमान समय में प्लास्टिक बैग के बहुतायत में प्रयोग होने का मुख्य कारण इनका कागज, लुगदी अथवा जूट से बने थैलों की अपेक्षा सस्ता और सुविधाजनक होना है। प्लास्टिक के बैग हल्के होते हैं और उन्हें ले जाने में आसानी होती है। इसलिए दुष्प्रभावों से परिचित होते हुए भी लोग प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल करते हैं।

-विनायक गोयल, रतलाम, मध्यप्रदेश

विकल्प का अभाव

प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल बंद नहीं होने का मुख्य कारण इसके सटीक विकल्प का अभाव है। इसका टिकाऊपन माल स्टोर करने और हैंडलिंग में सुविधा प्रदान करता है। जूट या कपड़े के बैग में तरल पदार्थ नहीं ले जाया जा सकता। बाजार में बर्तन लेकर जाने से लोग बचते हैं। साथ ही लोगों में जागरूकता की कमी है।

-रविंद्र बराड़, सिरोही

आज का सवाल

बारिश में करंट से होने वाली मौतों को कैसे रोका जा सकता है?

ईमेल करें: edit@epatrika.com

कल का सवाल था: प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल बंद क्यों नहीं हो पा रहा?

कमलपुर में स्टॉपेज के लिए केन्द्रीय रेल मंत्री को लिखा पत्र

रायपुर@पत्रिका. महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस का स्टॉपेज कमलपुर में फिर से शुरू करने का अनुरोध किया है। मंत्री राजवाड़े ने अपने पत्र में लिखा है कि अम्बिकापुर दुर्ग एक्सप्रेस की अप और डाउन गाड़ियां नियमित रूप से कमलपुर रेलवे स्टेशन में रूका करती थीं। कोविड के दौरान रेलवे द्वारा कमलपुर स्टेशन में इस ट्रेन का स्टॉपेज अस्थायी रूप से बंद किया गया था। राजवाड़े ने कहा, उनके क्षेत्र में भ्रमण के दौरान लोगों ने कमलपुर में पुनः स्टॉपेज शुरू करने की मांग की है। कमलपुर के आस-पास लगभग 3500 लोगों की आबादी है, जो इस स्टॉपेज के माध्यम से रेल सुविधाओं का उपयोग करती हैं। इसके अलावा इस स्टेशन के पास ग्राम सिलफिली में बड़ी सब्जी मंडी भी है। कमलपुर स्टेशन से अम्बिकापुर की दूरी 15 किलोमीटर है। राजवाड़े ने यह भी अवगत कराया कि रोजाना बड़ी संख्या में अम्बिकापुर से विश्रामपुर के लिए लोगों का आना-जाना लगा रहता है।

एनएसयूआई के कार्यकर्ता संगठन को सूचना दिए बिना नहीं कर सकेंगे प्रदर्शन

रायपुर@पत्रिका. प्रदेशभर के एनएसयूआई के कार्यकर्ता संगठन की अनुमति के बिना कोई भी विरोध-प्रदर्शन नहीं कर सकेंगे। कार्यकर्ताओं को ज्ञापन सौंपने के लिए भी संगठन की अनुमति लेनी होगी। इस संबंध में एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने ने सभी पदाधिकारियों को पत्र जारी किया है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि किसी भी शासकीय और निजी संस्थाओं में धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन देने के पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री और अपने जिला अध्यक्ष को कार्यक्रम से अवगत कराएं और अनुमति प्राप्त करें।

जानलेवा हादसा : जांजगीर में पांच और कटघोरा में चार लोगों की मौत

मौत के कुएं

जहरीली गैस से जांजगीर-कटघोरा में नौ लोगों की मौत

पत्रिका ब्यूरो @ जांजगीर-बिर्रा/कटघोरा. प्रदेश में शुक्रवार को जांजगीर और कोरबा जिले के कटघोरा में दो अलग-अलग हादसों में नौ लोगों की मौत हो गई। पहली जांजगीर के बर्रा गांव में घटी, जहां लकड़ी का बत्ता निकालने एक किसान कुएं में उतरा जहां उसकी जहरीली गैस से मौत हो गई। इसके बाद उसे बचाने के चक्कर में चार लोगों की जहरीली गैस से जान चली गई। वहीं कटघोरा में पिता के कुएं चक्कर खाकर गिर जाने के बाद उसे बचाने के लिए बेटी और दो भांजे में कुएं में उतरे,जहां इन चारों की मौत हो गई।

जांजगीर: एक को निकालने के प्रयास में पिता व दो बेटों समेत 5 की चली गई जान

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

जांजगीर-बिर्रा . बिर्रा थाना क्षेत्र के किरकिरदा गांव में कुएं में जहरीली गैस के रिसाव से एक-एक कर पांच लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सीमेंट से निर्मित कुएं में लकड़ी के बत्ते को निकालने के किसान नीचे उतरा था। पहले व्यक्ति की जहरीली गैस की वजह से कुएं के नीचे उतरते ही मौत हो गई। उसे निकालने एक-एक कर पांच लोग नीचे उतरे और सभी की जहरीली गैस की वजह से मौत हो गई। कुएं से शव को निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम बिलासपुर से आई और शव को एक-एक कर बाहर निकाला। शव का पोस्टमार्टम कराया गया और परिजनों को सौंप दिया।

कुएं से शव को बाहर निकालती एसडीआरएफ की टीम।

कुएं में एक-एक कर पांच लोगों के डूबने से मौत हुई है। शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही उनकी मौत के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा।
- विवेक शुक्ला, एसपी

ऐसे हुआ हादसा

पुलिस के मुताबिक किरकिरदा के बस स्टैंड से कुछ ही दूर पर रामचंद्र जायसवाल (70) साग सब्जी के लिए घर के आंगन में रिंग का कुआं बनवाया था। इस कुएं को लकड़ी के पल्ले से ढंककर रखा गया था। शुक्रवार की सुबह लकड़ी का पल्ला टूटकर कुआं में गिर गया। इसे निकालने के लिए मकान मालिक रामचंद्र कुएं में उतरने लगा जैसे ही कुआं के अंदर गया तो उसका सांस भर गया और बीच में ही सांसें थम गई। कुछ देर बाद कुएं के भीतर से कोई आवाज नहीं आई तो घरवाले चिल्लाने लगे। आवाज सुनकर पड़ोसी रामचंद्र के घर आ गए। पडोसी रमेश कुमार पटेल (52) कुआं में उतरने लगा। इस दौरान उसे भी सांस लेने में दिक्कत हुई और वह भी बेहोश हो गया। पिता को बचाने के फिराक में दोनों पुत्र क्रमशः जितेन्द्र पटेल (22) तथा राजेन्द्र पटेल (18) भी कुएं में उतरे और कुछ ही दूरी पहुंचने के बाद दोनों भाई को भी सांस लेने में परेशानी हुई और इनकी भी मौत हो गई। इन चारों को बचाने के चक्कर में टिकेश्वर चंद्रा (25) भी कुआं में उतरने लगा और इस दौरान उसे भी सांस लेने में दिक्कत होने लगी और वह भी मौत के मुंह में समा गया। हादसे की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। गांव में हजारों लोगों की भीड़ जुट गई। घटना स्थल पर जांजगीर व सक्ती के कलेक्टर एसपी मौके पर पहुंचे और शव को निकालने जरूरी कवायद की। बिर्रा पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

कटघोरा: कुएं में उतरे पिता को बचाने पहले बेटी, फिर दो भांजे भी डूब गए

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

कोरबा. जहरीली गैस की चपेट में आकर कटघोरा में पिता और बेटी सहित चार लोगों की मौत हो गई। सभी आपस में रिश्तेदार थे। घटना से परिवार में मातम पसरा है।

घटना नगर पालिका परिषद कटघोरा के वार्ड क्रमांक 11 डिपरापारा की है। यहां रहने वाला जहरू पटेल (60) अपनी 16 साल की बेटी सपिना पटेल के साथ डिपरापारा स्कूल के पास स्थित बाड़ी में काम कर रहा था। दोपहर लगभग एक बजे थे, वह बाड़ी के दूसरे छोर पर मौजूद कुआं के पास गया। उसे कुआं में मरा हुआ मेंढक दिखाई दिया। कुआं में लगे रॉड को पकड़कर सफाई करने के लिए नीचे उतरा। इसके पहले कि वह मरे हुए मेंढक को कुएं से बाहर निकाल पाता कि वह मूर्छित होकर पानी में गिर गया। उसे छटपटाता देख बेटी सपिना भी रॉड को पकड़कर बेटी कुछ मीटर तक नीचे उतरी और कुएं में छलांग लगा दिया। बेटी भी मूर्छित होकर कुएं की पानी में गिर गई। सपिना की जोर से चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास की बाड़ी में काम कर रहे शिवचरण पटेल उर्फ कली (45) और मनबोध पटेल (57) पहुंचे। कुआं में दोनों को देखकर शिवचरण और मनबोध कुआं में लगी रॉड को पकड़कर नीचे उतर गए। दोनों ने जहरू और सपिना को बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन उन्हें भी चक्कर आ गया। बेहोश होकर दोनों कुआं की पानी में गिर गए।

घटनास्थल पर ग्रामीणों से बातचीत करते अधिकारी।

सीएम ने जताया शोक

आर्थिक मदद का ऐलान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जांजगीर और कटघोरा में दो अलग-अलग हादसों में नौ लोगों की मौत पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने हादसे में मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5-5 लाख रुपए और जिला प्रशासन से 4-4 लाख रुपए सहित कुल 9-9 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

कुआं में डूबने से चार लोगों की मौत हुई है। जहरू और उसकी बेटी कुएं में डूब गए थे। दो लोग उन्हें बचाने के लिए उतरे थे। उनकी भी मौत हो गई। एसडीआरएफ की टीम की मदद से शवों को बाहर निकाल लिया गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।
-सिद्धार्थ तिवारी, पुलिस अधीक्षक, कोरबा

इस दौरान शिवचरण और मनबोध के साथ सुनील पटेल नाम का युवक भी कुए में नीचे उतरा था, जो कुएं से आ रही गंध को सूंघकर जल्दी से बाहर निकल गया। उसने घटना की जानकारी क्षेत्र के पार्षद आत्मानंद पटेल को दी। घटना की सूचना पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी को जानकारी दी। सूचना पर स्थानीय विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम, कलेक्टर अजीत वसंत, एसपी सिद्धार्थ तिवारी सहित बड़ी संख्या में लोग घटना स्थल पर पहुंचे। तब तक चारों की मौत हो गई थी।

नवा रायपुर : सुबह 10.45 बजे की घटना

पर्यावास भवन की चौथी मंजिल से अकाउंटेंट ने लगाई छलांग, मौत

पर्यावास भवन की चौथी मंजिल से नरेश साहू ने ऐसे लगाई छलांग।

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. नवा रायपुर के पर्यावास भवन में एक कर्मचारी ने खुदकुशी कर ली। उसने चौथी मंजिल से नीचे छलांग लगा दी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अकाउंटेंट था। उन पर विभाग के लेन-देन, आय-व्यय के कामकाज की बड़ी जिम्मेदारी थी। बताया जाता है कि विभागीय काम के तनाव में उसने खुदकुशी कर ली। हालांकि मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। राखी पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

पुलिस के मुताबिक लक्ष्मी नगर निवासी 35 वर्षीय नरेश साहू हाउसिंग बोर्ड में अकाउंटेंट के रूप में पदस्थ थे। उनका कार्यालय भी पर्यावास भवन में ही है। शुक्रवार को वे निर्धारित समय पर ऑफिस पहुंचे। कार्यालय के सहयोगियों से बातचीत की। इसके बाद करीब 10.45 बजे अपनी शाखा से निकलकर पर्यावास भवन की चौथी मंजिल की बालकनी में गए और रेलिंग में चढ़कर अचानक नीचे छलांग लगा दी। नीचे फर्श में गिरने से उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से कार्यालय के सभी कर्मचारी-अधिकारी सकते में आ गए। सभी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए अभनपुर भेजा गया। करीब डेढ़ बजे पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। उनका अंतिम संस्कार उनके गृहग्राम बलदेवपुर खैरागढ़ में किया गया।

विभागीय कामकाज को लेकर तनाव की आशंका

नरेश की खुदकुशी की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन विभागीय तनाव के चलते खुदकुशी करने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल राखी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के मोबाइल डिटेल खंगाले जा रहे हैं। दूसरी ओर मृतक के मंझले भाई अशोक साहू ने बताया कि ऑफिस की ओर से किसी भी तरह की परेशानी होने की बात नरेश ने कभी नहीं कही थी। खुदकुशी क्यों की? यह पता नहीं चल पाया है। सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। कुछ माह से वे रायपुर में अकेले रह रहे थे।

जांच में होगा खुलासा

राखी थाना प्रभारी अजीत सिंह राजपूत ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक के मोबाइल के कॉल डिटेल, परिजनों के बयान, कार्यालय सहयोगियों के बयान लिए जाएंगे। इसके बाद ही खुदकुशी के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

निचली कोर्ट का फैसला सही, अपील खारिज

हाईकोर्ट: नाबालिग के साथ बलात्कार जघन्य अपराध, 20 साल कैद और जुर्माना उचित

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

बिलासपुर . हाईकोर्ट ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत नाबालिग के अपहरण और बलात्कार से जुड़े एक मामले में अपराध सिद्ध होने पर दोषी की सजा जारी रखने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत की खंडपीठ ने पाया कि आरोपी ने नाबालिग को बरगलाया और यौन उत्पीड़न किया। कोर्ट ने उसकी 20 साल की सजा और जुर्माने को उचित ठहराते हुए कहा कि "अपीलकर्ता ने एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार का जघन्य अपराध किया है, और यह विधिवत साबित भी हो चुका है।"

डिवीजन बेंच ने फैसले में आरोपी द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया और ट्रायल कोर्ट के फैसले की पुष्टि की। अपराधी पर आईपीसी की धारा 363, 366 और 376 के तहत आरोप लगाए गए थे। साथ ही पॉक्सो अधिनियम की धाराओं में कई कानूनी मुद्दे उठाए गए। इनमें पीड़िता की आयु निर्धारण की वैधता, अभियोजन पक्ष के साक्ष्य की विश्वसनीयता और आरोपी तथा पीड़िता के परिवारों के बीच भूमि विवाद के कारण कथित झूठे आरोप शामिल हैं।

यह है मामला: प्रकरण के अनुसार पीड़िता के पिता ने 29 अगस्त 2020 को पुलिस में एक लिखित शिकायत प्रस्तुत की। इसके अनुसार थाना रामानुजगंज के तहत 27 अगस्त 2020 को रात्रि लगभग 11 बजे, पीड़िता, उम्र 14 वर्ष 4 माह घर से लापता थी। उसको ढूंढने का प्रयास किया जा रहा था। उन्हें सूचना प्राप्त हुई कि अभियुक्त लालबाबू सोनवानी अपने साथी के साथ पीड़िता को मोटरसाइकिल से ले जा रहा था। लड़की के भाई ने उसका पीछा किया तो उसने पीड़िता को मोटरसाइकिल से गिरा दिया और अपने साथी के साथ अंबिकापुर की ओर भाग गया। इस बीच पीड़िता घर आ गई और बताया कि आरोपी लालबाबू उसे बहला-फुसलाकर ले गया और जंगल में ले जाकर बलात्कार किया। ट्रायल कोर्ट ने धारा 363 आईपीसी अपहरण, धारा 366 विवाह या अवैध संभोग के लिए मजबूर करने के इरादे से अपहरण, धारा 4(2) पॉक्सो अधिनियम में यौन उत्पीड़न के लिए 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा और 15 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

कार्रवाई : काम में लापरवाही बरतने का आरोप

काम के बदले पैसे मांगने पर महिला पटवारी सहित दो निलंबित

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

जशपुरनगर./कोरिया. सरकारी काम कराने के एवज में आम लोगों से पैसे मांगने के आरोप में दो पटवारियों को निलंबित किया गया है। जशपुरनगर कलेक्टर ने नामांतरण, बंटवारा, जमीन नपाई सहित अन्य राजस्व के कार्य में पैसों की मांग करने की शिकायत पर जांच के बाद पोड़ी पटकोना के पटवारी देवानंद भगत को निलंबित किया है।

पटवारी भगत को मुख्यालय में नहीं रहने सहित अन्य आरोपों की शिकायत सामने आने पर जवाब मांगा गया था, जिसमें जवाब संतोषप्रद नहीं मिला। इसके बाद प्रशासन ने जिला विभागीय जांच अधिकारी, जिला कार्यालय जशपुर को जांचकर्ता अधिकारी एवं तहसीलदार मनोरा को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नियुक्त किया गया है। जांचकर्ता अधिकारी को इस प्रकरण में 3 माह के अंदर जांच पूर्ण कर जांच प्रतिवेदन देने कहा है।

महिला पटवारी भी निलंबित

इधर, बैकुंठपुर जिले में जमीन बंटवारे और पट्टा बनाने के नाम पर पैसे मांगने वाली महिला पटवारी को एसडीएम ने निलंबित कर दिया गया है। एसडीएम कार्यालय से जारी आदेश के मुताबिक पटवारी हल्का नंबर-13 एवं अतिरिक्त प्रभार हल्का नंबर-14 पिपरा में कार्यरत शकुन्तला सिंह के खिलाफ ग्राम टेंगनी के प्रार्थी प्रेमसाय ने 25 जून को कलेक्टर जन चौपाल में शिकायत की थी। जिसमें बताया था कि पटवारी ने बंटवारे का नक्शा त्रुटि पूर्ण दर्ज किया है और जमीन बंटवारे व पट्टा बनाने के लिए पैसे मांग रही है। मामले में तहसीलदार पटना से जांच कराई गई थी। जांच प्रतिवेदन कलेक्टर को सौंपा गया। प्रतिवेदन के अनुसार हल्का पटवारी शकुन्तला सिंह द्वारा बंटवारे का नक्शा त्रुटि पूर्ण दर्ज करना पाया गया।

धमतरी : 50 हजार रिश्वत लेते नायब तहसीलदार गिरफ्तार

खीरसागर बघेल

धमतरी. धमतरी राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार मामले में शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई हुई। तहसील दफ्तर में पदस्थ नायब तहसीलदार खीरसागर बघेल को एंटी करप्शन ब्यूरो ने 50 हजार रुपए रिश्वत के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। शुक्रवार शाम 4 बजे एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम धमतरी पहुंची और जाल बिछाकर टीम ने कमरा नंबर-14 से नायब तहसीलदार को घूस के साथ रंगे हाथ पकड़ा। पोटियाडीह निवासी प्रार्थी दिलीप पुरी गोस्वामी से जमीन विवाद पर 50 हजार रूपए की मांग की गई थी। इसकी शिकायत प्रार्थी ने एसीबी में की थी।

केंद्रीय नेतृत्व ने कई प्रदेशों में प्रभारियों की नियुक्ति की

नितिन नबीन छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रभारी

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने छत्तीसगढ़ समेत कई प्रदेशों में प्रदेश प्रभारी और सहप्रभारियों की नियुक्ति की है। छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी बिहार के कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन को दी गई है। इससे पहले वे सह प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उन्हें लोकसभा चुनाव का प्रभारी बनाया गया था। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के बड़े रणनीतिकार माने जाने वाले ओम माथुर को प्रदेश प्रभारी बनाया गया था। इस नियुक्ति पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा, नवीन की नियुक्ति की अधिकृत घोषणा से छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है। उनका छत्तीसगढ़ से लगाव रहा है और उनके प्रदेश सह प्रभारी रहते हुए भाजपा ने विधानसभा चुनाव और उसके बाद हुए लोकसभा चुनाव में चुनाव प्रभारी रहते हुए ऐतिहासिक विजय अर्जित की है।

नितिन नबीन

लता उसेंडी ओडिशा की सह प्रभारी

भाजपा के कोंडागांव विधायक लता उसेंडी को ओडिशा का सह प्रभारी बनाया गया है। ओडिशा का प्रभारी विजयपाल सिंह तोमर को बनाया गया है।

लाल आतंक: 4 दिन तक जंगल में घुमाते रहे नक्सली

मुखबिरी के शक में ग्रामीण की हत्या

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नारायणपुर. पुलिस माड बचाव अभियान संचालित कर नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई करने में लगी है। इससे नक्सली संगठन बौखला गया है।

इस बौखलाहट में नक्सली निर्दोष ग्रामीणों को निशाना बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इसकी बानगी अबुझमाड़ के थुलथुली गांव में देखने को मिली है। इसमें नक्सलियों ने थुलथुली गांव के गायता चैनुराम मंडावी का 30 जून को अपहरण कर लिया था। इसके बाद नक्सली गायता चैनुराम मंडावी को 4 दिन जंगल में अपने साथ घुमाते रहे। इसके बाद नक्सलियों ने गायता पर गोबेल मुठभेड़ में मुखबिरी करने का आरोप लगाते हुए 4 जुलाई की रात गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद उसके शव को थुलथुली गांव के पास सड़क फेंक दिया। इस घटना के बाद से थुलथुली गांव ने दहशत का माहौल बना हुआ है।

रहें सावधान | **इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर की रिसर्च में खुलासा...**

आप रोजाना खा रहे 0.65 म्यू ग्राम केमिकल

एक्सक्लूसिव

मोहम्मद जावेद
patrika.com

भिलाई. सेहत बनाने के लिए फलों को बेहतर विकल्प माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं जाने-अनजाने रोजाना 0.65 म्यू ग्राम केमिकल फलों के जरिए खा रहे हैं। यह खुलासा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान वैज्ञानिक डॉ. गजेंद्र चंद्राकर की रिसर्च में हुआ है।

दरअसल फलों को पकाने और उनकी सेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए डीडीटी, इथरेल और जिब्रलिक का उपयोग धड़ल्ले से जारी है। यह केमिकल इतने खतरनाक हैं कि इनसे त्वचा की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। यही नहीं टाइप-2 डाइबिटीज, पीसीओडी का खतरा भी बढ़ सकता है। सेब और अंगूर की फसल का यह मौसम नहीं है। फिर भी बाजार में दिखते हैं। बेमौसम फल बाजार में कैसे आ जाते हैं। सेब को मंडी में लाकर कई महीनों तक कोल्ड स्टोर में रखा जाता है। इससे पहले बाकायदा इसका वैक्सीनेशन होता है ताकि ये अधिक समय तक टिके रहे। इसी तरह अंगूर को टिकाऊ बनाए रखने के लिए डाइक्लोवास 26 ईसी नाम के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि अंगूरों को सुरक्षित रखने के लिए डीटीसी का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो एक खतरनाक पेस्टिसाइड है।

फलों को पकाने और शेल्फ लाइफ बढ़ाने प्रतिबंध के बाद भी डीडीटी, इथरेल और जिब्रलिक जैसे केमिकल का इस्तेमाल जारी...

जानिए... किस फल में मिला कितना केमिकल

फल	केमिकल
एप्पल	0.6086
मैंगो	0.6568
केला	0.2221
अंगूर	0.5837
गाजर	0.3469

(मात्रा म्यू ग्राम में)

कई तरह के साइड इफेक्ट

बच्चों में समय से पहले नजर के चश्मे लगना। एकाग्रता लेवल में कमी। कैंसर और अस्थमा का खतरा

रखें सतर्कता

फलों के इस्तेमाल से पहले कम से कम तीन घंटे पानी में डूबाएं। मौसमी फलों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें। हाइब्रीड फलों का इस्तेमाल कम से कम करें।

तीस से अधिक पेस्टिसाइड

साइंटिफिक रिपोर्ट के मुताबिक बाजार में बिकने वाले सैंकड़ों फलों में तीस से अधिक पेस्टीसाइड पाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक सीमा के बाद यह पेस्टीसाइड का इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए बड़ी बीमारियों को न्योता देने जैसा होता है।

फलों को पकाने के लिए केमिकल इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इससे गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हर रोज फल खाने वाले रोजाना 0.65 म्यू ग्राम तक केमिकल ग्रहण करते हैं। कुछ इससे बचाव के लिए सावधानियां जरूरी है। अच्छे से धोकर ही फलों का इस्तेमाल करें।
डॉ. गजेंद्र चंद्राकर, कृषि वैज्ञानिक, आईजीकेवी

भाजपा पर हमला

18 लाख में से कितने आवास केंद्र ने मंजूर किए

रायपुर@पत्रिका. प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा,भाजपा ने विधानसभा चुनाव में जनता से वादा किया था कि राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही 18 लाख लोगों को आवास दिया जाएगा। जबकि हकीकत यह है कि राज्य में भाजपा की सरकार बने 6 माह हो गए और अभी तक साय सरकार ने एक भी आवासहीन के लिए आवास नहीं बनाया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जिनके लिए आवास स्वीकृत किया था, उनको भी भाजपा सरकार दूसरी किश्त नहीं दे पाई है।

टीकमगढ़ जिले में सदगुरु प्राकट्य महोत्सव

छिपरी धाम में विराजे बुंदेलखंड के सबसे ऊंचे सदाशिव महादेव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

टीकमगढ़. संत की दृष्टि अलौकिक होती हैं। महाराज ने इस परिसर में सभी महर्षियों के जीवन का निचोड़ निकालते हुए इस परिसर को सामाजिक समरसता का केंद्र बना दिया हैं। यहां का वातावरण देखकर ऐसा लगा कि आज तो बाबा महाकाल छिपरी में पधारे हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिपरी धाम में आयोजित सदगुरु प्राकट्य महोत्सव में कही। वह यहां बुंदेलखंड की सबसे ऊंची 61 फीट की शिव प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे थे। सीएम ने कहा कि संतों के आशीर्वाद से सभी कामों में सफलता की गारंटी हो जाती है। रावतपुरा सरकार ने जैसा इस गांव को चमकाया है, हम कामना करते हैं कि उनके आशीर्वाद से ऐसे ही प्रदेश चमक जाए। सीएम ने कहा छिपरी पर्यटन केंद्र बनेगा। क्षेत्र में उद्योग लगाए जाएंगे।

योजनाओं की राशि अंतरित की

कार्यक्रम में सीएम ने किसान कल्याण योजना के 81 लाख हितग्राहियों के खातों में 1630 करोड़, उज्ज्वला योजना के 24 लाख हितग्राहियों के खातों में 41 करोड़ एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों के खातों में 330.96 लाख करोड़ की राशि अंतरित की।

न्यूज शॉर्ट्स

मुनाफे का झांसा दे बैंक कर्मी से ठगे 1.70 लाख

जबलपुर. साइबर ठग ने निजी बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर से 1.70 लाख रुपए ठग लिए। घमापुर पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया, अभिषेक गुप्ता को टेलीग्राम पर टास्क पूरा करने का मैसेज आया और जिसमें पहली बार में 500 रु. मिले। इसके बाद 20 हजार, 65 हजार और 85 हजार रुपए मंगवाए। रुपए वापस नहीं मिले और पांच लाख मांगे गए, तब ठगी का पता चला।

जमीन के विवाद में चाचा-भतीजे पर चलाई गोलियां

ग्वालियर. जमीन विवाद में चार लोगों ने चाचा-भतीजे को पीटा और तमंचे व बंदूक से गोलियां चलाईं। पुलिस ने बताया, खांदी गांव (मोहना) निवासी हरिसिंह बघेल ने बताया, हाईवे पर होटल के पास जमीन खरीदी है। इसे निगम तोमर अपनी बताते हैं। गुरुवार को वह चाचा के साथ जमीन पर गए थे। इतने में निगम तोमर, सौरभ, विवेक और रविन्द्र तोमर आए और विवाद किया। टीआइ ने बताया, आरोपियों की तलाश में ग्वालियर, शिवपुरी में दबिश दी है।

युवती को धमकी, टुकड़े कर देंगे, जला देंगे

ग्वालियर. प्राइवेट नौकरी कर रही युवती को अनजान फोन कॉल्स से हत्या और उसकी लाश के टुकड़े कर श्मशान में जला देने की धमकी का मामला सामने आया है। युवती दहशत में है। उसने नौकरी भी छोड़ दी है। पुलिस ने कहा, जिन नंबर से धमकी मिली है, उनकी जानकारी जुटाई जा रही है। पीड़िता ने बताया, सबसे ज्यादा धमकी के कॉल तो 19 जून को आए हैं। अनजान कॉल ब्लॉक किए, तो धमकाने वाले ने नंबर बदलकर फोन किए।

पीएचई घोटाला: जांच दल को नहीं दिए दस्तावेज

ग्वालियर. पीएचई के खंड क्रमांक-1 में हुए घोटाले की जांच के लिए जुलाई 2023 में चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था। इस कमेटी ने घोटाले की जांच के लिए पीएचई के खंड क्रमांक-1 से खरीद, वेतन, मजदूरी के दस्तावेज की मांग की, लेकिन विभाग ने दस्तावेज नहीं दिए। कोषालय के सॉफ्टवेयर से जो भुगतान हुए है, उसके आधार पर पूरी जांच की।

@10 जिले तापमान

कहां- कितना

ग्वालियर	29.7	सागर	29.5
भोपाल	30.7	सतना	32.4
शिवपुरी	29.2	जबलपुर	32.0
छिंदवाड़ा	30.5	नौगांव	32.0
दमोह	29.5	इंदौर	30.3

(आंकड़े डिग्री सेल्सियस में)

लापरवाही ऐसी... स्कूली बच्चों को न गणवेश दे सके न पैसा

30 जिलों के गलत खातों में डाल दिया यूनिफॉर्म का पैसा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

22 जिले ऐसे जहां सिर्फ कागजों पर चल रहा काम

भोपाल. प्रदेश में अफसरशाही की लापरवाही का आलम ये है कि करोड़ों रुपए के घोटाले के हालात बन गए हैं। दरअसल, शिक्षा सत्र 2023-24 में पहली से आठवीं तक के सरकारी स्कूलों के बच्चों की यूनिफॉर्म अब तक नहीं बांटी जा सकी है। 30 जिलों में तो ऐसा गजब हुआ कि यूनिफॉर्म नहीं बांट सके तो बच्चों के बैंक खातों में सीधे पैसा देना तय किया। पैसा बैंक खातों में ट्रांसफर भी कर दिया, लेकिन अब पता चला कि सारे खाते ही गलत थे। अब वापस राशि वसूल करके सही खातों में भेजने की मशक्कत की नौबत आ गई। वहीं 22 जिलों में ऐसे हाल हैं कि पांच महीने से गणवेश बांटने का काम ही कागजों पर चल रहा है। इस बीच शिक्षा सत्र खत्म हो गया। ग्रीष्मावकाश के बाद अब नया सत्र शुरू हो गया, लेकिन अब भी यूनिफार्म बांटने के दावे-वादे हो रहे हैं। इससे यूनिफॉर्म वितरण में घोटाले जैसे हालत बन गए हैं, क्योंकि इस दौरान अनेक स्टूडेंट पासआउट होकर स्कूल छोड़ चुके होंगे। ऐसे में स्टूडेंट को ढूंढकर पिछले सत्र की यूनिफॉर्म या राशि देना उलझन वाला काम है।

फैक्ट फाइल

- 30 जिलों में गलत खातों में पैसा गया
- 22 जिलों में पांच महीने से वितरण की मशक्कत
- 20 लाख से ज्यादा स्टूडेंट प्रभावित
- 94039 सरकारी स्कूल प्रदेश में अभी
- 1.39 लाख से ज्यादा स्टूडेंट रजिस्टर्ड प्रदेश में

यहां गलत खातों में गई राशि: भोपाल, आगर मालवा, अशोकनगर, बालाघाट, बुरहानपुर, दमोह, दतिया, धार, डिंडौरी, गुना, ग्वालियर, हरदा, इंदौर, जबलपुर, झाबुआ, कटनी, खरगोन, मंदसौर, मुरैना, नरसिंहपुर, नीमच, निवाड़ी, राजगढ़, सीहोर, शाजापुर, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया एवं विदिशा।

20 लाख से ज्यादा खातों में डाला पैसा

प्रदेश के 30 जिलों में शिक्षा सत्र 2023-24 के तहत फरवरी 2024 तक गणवेश बांटना ही शुरू नहीं हुआ। जब शिक्षा विभाग को यह पता चला तो तय किया गया कि अब इन तीस जिलों में यूनिफॉर्म बांटने में समय लगेगा, इसलिए सीधे पैसा ही दे दिया जाए। इसके बाद 600 रुपए प्रति स्टूडेंट के हिसाब से बीस लाख से ज्यादा बच्चों के खातों में पैसा ट्रांसफर कर दिया गया। अब जून 2024 के अंत में फिर शिक्षा विभाग को पता चला कि जिन बैंक खातों में पैसा ट्रांसफर किया गया वो ही गलत थे। पैसा त्रुटिपूर्ण खातों में चला गया। अब आदेश दिए गए हैं कि पैसा सही खातों में भेजा जाए। इसके लिए वापस तीस जिलों में मशक्कत शुरू हो गई है। बैंक खातों का सत्यापन किया जाने लगा है।

शिक्षा विभाग ने लगाई फटकार

जिन 22 जिलों में फरवरी 2024 के पहले ही यूनिफॉर्म बांटने का काम शुरू कर दिया गया था, वहां अब तक वितरण पूरा नहीं हो सका है। अब भी जिलों से वितरण की पूरी रिपोर्ट नहीं आई। नतीजा ये कि फिर शिक्षा विभाग ने इन 22 जिलों को फटकार लगाई है। पांच महीने का वक्त बीत जाने के बावजूद यूनिफॉर्म वितरण पूरा नहीं होना सवाल खड़े करता है।

आजीविका समूहों को काम देने के बाद गफलत

शिक्षा विभाग ने इस बार राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को यूनिफॉर्म वितरण का काम दिया था। शिक्षा सत्र 2023-24 की यूनिफॉर्म जुलाई-अगस्त 2023 से ही वितरित होना शुरू होना था, लेकिन नहीं हुआ। फरवरी 2024 तक 22 जिलों में ही वितरण शुरू हो सका। महिलाओं के आजीविका समूहों से काम में देरी बजट, यूनिफॉर्म बनने और वितरण सहित अनेक मोर्चा पर लापरवाही के कारण हुई।

कियोस्क संचालक पकड़ी गई, पुलिस ने मांगी रिमांड

झाबुआ@पत्रिका. लोगों की जमा पूंजी में सेंध लगाने वाली मिताली कियोस्क संचालक पुष्पलता दास को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ धोखाधड़ी कर खातों से रुपयों का गबन का आरोप है। दरअसल, एसबीआइ से मान्यता प्राप्त मिताली कियोस्क सेंटर की संचालक पुष्पलता 16 जून से कियोस्क बंद कर घर पर ताला लगाकर गायब हो गई थी। उस पर ग्रामीणों के खाते से लाखों रुपए गबन करने के आरोप लगे थे। 27 जून को छात्रा चेतना, सुशीला, गरिना ने अपने साथ हुई ठगी की शिकायत कोतवाली में दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपी को पकड़ लिया।

युवक ने वीडियो बनाकर वायरल किया, जहर खाकर खुदकुशी

छतरपुर @पत्रिका. सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के एक युवक ने प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। युवक ने मरने से पहले सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें पत्नी, सास, साले और पुलिस पर परेशान करने के आरोप लगाए। गुरुवार शाम नरेंद्र सैनी (28) ने जहर खा लिया। परिजन अस्पताल ले गए, जहां से झांसी रेफर कर दिया। रास्ते में ही मौत हो गई। मृतक के पिता अशोक कुमार सैनी ने बताया, 3 मई 2022 को नरेंद्र की लक्ष्मी सैनी से शादी हुई थी। दोनों को एक साल की बच्ची है। 13 महीने पहले नरेंद्र की पत्नी ने उस पर दहेज का केस लगाया था, जो मथुरा कोर्ट में चल रहा है। उसके बाद से ही उसे परेशान किया जा रहा था।

Hope NEWS

नवाचार : प्रदेश में दो तरह की तकनीक से बनाई जा रहीं सड़कें

अब स्टील स्लैग तकनीक से बनेंगी सड़कें, गड्ढों से मिलेगी राहत

भोपाल. अब प्रदेश की सड़कों पर चलने पर हिचकोले नहीं लगेंगे क्योंकि सड़क पर गड्ढे नहीं होंगे। यह कमाल होगा सड़क निर्माण में दो तकनीकों एफडीआर और स्टील स्लैग तकनीक के इस्तेमाल से। यह टेक्निक एफडीआर यानी फुल डेप्थ रिक्लेमेशन तकनीक से भी आगे की चीज है। इस तकनीक से सूरत में सड़क बनाई गई हैं। स्टील के कचरे के ढेर को स्टील स्लैग एग्रीगेट में बदलकर सड़क का निर्माण किया जाता है। प्रसंस्कृत स्टील स्लैग सड़क की निर्माण लागत वर्तमान सड़क की तुलना में 30 प्रतिशत सस्ती पड़ती है। इस सड़क की मोटाई भी सामान्य सड़कों की तुलना में 30 प्रतिशत कम होती है। स्टील स्लैग के उपयोग के कारण इसका स्थायित्व बहुत अधिक होता है।

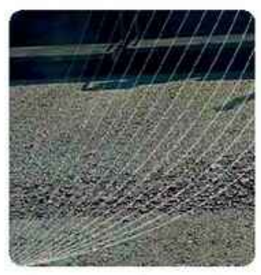

सड़क की मजबूती का मानक

भारतीय सड़क कांग्रेस के अनुसार, प्रतिदिन 1,000 से 1,200 ट्रकों का भार वहन करने में सक्षम सड़क के निर्माण में नींव पर 8% सीबीआर (कैलिफोर्निया बियरिंग रेशियो) के साथ करीब 600-700 मिमी मोटाई की परतें जरूरी होती हैं। यह क्षमता स्टील स्लैग में होती है, जो 200 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान पर पिघलता है, जबकि देश में गर्मी में तापमान 45 डिग्री से अधिक नहीं होता।

क्या है एफडीआर तकनीक

जिस तरह से स्वच्छता में रियूज, रिसायकिल, रिड्यूज से कचरे को उपयोगी या उसकी मात्रा घटाने की कोशिश होती है, उसी तरह एफडीआर तकनीक में मौजूदा रोड से ही निकली सामग्री का उपयोग किया जाएगा।सड़क से निकले मटेरियल को एक विशेष मीलिंग मशीन से प्रोसेस, ब्लेंडिंग व मिक्सिंग की जाएगी। बेस मटेरियल में अन्य केमिकल व जरूरी मटेरियल मिलाकर गुणवत्ता बेहतर कर रोड पर बिछाया जाएगा। रोड अगले 30 साल तक मजबूत रहेगी।

40 फीसदी लागत घटेगी, दूसरी सड़क बन सकती है

परंपरागत तकनीक से यदि एक लेन एक किमी की रोड निर्माण में 50 लाख रुपए की लागत आती है तो एफडीआर तकनीक से ये लागत 31 लाख रुपए तक होगी। यानी प्रति लेन, प्रति किमी 19 लाख रुपए या 40 फीसदी की बचत। इससे निर्माण सामग्री का परिवहन 40 से 50% घट जाएगा। भोपाल के 11 मिल से बंगरसिया और सीहोर को श्यामपुर से जोड़ने वाली 24 किमी की सड़क का निर्माण इसी तकनीक से किया जा रहा है। एजेंसियों को भी यह तकनीक अपनाने को कहा जाएगा।

एक्सपर्ट
राजेश चौरसिया,
स्ट्रक्चरल इंजीनियर, भोपाल

खंडवा: इंदौर लौट रहा था परिवार, दंपती घायल

खड़ी बस से टकराई कार, गोद में बैठे दो माह के बच्चे की मौत

खंडवा. ससुराल से पत्नी व दो माह के बेटे को घर लेकर जा रहे पति की कार खड़ी बस में टकरा गई। दुर्घटना में पत्नी के गोद में बैठे दो माह के बच्चे की मौत हो गई। पति और पत्नी दोनों भी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। सनावद रोड पर ग्राम देवला फाटे के पास मोड़ पर शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे यह हादसा हुआ है। मोड़ पर बस स्टॉप पर खड़ी जायसवाल बस के पिछले हिस्से में कार घुस गई। सूचना पर मूंदी थाने से एएसआइ मनोज सोनी घटनास्थल पहुंचे थे। एएसआइ सोनी ने बताया, हादसा तब हुआ, जब इंदौर निवासी धरम पिता चतरू (25) कार से अपनी पत्नी प्रिया (22) और दो माह के बेटे को ससुराल करोली गांव से लेकर इंदौर लौट रहा था। इस बीच देवला फाटे पर सवारी के लिए खड़ी बस से कार टकरा गई। खंडवा जिला अस्पताल में दंपती को भर्ती किया गया है।

ग्वालियर: इतिहास मिटाने पर आमदा ठेकेदार

ग्वालियर@पत्रिका. एक ओर तो शहर में इतिहास को संभालने उसे संवारने की कवायद हो रही है तो दूसरी तरफ लापरवाह इतिहास मिटाने पर तुले हुए हैं। ऐसा ही नगर निगम संग्रहालय में हुआ है। इस प्राचीन इमारत की मरम्मत कराई जा रही है, लेकिन काम में लापरवाही की जा रही है। यहां दीवारों पर चित्र, रियासतकालीन पेंटिंग, कलाकृतियों जैसे इतिहास के साक्ष्य रखे हुए हैं। मरम्मत के दौरान संग्रहालय में बेशकीमती विरासत को सुरक्षित नहीं किया गया। संग्रहालय की छत पर खुदाई कर डाली। बारिश के बीच इस काम ने कई धरोहरों को नष्ट होने की कगार पर पहुंचा दिया। बारिश के पानी, सीमेंट से चित्र खराब हो गए।

भोपाल

ट्रेंडिंग न्यूज

निगम के मृत कर्मचारी को भी मिल रही सैलरी

भोपाल. प्रदेश में नर्सिंग घोटाले की गूंज के बीच राजधानी में नगर निगम में भ्रष्टाचार का नया मामला सामने आया है। निगम के एक सफाई सुपरवाइजर की मौत के बाद भी उसकी सैलरी निकलती रही। इस मामले में निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने जांच के आदेश दिए हैं। निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण को भी मामले की जानकारी दी गई है।

ग्वालियर

हस्ताक्षर में अंतर, शपथ आयुक्त पर कार्रवाई

ग्वालियर. हाईकोर्ट की युगल पीठ में हैंडराइटिंग एक्सपर्ट की रिपोर्ट के लिफाफे को खोला गया, इसमें एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में शपथ पत्र पर हस्ताक्षर में भिन्नता है, इस कारण कोर्ट ने शपथ आयुक्त पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने रिपोर्ट प्रिंसिपल रजिस्ट्रार को भेज दी। याचिकाकर्ता की भूमिका पर पहले ही जुर्माना लगाया जा चुका है।

खंडवा में पकड़े गए आतंकी ने खोले राज

एनकाउंटर में मारे जा चुके सिमी आतंकियों के परिजनों के संपर्क में था फैजान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. खंडवा में पकड़े गए इंडियन मुजाहिदीन के आंतकी ने सख्ती के बाद कई राज खोले हैं। सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार आतंकी फैजान एनकाउंटर में मारे जा चुके सिमी आतंकियों के परिजनों के नियमित संपर्क में था और उनकी मदद भी करता था। और मध्यप्रदेश में एंट्री से पहले वो पिछले दो सालों में कई राज्यों में रह चुका है।

ज्यादातर समय उसने भटकल, कश्मीर, पठानकोट और दिल्ली में बिताया है। इसके बाद वो प्रदेश में आया। पूछताछ में ये इस बात के संकेत भी मिले हैं कि आंतकी फैजान कई अन्य साथियों के साथ नहीं बल्कि अकेले ही वारदात की योजना बना रहा था। जिसको लेकर उसने बड़ी प्लानिंग शुरू कर दी थी और वो पुलिस के जवानों को टारगेट बनाने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले ही उसे पकड़ लिया गया।

आतंकी के मदरसा कनेक्शन की हो जांच

फैजान के गिरफ्तार होने के बाद से सियासी बयानबाजी भी शुरू हो गई। पूर्व मंत्री ऊषा ठाकुर ने पत्रिका से बातचीत में कहा कि गिरफ्तार हुए आतंकी फैजान के मदरसा कनेक्शन की भी सरकार को जांच करनी चाहिए।

एयर कनेक्टिविटी

55 फीसदी यात्री ही मुंबई और दिल्ली तक जाते हैं

राजाभोज एयरपोर्ट से कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ते हैं 45% यात्री

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. शहर से प्रतिदिन हवाई यात्रा करने वाले आधे से ज्यादा पैसेंजर सिर्फ कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ने के लिए मुंबई और दिल्ली के लिए राजाभोज एयरपोर्ट से उड़ान भरते हैं।

सीआइआइ के सर्वे के अनुसार भोपाल से रोज 55 प्रतिशत एयर पैसेंजर जरूरी काम से मुंबई और दिल्ली जाते हैं। जबकि 45 प्रतिशत यात्री ऐसे हैं जो भोपाल से बड़े शहरों के लिए सीधी उड़ान नहीं होने के चलते इन डेस्टिनेशन तक जाकर अपना रास्ता बदलते हैं। इस साल मई में सबसे ज्यादा यात्री संख्या थी।

लिमिटेड डेस्टिनेशन के चलते कम होने लगे हवाई यात्री

यात्रियों की संख्या और विमानों के फेरे

माह	यात्री संख्या	फेरे
जनवरी 2024	120755	1102
फरवरी 2024	118959	1123
मार्च 2024	129299	1304
अप्रैल 2024	130157	1314
मई 2024	142876	1312
जून 2024	134166	984

यहां के लिए कनेक्टिविटी: दिल्ली-मुंबई जाने वाली एयर इंडिया और इंडिगो की मौजूदा उड़ानें यात्रियों को अहमदाबाद, बेंगलुरु, प्रयागराज, इंदौर और गोवा जैसे शहरों तक जाने वाली सीधी उड़ानों के लिए कनेक्टिविटी देती हैं। एयरपोर्ट डेवलपमेंट कमेटी की बैठक में आइएएस संजय दुबे एवं एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी की मौजूदगी में यात्री सुविधा एवं संख्या बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा हुई।

भोपाल से उड़ान

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, आगरा, उदयपुर और जयपुर।

इंदौर से उड़ान

दुबई, दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, लखनऊ, बेंगलुरु, जयपुर, हैदराबाद, रायपुर, पुणे, कोलकाता, चंड़ीगढ़, जबलपुर, नागपुर, गोवा, चेन्नई, उदयपुर, शिरडी नासिक, बेलागावी और प्रयागराज।

लोक पथ से लापता इंदौर के ग्रामीण क्षेत्रों में बनाई गईं सड़कें

इंदौर@पत्रिका. सरकार ने प्रदेश की सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए जनता को मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सौंप दी है। सरकार ने दो दिन पहले इसके लिए मोबाइल ऐप लोक पथ जारी किया है। इसमें लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की इंदौर की केवल 43 सड़कों को शामिल किया गया है। इंदौर के ग्रामीण क्षेत्रों की कई बड़ी और महत्वपूर्ण सड़कें ऐप से गायब हैं। शहरी क्षेत्र की अधिकांश सड़कों का निर्माण व संरक्षण नगर निगम करता है। ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों के संधारण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी, जिला पंचायत सहित अन्य एजेंसियों की है। इन सड़कों की शिकायत ऑनलाइन की जा सकती है।

मैं फेल नहीं हुआ, मैंने सबक सीखे

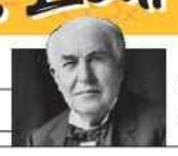

मैं फेल नहीं हुआ। मैंने अपने प्रयोग के दौरान 10 हजार वो तरीके अपनाए जो काम नहीं करते। - **थॉमस एडिसन**

लाखों रुपए की स्कॉलरशिप आपको चाहिए, तो
वीडियो देखने के लिए स्कैन करें...

OFFICE CULTURE

बेहतर वर्ककल्चर कंपनियों के लिए क्यों है जरूरी?

1. एक बेहतर वर्कप्लेस कर्मचारियों में एंगेजमेंट को बढ़ाता है। वो लम्बे समय तक ऐसी जगह काम करना पसंद करते हैं जो उन्हें बेहतर लगता है।

2. एक बेहतर वर्कप्लेस कर्मचारियों की प्रोडक्टिविटी को बढ़ाने का काम करता है। इसका सीधा फायदा कंपनी को मिलता है।

3. वर्कप्लेस का असर कर्मचारियों के शारीरिक और मानसिक स्थिति पर भी पड़ता है। यही वजह है कि ऑफिस का सकारात्मक माहौल उन्हें तनावमुक्त रखने का काम करता है।

4. वर्कप्लेस पर छोटी-छोटी सुविधाएं और माहौल कर्मचारियों को बेहतर काम करने के लिए मोटिवेट करता है। इस तरह एक सकारात्मक माहौल तैयार होता है। यह भी कंपनी की प्रोडक्टिविटी बढ़ाता है।

HELPING CAREER

20-30 वर्ष वालों के लिए

कोचीन शिपयार्ड में 64 पदों पर निकली भर्ती

कोचीन शिपयार्ड ने प्रोजेक्ट ऑफिसर के 64 पदों पर भर्ती निकाली है। इन भर्तियों के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

यह है योग्यता

आवेदन के लिए संबंधित ट्रेड में इंजीनियरिंग की बैचलर डिग्री होनी अनिवार्य है। आवेदक को 60 फीसदी अंकों के साथ ग्रेजुएशन उत्तीर्ण होना जरूरी है। अधिकतम उम्र 30 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के कैंडिडेट को उम्र सीमा में छूट दी जाएगी। कैंडिडेट का सलेक्शन टेस्ट, इंटरव्यू और प्रेजेंटेशन में किए गए प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। टेस्ट 50 अंक, इंटरव्यू 20 और प्रेजेंटेशन 30 अंक का होगा।

https://cochinshipyard.in/

EXAM PREPARATION-RULES परीक्षा कोई भी हो तैयारी योजनाबद्ध होनी चाहिए...

परीक्षा की तैयारी ऐसी होगी तो मिलेगी सफलता

परीक्षा स्कूल-कॉलेज की हो या फिर कोई कॉम्पिटिटिव एग्जाम्स की, तैयारी योजनाबद्ध तरीके से की जानी जरूरी है। तैयारी के स्तर से यह जाना जा सकता है कि सफलता के कितने करीब हैं। विशेषज्ञ कहते हैं, परीक्षा की तैयारी के लिए सिर्फ सिलेबस को पूरा कर लेना काफी नहीं होता। इसके लिए कई बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जानिए, परीक्षा की तैयारी कैसी होनी चाहिए...

परीक्षा में अभी कितना वक्त बाकी है और कैसे पाठ्यक्रम पूरा होगा, टाइम टेबल बनाते समय यह ध्यान रखें।

बनाएं प्रभावी रणनीति

1. तैयारी की रणनीति को प्रभावी बनाने के लिए सबसे पहले नोट्स रिवाइज करना शुरू करें।
2. स्टडी से जुड़ी जो भी सामग्री है, उसे ध्यानपूर्वक पढ़ें। पूर्व की परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों को हल करें।
3. ग्रुप स्टडी हमेशा से ही बेहतर मानी गई है। इसलिए दोस्तों के साथ समूह अध्ययन करें और एक-दूसरे की मदद करें।
4. शॉर्ट नोट्स बनाकर महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को संक्षिप्त रूप में लिखें। विषयों को माइंड मैपिंग के माध्यम से व्यवस्थित करें। इंटरनेट पर उपलब्ध स्टडी वीडियो और ऑडियो का उपयोग करें।

कितने विषय और अंक

टाइम टेबल बनाते समय कई चीजें याद रखें ताकि आपको सफलता मिल सके। कुछ बातों का खासतौर पर ध्यान रखें। परीक्षा में अभी कितना वक्त बाकी है, यह देखें। कितने विषय हैं, उसके कितने अंक हैं, यह भी ध्यान रखें। 24 घंटे में कितने घंटे पढ़ाई के लिए रहेंगे और हर या सप्ताह में किस विषय का अध्ययन किया जाएगा? इस बात को ध्यान में रखें। ध्यान इस बात का रखना है कि जब पढ़ाई करें, तो पूरा फोकस हो। होता यह है कि घंटों पढ़ाई के बाद भी सफलता नहीं मिलती और उसकी यही वजह होती है।

कौनसे टॉपिक लगते हैं मुश्किल

परीक्षा का जो पाठ्यक्रम है, उसका ठीक से विश्लेषण करें। परीक्षा के लिए कौन-कौन से टॉपिक महत्त्वपूर्ण हैं, इसे समझने की कोशिश करें। कौन-कौन से टॉपिक मुश्किल लगते हैं, इसकी एक लिस्ट बनाएं। इस तरह आप समय रहते उन पर अधिक फोकस कर सकेंगे और परीक्षा से पहले ठीक से तैयार कर पाएंगे। इसके अलावा अतिरिक्त जानकारी के लिए आपके पास कौन-कौन से संसाधन उपलब्ध हैं, उसे भी देखें। परीक्षा जब नजदीक हो, तो नए एक्सपेरीमेंट करने से बचें।

ब्रेक टाइम

आराम भी जरूरी है। इसलिए स्टडी प्लान में यह भी शामिल करें कि कब-कब ब्रेक लेना है। यह आपको शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है। इसके अलावा रुटीन में एक्सरसाइज जरूर करें। पर्याप्त नींद लें। तनाव दूर करने के लिए स्ट्रेस मैनेजमेंट टेकनीक का इस्तेमाल करें। दरअसल इन बातों का ध्यान रखने से ही पढ़ाई अच्छी होगी। सेहत सही होगी, तभी तैयारी अच्छी होगी।

परीक्षा की तैयारी

परीक्षा से ठीक से पहले तनाव को दूर करने की कोशिश करें। पर्याप्त नींद लें ताकि दिमाग रिलैक्स रहे। नाश्ता न छोड़ें, यह दिन भर के लिए एनर्जी देता है। परीक्षा से जुड़े दस्तावेजों को अपने पास रखें। समय से परीक्षा केंद्र पर पहुंचें। यह समझ लें कि परीक्षा के लिए कितना समय मिला है और उसमें कैसे आपको अपना बेस्ट देना है।

CAREER TECH

लार्सेन एंड टर्बो ने कई पदों पर निकाली भर्ती

नेश की जानी-मानी कंपनी लार्सेन एंड टर्बो ने कई पदों पर भर्तियां निकाली हैं। इन भर्तियों की जानकारी लार्सेन एंड टर्बो के ऑफिशियल लिंक्डइन पेज से ली जा सकती है।

इन पदों पर हैं नौकरियां

- ***सॉफ्टवेयर टेस्टर:*** इस पद के लिए कैंडिडेट के पास ऑटोमोटिव एम्बेडेड व्हीकल डायनामाइक सिस्टम डिजाइन और टेस्टिंग में अनुभव अनिवार्य है। इसके अलावा पॉवर स्टीयरिंग मॉड्यूल में अनुभव जरूरी है।
- ***बायर आइटी प्रोक्यूरमेंट:*** कैंडिडेट को आइटी सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, नॉन आइटी आइटम को सही कीमत पर खरीदने का अनुभव होना चाहिए।
- ***क्वालिटी एश्योरेंस इंजीनियर:*** इसके लिए कैंडिडेट्स का इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से होना अनिवार्य है। साथ ही प्रॉब्लम सॉल्व करने का हुनर होना चाहिए।

JOBS ALERT

दामोदर वैली कॉर्पोरेशन
पद: एग्जीक्यूटिव ट्रेनी
पद संख्या: कुल 176 पद
अंतिम तिथि: 7 जुलाई, 2024
https://www.dvc.gov.in/

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द एम्पावरमेंट ऑफ पर्सन्स विद इंटलेक्चुअल डिसएबिलिटीज
पद: असिस्टेंट प्रोफेसर, अकाउंटेंट, आदि
पद संख्या: कुल 59 पद
अंतिम तिथि: 19 जुलाई, 2024
https://niepid.nic.in/

डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, मध्य प्रदेश
पद: असिस्टेंट प्रोफेसर
पद संख्या: कुल 88 पद
अंतिम तिथि: 15 जुलाई, 2024
https://dhsgsu.edu.in/

WOMEN JOBS महिलाओं के लिए बेहतर ऑप्शन

बिजनेस मैनेजमेंट में एक नहीं, महिलाओं को मिलते हैं कई मौके

महिलाओं के लिए बिजनेस मैनेजमेंट में कई मौके हैं। फाल्गुनी नायर, किरन मजूमदार शॉ सहित तमाम दिग्गज महिलाएं इस फील्ड में इतिहास रच रही हैं और साबित किया गया है कि इस क्षेत्र में महिलाएं भी पीछे नहीं हैं।

कहां-कहां हैं मौके?

बिजनेस मैनेजमेंट महिलाओं को कई मौके मिलते हैं। इस सेक्टर में कई फील्ड आते हैं। जैसे- सेल्स, फाइनेंस, मार्केटिंग और ह्यूमन रिसोर्स। इसे अपने इंट्रेस्ट के मुताबिक चुन सकती हैं।

कैसे बनाएं कॅरियर

बिजनेस मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए 12वीं के बाद बीबीए और एमबीए कर सकती हैं। या किसी अन्य स्ट्रीम से ग्रेजुएशन करने के बाद भी एमबीए करके इस फील्ड में कॅरियर बना सकती हैं।

- बिजनेस मैनेजमेंट ऐसा सेक्टर हैं जहां बेहतर सैलरी ऑफर की जाती है
- इस फील्ड में अपने इंट्रेस्ट के हिसाब से प्रोफाइल चुन सकती हैं

UPSC-TOPPER TALK

दिमाग का शांत रहना है जरूरी और असफलता से लें सबक

यूपीएससी 2023 में 44वीं रैंक हासिल करने वाली अकांक्षा सिंह कहती हैं परीक्षा में सफलता हासिल करने के लिए मन का शांत होना कितना जरूरी है। अकांक्षा मौजूदा समय में झारखंड में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई उत्तर प्रदेश से की है। जानिए, उन्होंने स्टूडेंट्स को क्या टिप्स दिए ...

मेडिटेशन करें

वह कहती हैं, तैयारी के लिए मानसिक स्थिति को बेहतर रखने के लिए मेडिटेशन किया जा सकता है। आसपास ऐसे लोगों का होना जरूरी है जो आपको सपोर्ट दें।

सपोर्ट है जरूरी

वह कहती हैं, परीक्षा में सफलता के लिए खुद पर भरोसा रखना जरूरी है। अगर फेल होते हैं तो उससे मिलने वाली सीख बहुत जरूरी है। यह आपको सफलता की ओर ले जाती है।

अकांक्षा सिंह
यूपीएससी 2023

असफलताओं से सबक लेना जरूरी है क्योंकि जैसे-जैसे आपके अटेम्प्ट बढ़ते हैं, वैसे-वैसे ही लोगों का आप पर से भरोसा उठने लगता है। वह कहती हैं, जीवन से मिलने वाली लर्निंग को हमेशा याद रखें और इससे सबक लें।

शॉर्ट रीड **3,35,844** *प्राइवेट स्कूल देश में ऐसे हैं, जिन्हें किसी तरह की कोई सरकारी मदद नहीं मिलती है। यह आंकड़ा 2023 तक का है।* (educationforallinindia की रिपोर्ट)

EARNING APPS

गेम खेलते-खेलते बिग कैश ऐप से करें कमाई

1. ***अगर*** आपको तरह-तरह के ऑनलाइन गेम्स खेलना पसंद है तो बिग कैश ऐप गेम्स खेलने के साथ अर्निंग भी में मदद करेगा। इस ऐप पर 20 से ज्यादा गेम्स मौजूद हैं।

2. **इस** ऐप पर कार्ड, कैजुअल, आर्केड, बोर्ड और कैंटेसी समेत कई तरह के गेम्स मौजूद हैं। ऐप का दावा है कि ये सभी आरएनजी सर्टिफाइड गेम हैं।

3. **ऐप** पर मिलने वाले रिवॉर्ड पेटीएम, यूपीआइ और बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर सकते हैं।

4. **ऐप** को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करें। यहां लॉग-इन करके गेम्स के नियमों को पढ़ें और कमाई करें।

https://play.google.com/

LEARNING TOOLS

15-40 वर्ष वालों के लिए

कंटेंट घटाना हो या बढ़ाना, मदद करेगा एआइ राइटर

एआइ से जुड़ा एक टूल ऐसा भी है, जो चंद सेकंड में आपके कंटेंट की एक लाइन को कई पैराग्राफ में बदल सकता है और कई पैराग्राफ वाले कंटेंट को शॉर्ट कर सकता है। स्कूल प्रोजेक्ट से लेकर ऑफिस प्रेजेंटेशन के लिए यह टूल आपके लिए काफी काम का साबित हो सकता है। इसका नाम है पिक्सआर्ट एआइ राइटर।

यह काम भी करता है

कंटेंट तैयार करने के अलावा यह गलतियां बताता है। लेटर लिखता है। ईमेल के साथ स्टोरी और स्लोगन भी लिखता है।

आपके सुझाव *और जिन विषयों के बारे में पढ़ना चाहते हैं हमें बताएं। आपके सवाल हमें वाट्सऐप करें* ***9057531584***

SIDE-INCOME इनकम के कई ऐसे तरीके हैं, जो आसानी और आराम से कर सकते हैं...

साइड इनकम के वे तरीके जो आएंगे आपके काम

जॉब के फिक्स शेड्यूल के बाद कई बार समय बचने पर कई युवा साइड अर्निंग करना चाहते हैं या पढ़ाई के साथ साइड अर्निंग की कोशिश करते हैं। कई ऐसे तरीके हैं, जो आपको इसका मौका देते हैं। इन्हें अपने इंट्रेस्ट से चुन सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही साइड अर्निंग के तरीके...

क्या है पैसिव या फिर साइड इनकम?

साइड इनकम को पैसिव मनी भी कहते हैं। यह वह कमाई है, जिसके लिए फुल टाइम काम नहीं करना पड़ता। अपना मुख्य काम करते हुए थोड़ा सा समय निकालकर इसे कर सकते हैं। इसके लिए बहुत ज्यादा इंवेस्टमेंट नहीं करना पड़ता। ध्यान रखने वाली बात है कि यह तरीका तब ही अपनाएं जब इसका असर आपके मुख्य जॉब या मुख्य काम पर न पड़े। साइड अर्निंग के कई तरीके बताए गए हैं, लेकिन हमेशा इसे अपनी स्किल, रुचि और जरूरत के मुताबिक चुनें। किसी के कहने पर इसे चुनना ठीक नहीं होता, क्योंकि ऐसी स्थिति में दबाव जैसे हालात बनते हैं।

साइड इनकम : ये विकल्प आप चुन सकते हैं

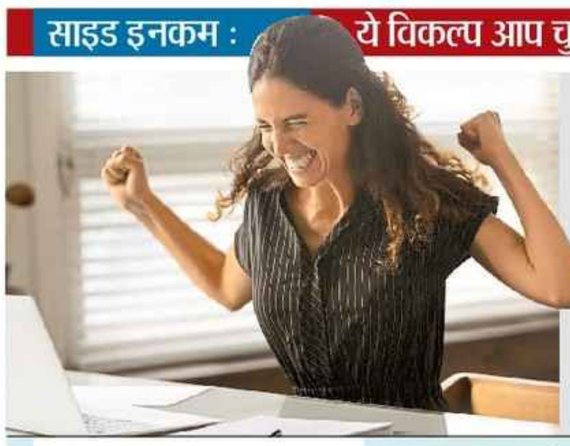

स्किल और जरूरत के आधार पर साइड इनकम का तरीका चुनना चाहिए

ध्यान रखें सेकंड इनकम का मुख्य जॉब पर असर न पड़ने दें

बुक या उपन्यास

अगर आपमें राइटिंग स्किल हैं, तो बुक या उपन्यास लिख सकते हैं। स्टोरीटेलिंग की स्किल को बड़ी ऑडियंस के साथ शेयर कर सकते हैं। पिछले कुछ साल में युवाओं के उपन्यास काफी पसंद किए गए हैं।

ऑनलाइन क्रिएशन

अगर कुछ क्रिएट करने की खूबी है, तो उसे तैयार करके अमेजन, फ्लिपकार्ट और मीशो जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बेच सकते हैं। यहां अपने प्रोडक्ट को लिस्ट कराकर पेमेंट से लेकर उसकी शिपिंग को मैनेज कर सकते हैं। यह काम आसानी से किया जा सकता है।

ऑनलाइन टीचिंग

अगर आपके अंदर ऐसा टैलेंट है जिसे आप टीचिंग के रूप में सामने ला सकते हैं तो उसे साइड अर्निंग के लिए अपना सकते हैं। कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे यूडेमी, कोर्सेरा और स्किलशेयर हैं, यहां आप अपना कोर्स डिजाइन करके शेयर कर सकते हैं। अपने कोर्स को प्रमोट करने के लिए कुछ क्लास फ्री-ट्रायल के तौर पर दे सकते हैं।

स्टॉक मार्केट-म्यूचुअल फंड

इन दिनों स्टॉक मार्केट और म्यूचुअल फंड भी साइड अर्निंग का हिस्सा बन गए हैं। इस फील्ड से जुड़कर लोग निवेश के साथ अपने पैसा का दायरा बढ़ा रहे हैं। यूट्यूब समेत कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म हैं, जो इनके जरिए कमाई करने के तरीके बता रहे हैं।

कोडिंग क्लास

आइटी इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते हैं, तो कोडिंग या दूसरी स्किल स्टूडेंट्स को सिखा सकते हैं, जो उनके कोर्स का हिस्सा है। पिछले कुछ साल में तकनीक को भी सिलेबस का हिस्सा बनाया गया है।

INNOVATION-NEWS

बेकार कपड़ों से बनाई गुड़िया, लाखों कमाए

सुनीता और सुहास रामेगौड़ा ने पुराने कपड़ों से गुड़िया बनाकर कमाई करने करने की तरकीब निकाली और 200 ग्रामीण महिलाओं को रोजगार भी दे रहे हैं। उन्होंने अपने इस आइडिया के साथ 'द गुड गिफ्ट' स्टार्टअप की शुरुआत की। दंपति ने अब तक 8 हजार किलो बेकार कपड़े को गंदगी बनने से रोका और रीयूज करते हुए उसे डॉल में कंवर्ट किया। वो अब तक इससे लाखों रुपए कमा चुके हैं। पश्चिम बंगाल में पली-बढ़ीं सुनीता कहती हैं, इसका आइडिया दादी से मिला था, जो बेकार कपड़ों से गुड़िया बनाती थीं।

TURNING-POINT

स्टार्टअप के ये आइडियाज आपको बना सकते हैं कामयाब एंटरप्रेन्योर

बिजनेस का छोटा सा आइडिया आपके लिए टर्निंग पॉइंट बन सकता है। जब स्टार्टअप के आइडिएशन की बारी आती है तो कई लोगों के पास अच्छे और नए आइडिया नहीं होते। विशेषज्ञ कहते हैं, अगर लोगों की जरूरत और मांग को ध्यान में रखते हुए आइडिया की शुरुआत करते हैं, तो निश्चित तौर पर तरक्की के रास्ते खुलते हैं। अभी भी कई ऐसे विषय हैं जिन पर नया आइडिया लाकर स्टार्टअप की शुरुआत की जा सकती है। जानिए इनके बारे में...

ऐसे आइडियाज की जरूरत

खाने की बर्बादी को रोकना, प्लांट बेस्ड फूड के लिए नए आइडिया लाना, मील प्रिपरेशन बिजनेस और वर्चुअल टीम बिल्डिंग... ये ऐसे आइडियाज हैं जिनको लेकर अभी भी अच्छे और असरदार स्टार्टअप की जरूरत है।

एयरपोर्ट सेंट्रिक ऐप संग ये भी

अभी भी ऐसे ऐप नहीं हैं, जो एयरपोर्ट सेंट्रिक हों जिससे लोगों को हर जानकारी मिल सके और उनकी हवाई यात्रा सफल हो सके। इसे तैयार कर सकें। इसके अलावा लोकल गाइड को उपलब्ध कराने वाला स्टार्टअप भी तैयार कर सकते हैं। ये आइडिया टूरिज्म के लिहाज से कारगर हो सकता है।

TECH KNOWLEDGE टेलीग्राम कॉम्बोलिस्ट पासवर्ड लीक एक विशाल डाटा लीक है

पासवर्ड टेलीग्राम कॉम्बोलिस्ट पर लीक तो नहीं हुआ!

क्या अपने किसी ऑनलाइन अकाउंट पर संदिग्ध गतिविधि देखी है? लोग आपके क्रेडेंशियल्स से लॉग-इन करने की कोशिश कर रहे हैं और निजी जानकारी तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं? यदि ऐसा है तो आपके क्रेडेंशियल्स संभवतः टेलीग्राम कॉम्बोलिस्ट्स में लीक हो गए हैं, जो चोरी हुए डाटा की लम्बी सूची है।

क्या है कॉम्बोलिस्ट पासवर्ड

टेलीग्राम कॉम्बोलिस्ट पासवर्ड लीक एक विशाल डाटा लीक है, जिसे पहली बार 2024 की शुरुआत में रिपोर्ट किया था। डाटा कई कॉम्बोलिस्ट और टेलीग्राम चैट में फैला हुआ है, जिससे यह स्पष्ट नहीं होता है कि चोरी किए गए क्रेडेंशियल कितनी दूर तक फैले हैं। कॉम्बोलिस्ट में 3.61 करोड़ ईमेल पते हैं। हैव आई बीन प्वॉन्ड वेबसाइट डाटा लीक का विश्लेषण करती है, यहां से जानकारी मिलती है।

यह ध्यान रखें

अगर कोई और व्यक्ति जो उसी पासवर्ड का इस्तेमाल करता है, उसका पासवर्ड हैक हो गया है, तो भी यह आपके पासवर्ड को फ्लैग करेगा। फिर भी आपको अपने अकाउंट को सुरक्षित करने के लिए कार्रवाई करनी होगी। इसलिए इस बात का हमेशा ध्यान रखें।

क्या लीक हुआ है पासवर्ड

हैव आई बीन प्वॉन्ड से जांचना आसान है कि आप सूची में हैं या नहीं। इसके लिए haveibeenpwned.com पर जाएं और ईमेल पता खोजें। यहां जान पाएंगे कि क्या अतीत में किसी अन्य हैकिंग से प्रभावित हुए हैं। आप जांच सकते हैं कि पासवर्ड पहले कभी लीक हुआ है या नहीं।

अकाउंट कैसे सुरक्षित रखें?

ईमेल पता या पासवर्ड लीक हो गया है तो कार्रवाई करनी होगी। सबसे पहले पासवर्ड बदलें। पासवर्ड यूनीक रखें। अकाउंट को मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन से सुरक्षित करें। फोन नंबर या फोन के बिल्ट-इन बायोमेट्रिक्स का इस्तेमाल करें।

- आशीष खंडेलवाल

क्षमता पैदा करती है शिक्षा

शिक्षा आपमें सब कुछ सुनने की क्षमता पैदा करती है और इसके लिए आपको अपना आत्मविश्वास भी खोना नहीं पड़ता। - रॉबर्ट फ्रस्ट

सुनीता विलियम्स कितनी पढ़ी हैं, कैसे मिली सफलता
जानने के लिए स्कैन करें...

CURRENT NEWS

करंट अफेयर्स क्लियर करने वाले सवाल-जवाब

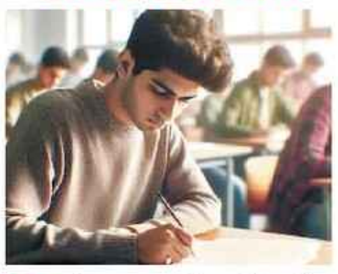

Q1 कौनसा राज्य या केन्द्रशासित प्रदेश ईकेएमआरए परियोजना से जुड़ा है?

***ओडिशा** में 280 करोड़ की इस परियोजना की शुरुआत की गई। इसका उद्देश्य प्राचीन मंदिरों के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के तहत भुवनेश्वर में 11वीं सदी के लिंगराज मंदिर के आसपास के क्षेत्र को बेहतर बनाना है।*

Q2 किस स्वतंत्रता सेनानी ने 1922 में अंग्रेजों के खिलाफ रप्पा विद्रोह की शुरुआत की थी?

***अल्लूरी** सीताराम राजू वे स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने रप्पा विद्रोह की शुरुआत की। हाल ही उनकी 125वीं जयंती मनाई गई। 04 जुलाई, 1897 को आंध्रप्रदेश के भीमावरम के पास उनका जन्म हुआ था।*

Q3 भारत के किस परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हाल ही कोर कैचर स्थापित किया गया है?

***कुडनकुलम** परमाणु ऊर्जा संयंत्र में कोर कैचर को गंभीर दुर्घटनाओं से निपटने के लिए सुरक्षा प्रणाली का एक अभिन्न अंग है। इसका वजन 156 मीट्रिक टन से भी ज्यादा है।*

Q4 किस राज्य या केन्द्रशासित प्रदेश ने स्कूल बोट सेवा की शुरुआत की है?

***त्रिपुरा** के गुमाटी जिले में डंबूर झील के द्वीपों पर रहने वाले वंचित छात्रों की सहायता के लिए त्रिपुरा स्कूल शिक्षा विभाग ने एक मिशन के तहत स्कूल बोट सेवा प्रारंभ की है। ताकि छात्र निशुल्क रूप से शिक्षा प्राप्त कर सकें।*

Q5 दूरसंचार विभाग ने किसके साथ मिलकर सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम का परीक्षण किया है?

***एनडीएमए** (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) के साथ मिलकर दूरसंचार विभाग ने इस सिस्टम का परीक्षण किया है। इसका उद्देश्य इमरजेंसी के दौरान संचार सेवाओं में सुधार करना है।*

Course-choice

एक बेहतर अर्थशास्त्री बनने के लिए इसके इतिहास से जुड़े अर्थशास्त्रियों को पढ़ना जरूरी है।

परफेक्ट कॅरियर के लिए चुनें अर्थशास्त्र

एडम स्मिथ, मार्शल, रॉबिन, कीन्स, फ्रीडमैन, हैरोड, कॉब एंड डगलस, गुन्नार मिर्डल अतीत के अर्थशास्त्री थे, लेकिन विषय में उनका योगदान बहुत बड़ा था। जो अर्थशास्त्र में अपना कॅरियर बनाना चाहता है, उसे अग्रणी अर्थशास्त्रियों से परिचित होना चाहिए। भारतीय अर्थशास्त्री जैसे अमर्त्य सेन, अभिजीत बनर्जी, डॉ. मनमोहन सिंह, जगदीश भगवती, गीता गोपीनाथ, रघुराम राजन, अरविंद पनगढ़िया, अरविंद विरमनी, मोंटेक सिंह अहलूवालिया आदि जो इस विधा में देश के समकालीन प्रमुख व्यक्तित्व हैं, उनमें समानता यह है कि वे देश के अग्रणी विकास अर्थशास्त्री हैं।

अर्थशास्त्र का क्षेत्र मुख्य आर्थिक सिद्धांत और अर्थमिति का मिश्रित मिश्रण है। अर्थशास्त्र गहन अवलोकन व समस्याओं के सैद्धांतिक मूल्यांकन और सांख्यिकीय विधियों के विकास का एक व्यवस्थित संश्लेषण (जोड़) है। अर्थशास्त्र के शिक्षाशास्त्र में अर्थमिति, इनपुट-आउटपुट विश्लेषण, क्षेत्र अध्ययन हेतु अनुकूलित सॉफ्टवेयर और समुदाय आधारित अनुसंधान जैसे विभिन्न उपकरण शामिल हैं।

कॅरियर के अवसर

अर्थशास्त्र का अनुशासन आर्थिक/ व्यावसा-यिक रणनीतिकार, अनुसंधान नीति विश्लेषक एनजीओ जॉब्स, प्रोजेक्ट/ व्यवसाय परामर्श, नीति निर्माण एजेंसी जॉब्स, उद्यमिता, नागरिक/ सांख्यिकीय/ आर्थिक सेवाएं, बैंकिंग और बीमा क्षेत्र, अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र, कराधान जैसे पर्याप्त कॅरियर अवसर प्रदान करता है।

ऐसे समझें विषय को

गौरतलब है कि अर्थशास्त्र के छात्रों के दायरा काफी बड़ा है। यह एक केंद्र बिन्दु के रूप में कार्य करता है। जिसके माध्यम से व्यक्तिगत निर्णय-उत्पादन से लेकर विश्वव्यापी बाजार पैटर्न तक हमारी वास्तविकता के जटिल तत्वों को समझना और उनका पता लगाना है। वित्तीय मामलों पर ध्यान केंद्रित करने से छात्र नव-प्रवर्तनों की जानकारी के साथ-साथ निर्णायक तर्क, आलोचना-त्मक सोच और सही दिशा में व्यावहारिक क्षमता हासिल करते हैं। एक अर्थशास्त्री यह बताता है कि आय की असमानता कैसे दूर की जाए।

***बेहतर लर्निंग के लिए चुनें :** एक अर्थशास्त्री संतुलित विकास, आर्थिक-मूल्य स्थिरता, प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग के साथ सतत विकास, संसाधनों का आवंटन, असमानताएं कम करने आदि के बीच विरोधाभासी व्यापार को हल करता है।*

ये कोर्स मौजूद

12वीं से या अर्थशास्त्र में बीए या बीए (ऑनर्स) डिग्री जैसे कोर्स कर सकता है। इसमें पीजी के बाद प्लेसमेंट का विकल्प चुन सकते हैं या शोध यानी डॉक्टरेट की डिग्री कर सकते हैं। यूजीसी नेट या पीएचडी के बाद फैकल्टी पद का रास्ता भी खुलता है और इस क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में शुरुआत कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स चेन्नई, जयपुर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी), डॉ. बीआर अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स विवि बेंगलुरु, श्री माता वैष्णो देवी विवि जम्मू, राज. विवि जयपुर, फर्ग्यूसन कॉलेज पूना, सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली।

प्रो. एन.डी. माथुर
डीन, जयपुर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, जेईसीआरसी विश्वविद्यालय

PRODUCTIVE STUDY

टालमटोल करने के रवैए में सुधार करते हुए प्रबंधन करना जरूरी

ऑर्गेनाइज्ड लाइफ के सिद्धांतों से बेहतर होगी पढ़ाई

यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी की एक रिसर्च के अनुसार, पढ़ाई में प्रोडक्टिविटी लाने के लिए आपको जीवन को प्रबंधित करना होगा, साथ ही अपने टालमटोल करने के रवैए में सुधार लाना होगा।

- **अपने** आइडियाज पर एक्सर-साइज करें और हमेशा बेहतर करने का प्रयास करें।
- **लाइब्रेरी** में समय बिताते हुए रेफरेंस मटीरियल पढ़ें।
- **अगर** आपका मन शांत नहीं रहता तो आदतों व व्यवहार में सुधार करते हुए मन पर नियंत्रण करें।
- **20** मिनट लगातार पढ़ाई कर पांच मिनट रेस्ट कर सकते हैं।
- **रिसर्च** को महत्त्व दें और अपनी प्लानिंग में सुधार लाते रहें, इससे आपकी स्टडी में भी सुधार होगा।

KNOWLEDGE-CORNER

भारत में ईवीएम : पहला प्रयोग

प्रमोद जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

चुनाव आयोग ने पहली बार 1977 में इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया से ईवीएम का प्रोटोटाइप बनाने के लिए कहा। 1980 में राजनीतिक दलों को प्रोटोटाइप दिखाया गया और लगभग सभी ने उसे पसंद किया। बीईएल को ईवीएम बनाने का जिम्मा दिया गया और इसका पहला प्रयोगात्मक इस्तेमाल 1982 में केरल के पारावुर विधानसभा चुनाव में हुआ। जन प्रतिनिधित्व कानून-1951 के तहत चुनाव में केवल बैलट पेपर का इस्तेमाल हो सकता था।

पारावुर के कुल 84 पोलिंग स्टेशनों में से 50 पर ईवीएम का इस्तेमाल हुआ, पर परिणाम को लेकर विवाद हुआ और सुप्रीम कोर्ट ने बैलट पेपर से चुनाव कराने का आदेश दिया। फैसले के बाद आयोग ने ईवीएम का इस्तेमाल बंद कर दिया। 1988 में कानून में संशोधन करके ईवीएम को कानूनी दायरे में लाया गया। इन मशीनों का पहला प्रयोगात्मक इस्तेमाल नवंबर 1998 में 16 विधानसभा क्षेत्रों में हुआ। 2004 के लोकसभा चुनाव में पूरी तरह से ईवीएम का इस्तेमाल हुआ। उस चुनाव के बाद यूपीए सरकार बनी। 2009 में भी यूपीए की जीत के बाद भाजपा के नेता लालकृष्ण आडवाणी ने ईवीएम का विरोध किया था।

COURSE CLICK

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी

बीटेक में एडमिशन लेने की अंतिम तिथि 17 जुलाई

राजस्थान इंजीनियरिंग एडमिशन प्रोसेस (रीप) के तहत प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया 27 जून, 2024 से शुरू हो चुकी है। इसके लिए स्टूडेंट्स आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अप्लाई कर सकते हैं। इसकी पूरी जानकारी वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

17 जुलाई तक करें आवेदन

जानकारी के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि 17 जुलाई, 2024 निर्धारित की गई है। ध्यान रखें इस प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए स्टूडेंट्स को 500 रुपए शुल्क जमा करवाना होगा।

योग्यता व अन्य जानकारी

ऑनलाइन आवेदन करने के लिए 12वीं क्लास में प्राप्त अंक और जेईई मेन्स में न्यूनतम 20 पर्सेंटाइल प्राप्त होने जरूरी हैं। इन्हें वरीयता से प्रवेश दिया जाएगा। साथ ही शेष सीटें 12वीं क्लास के प्राप्तांकों के आधार पर भरी जाएंगी। इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर की ओर से हेल्प डेस्क बनाई गई है। विजिट करें- **https://reapbtech24.com/**

SELF-HELP

लगातार पढ़ाई के दौरान डिस्टर्ब होने से ऐसे बचें

लगातार पढ़ाई के दौरान डिस्टर्ब होते हैं, तो समाधान तलाशें क्योंकि सफलता के लिए लगातार पढ़ना भी जरूरी है। सबसे पहले कारक पर ध्यान दें। कहने का मतलब यह है कि कारक बाहरी है या कोई और वजह है। ये टिप्स आजमाएं।

- **स्टडी** टेबल एकांत में लगाएं और वहीं बैठकर पढ़ाई करें।
- **मोबाइल** फोन और अन्य गैजेट्स को खुद से दूर रखें और इनके इस्तेमाल का समय निर्धारित करें।
- **खाना** एक बार में खाने के बजाय थोड़ा-थोड़ा खाएं।
- **लाइट** म्यूजिक पढ़ाई के दौरान आपको ऊर्जावान बना सकता है।
- **छोटे** टारगेट सेट करें, इससे बड़ा लक्ष्य आसानी से हासिल कर पाएंगे।
- **बदलते** सब्जेक्ट्स के अनुसार टाइम टेबल सेट करने से भी मदद मिलेगी।

EXAM CALENDAR

CRPF कांस्टेबल पद के लिए एडमिट कार्ड जारी

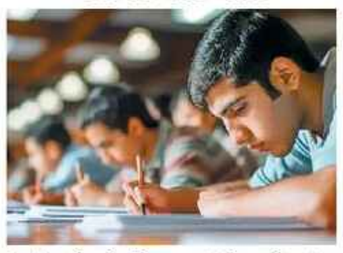

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कांस्टेबल (टेक, ट्रेड्समैन, पायनियर, मिन स्टाफ) के लिए पीईटी, पीएसटी, डीवी और मेडिकल टेस्ट 10 जुलाई, 2024 से आयोजित किए जाएंगे। इस हेतु एडमिट कार्ड आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। वेबसाइट पर दिए गए ई-एडमिट कार्ड लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद खुलने वाले पेज पर अपना रजिस्ट्रेशन नंबर और डेट ऑफ बर्थ डालकर लॉगिन करें। इसके बाद आप अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर पाएंगे। ध्यान रहे कि पहले आप वेबसाइट पर जाकर पूरी जानकारी जुटा लें और इसके बाद ही एडमिट कार्ड व परीक्षा तिथि संबंधी जानकारी प्राप्त करें।

rect.crpf.gov.in

READERS REQUEST

पढ़ाई या व्यवसाय

गोपाल मीणा, दौसा- मैंने दसवीं के बाद इलेक्ट्रिशियन में आईटीआई किया है। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए क्या करना चाहिए।

कॅरियर काउंसलर, दीपक सक्सेना - इलेक्ट्रिशियन आईटीआई करने के बाद आपके पास कंपनियों में जॉब्स के मौके खुलते हैं। आप चाहें तो आगे की पढ़ाई कर सकते हैं। आप डिप्लोमा इंजीनियरिंग, बीटेक आदि की पढ़ाई भी कर सकते हैं। इसके अलावा आप रेगुलर 12वीं, ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। आप चाहें तो इलेक्ट्रिशियन से जुड़ी सरकारी सेवाओं जैसे रेलवे आदि में हिस्सा ले सकते हैं और सरकारी कर्मी के रूप में सेवाएं दे सकते हैं। आप स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं या स्थानीय स्तर पर इलेक्ट्रिशियन के रूप में अपनी दुकान की शुरुआत कर सकते हैं। आप किसी इलेक्ट्रिशियन के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं। आप चाहें तो सरकारी या निजी स्तर पर होने वाली टेंडर प्रक्रियाओं में हिस्सा लेकर इलेक्ट्रिक सेवाएं शुरू कर सकते हैं। ***आप भी भेजें अपने सवाल...***

9057531584

PNB RECRUITMENT

पंजाब नेशनल बैंक ने अप्रेंटिस भर्ती के लिए नोटिस जारी किया है। जल्द आवेदन करें...

तैयारी करने में जुटें और बनें पीएनबी अप्रेंटिस

14 *जुलाई तक जारी रहेगी आवेदन की प्रक्रिया।*

2700 *रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती निकाली गई है। पंजाब नेशनल बैंक की ओर से देशभर में अप्रेंटिसशिप के।*

पंजाब नेशनल बैंक में अप्रेंटिस के 2700 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए 14 जुलाई, 2024 तक आवेदन किया जा सकता है। किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएशन कर चुके अभ्यर्थी इस भर्ती में आवेदन के लिए पात्रता रखते हैं।

यह होता है अप्रेंटिस

अप्रेंटिसशिप एक तरह से इंटर्नशिप कार्यक्रम होती है। बैंकिंग सेक्टर में एक अप्रेंटिस को यह प्रशिक्षण दिया जाता है कि वह इस क्षेत्र के प्रचालन और प्रशासनिक कार्य-प्रणाली को जान व समझ सके। अप्रेंटिस भर्तियां कुछ समय के लिए की जाती हैं, साथ ही यह स्थाई भर्ती प्रक्रिया भी नहीं होती। इनका उद्देश्य एस्पिरेंट्स को इस सेक्टर के लिए तैयार करना है, ताकि वे भविष्य में इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकें। अप्रेंटिसशिप के दौरान तय स्टाइपेंड भी दिया जाता है।

रीजनिंग पर ध्यान दें

सामान्य व आर्थिक मामलों से संबंधित जानकारियों के साथ ही अंग्रेजी पर पकड़ मजबूत करें। साथ ही रीजनिंग और कम्प्यूटर विषयों के लिए भी खुद को तैयार करें। अपनी समझ को बेहतर बनाने के लिए नोट्स तैयार करें और लगातार मेहनत करें। इस तरह से आप इस टेस्ट को आसानी से क्लियर कर पाएंगे।

मदद भी ले सकते हैं

भर्ती परीक्षा से संबंधित टेस्ट की तैयारी से जुड़े विषयों पर आप एक्सपर्ट्स से मदद भी ले सकते हैं। साथ ही ऑनलाइन व वीडियो ट्यूटोरियल्स से भी गाइडेंस प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा संबंधित विषयों से जुड़े बेहतर नोट्स और बुक्स भी आपके लिए इस टेस्ट में मददगार साबित होंगे।

आज से ही जुट जाएं अगर आप भी बैंकिंग सेक्टर में कार्य करने के इच्छुक हैं और अपनी शुरुआत करना चाहते हैं तो पीएनबी अप्रेंटिस प्रोग्राम एक बेहतरीन अवसर की तरह है। आपको अभी से इसके लिए प्रयास करने की जरूरत है। भर्ती से संबंधित नोटिफिकेशन को देखकर इसकी परीक्षा पद्धति को समझें और अभी से परीक्षा की तैयारी में जुट जाएं।

28 जुलाई को होगा एग्जाम भर्ती के लिए ऑनलाइन एग्जाम का आयोजन 28 जुलाई, 2024 को किया जाएगा। इस टेस्ट में जनरल/ फाइनेंशियल अवेयरनेस, जनरल इंग्लिश, क्वांटिटेटिव एंड रीजनिंग एप्टिट्यूड और कम्प्यूटर नॉलेज से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। एक घंटे की अवधि और 100 अंक का यह टेस्ट अंग्रेजी माध्यम में आयोजित किया जाएगा।

SCHOLARSHIP ALERT

नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप

नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त, 2024 घोषित की गई है।

यह है योग्यता

- ***8वीं** क्लास में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं।*
- ***पिछली** क्लास में स्टूडेंट्स के 55 फीसदी (छूट के प्रावधान भी हैं) अंक होने जरूरी हैं।*
- ***अप्लाई** करने वाले स्टूडेंट के परिवार की वार्षिक आय छह लाख रुपए से कम होनी आवश्यक है।*

ऐसे करें आवेदन

- ***आधिकारिक** वेबसाइट पर जाएं।*
- ***नए** रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।*
- ***रजिस्ट्रेशन** के बाद आवेदन पत्र भरें।*
- ***जरूरी** दस्तावेज अपलोड करें।*
- ***सबमिट** आइकन पर क्लिक करें।*
- **आवेदन** से पहले नोटिफिकेशन पढ़ लें। विजिट करें - **scholarship.gov.in**

STUDY ABROAD

एक अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट के रूप में आपको विभिन्न देशों में मौजूद अवसरों के बारे में जानकारी रखनी चाहिए।

डेनमार्क में भारतीय छात्रों के लिए उच्च शिक्षा व छात्रवृत्तियां

डेनमार्क उच्च शिक्षा के लिए स्टूडेंट्स के बीच लोकप्रिय है। डेनमार्क के विश्वविद्यालयों को उनकी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के लिए दुनिया में जाना जाता है। ऐसे में अगर आप विदेश में शिक्षा पाने के लिए प्रयासरत हैं तो यहां भी अप्लाई कर सकते हैं।

- **मुफ्त शिक्षा :** यूरोपीय संघ (ईयू) और यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (ईईए) के बाहर के देशों के छात्रों को डेनमार्क में अधिकांश सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में मुफ्त में स्नातक और पीजी कार्यक्रमों में भाग लेने की अनुमति है।
- **उच्च शिक्षा का स्तर :** डेनमार्क के विश्व-विद्यालय सर्वश्रेष्ठ माने जाते हैं। ये उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और अनुसंधान के अवसर उपलब्ध करवाते हैं।
- **अंग्रेजी भाषा में कार्यक्रम :** यहां कई यूजी-पीजी कार्यक्रम अंग्रेजी में पढ़ाए जाते हैं, जो भारतीय छात्रों के लिए प्रवेश को आसान बनाता है।
- **रहने की कम लागत :** यहां रहने की लागत अन्य यूरोपीय देशों की तुलना में कम है।
- **सुरक्षित व स्वागत योग्य समाज :** डेनमार्क को दुनिया के सबसे सुरक्षित और सबसे स्वागत योग्य देशों में से एक माना जाता है।

- **सरकारी छात्रवृत्तियां :** यह छात्रवृत्ति गैर-यूरोपीय संघ के छात्रों को डेनमार्क में स्नातक या स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में अध्ययन करने के लिए दी जाती है।
- **डेनमार्क के लिए इंदिरा गांधी विकास सहायता छात्रवृत्ति :** यह छात्रवृत्ति भारतीय छात्रों को डेनमार्क में पीजी अध्ययन करने के लिए प्रदान की जाती है।
- **कोपेनहेगन विवि अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति :** यह ईयू छात्रों को कोपेनहेगन विवि में यूजी या पीजी अध्ययन के लिए दी जाती है।

ऑनलाइन आवेदन पत्र

अधिकांश छात्रवृत्तियों के लिए आपको संबंधित विवि या छात्रवृत्ति ऑफर की जाने वाली वेबसाइट पर एक ऑनलाइन आवेदन पत्र भरना होगा। आपको अपनी शैक्षणिक योग्यता, प्रासंगिक अनुभव और वित्तीय आवश्यकता का प्रमाण भी जमा करना होगा।

जल्दी आवेदन करें : आवेदन के लिए अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए तुरंत अप्लाई करें। इससे समय भी बचा पाएंगे।

आवेदन कैसे करें

- **कॉलेज चुनें :** अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के आधार पर डेनमार्क में विश्व-विद्यालय और अध्ययन कार्यक्रम चुनें।
- **प्रवेश आवश्यकताएं पूरी हों :** प्रत्येक विवि और कार्यक्रम की अपनी प्रवेश आवश्यकताएं होती हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें एवं सभी दस्तावेज व योग्यताएं पूरी करें।
- **छात्र वीजा व आवेदन :** यहां अध्ययन के लिए छात्र वीजा के लिए आवेदन करें व संबंधित प्रोग्राम में भी अप्लाई करें।

विदेश में शिक्षा हेतु डेनमार्क भी एक बेहतर विकल्प है। आप योग्य हैं तो यहां भी अप्लाई कर सकते हैं।
- प्रो. अशोक कुमार, शिक्षाविद

OPEN ADMISSION

- **निम्स यूनिवर्सिटी जयपुर**
  कोर्स: बीटेक व अन्य कोर्स
  अंतिम तिथि: घोषित नहीं
  nimsuniversity.org
- **एनआईओएस**
  कोर्स: दसवीं-12वीं
  अंतिम तिथि: घोषित नहीं
  https://www.nios.ac.in/
- **जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी**
  कोर्स: यूजी-पीजी कोर्स
  अंतिम तिथि: 10 जुलाई, 2024
  https://www.jnu.ac.in/

चैंपियंस का स्वागत : वानखेडे स्टेडियम में हजारों प्रशंसकों ने भारतीय टीम का जोरदार स्वागत किया था, इस दौरान रोहित शर्मा ने माता-पिता के साथ भी मुलाकात की

तबीयत खराब थी लेकिन डॉक्टर के पास ना जाकर बेटे रोहित से मिलने पहुंची उनकी मां

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. किसी भी माता-पिता के लिए वो पल अमूल्य होता है, जब उसका बेटा सफलता के शिखर पर हो। टी-20 विश्व कप जीतने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के माता-पिता भी आज अपने बेटे की सफलता से काफी खुश हैं। हालांकि रोहित की माता पूर्णिमा की तबीयत खराब थी और उन्हें डॉक्टर के पास जाना था लेकिन बेटे से मिलने की चाहत में वह बीमारी को भूलकर वानखेडे स्टेडियम पहुंची, क्योंकि वह इस शानदार और यादगार लम्हों का हिस्सा बनना चाहती थीं। वानखेडे में भारतीय टीम का जोरदार स्वागत किया गया था।

माता-पिता से मिलकर भावुक हुए रोहित

वानखेडे स्टेडियम के प्रेजिडेंट बॉक्स में रोहित के माता-पिता और भाई मौजूद थे। लंबे समय बाद परिजनों से मिलकर रोहित भी भावुक हो गए। रोहित ने सेल्फी लेने की कोशिश कर रहे प्रशंसकों और मीडिया से अपील करते हुए कहा कि वे कुछ समय के लिए उनकी निजता का सम्मान करें।

मैं दुनिया की सबसे खुशनसीब मां हूं : रोहित की मां ने कहा, मैं आज सुबह से अच्छा महसूस नहीं कर रही थी और मुझे डॉक्टर के पास जाना था, लेकिन मैं यहां आई क्योंकि मैं इस माहौल का हिस्सा बनना चाहती थी। मैं अपनी खुशी का इजहार नहीं कर सकती। मैंने कभी इस तरह के माहौल का अनुभव नहीं किया था। मैं आज दुनिया की सबसे खुशनसीब मां हूं।

मैंने कहा था, खिताब जीतने की कोशिश करना: उन्होंने कहा, विश्व कप के लिए जाने से पहले रोहित मुझसे मिलने आया था। उसने कहा था कि वह विश्व कप के बाद टी-20 छोड़ना चाहता है। मैंने कहा कि इस बार खिताब जीतने की पूरी कोशिश करना।

मां जब बेटे रोहित शर्मा से मिली तो उन्होंने उनका माथा चूम लिया।

बचपन के कोच से मिलकर भावुक हुए विराट

मुंबई @ पत्रिका. स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने शुक्रवार को टी-20 विश्व कप जीत का जश्न मनाने के बाद अपने बचपन से कोच राजकुमार शर्मा से भी मुलाकात की। इस दौरान वह अपने कोच से गले लगकर काफी भावुक हो गए। राजकुमार शर्मा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए टीम इंडिया को बधाई दी और लिखा, अपने पहले अभ्यास सत्र से लेकर अविश्वसनीय सफलता तक। आपने मुझे हमेशा प्राउड फील करवाया है। मजबूती से आगे बढ़ते रहो बेटा।

परिवार से मिलने लंदन पहुंचे: विराट कोहली विश्व कप की जीत का जश्न मनाने के बाद पत्नी अनुष्का शर्मा और बच्चों से मिलने के लिए शुक्रवार तड़के लंदन रवाना हो गए। एक रिपोर्ट के तहत, विराट सुबह 3.15 बजे एक निजी चार्टर्ड विमान से मुंबई से रवाना हुए और दोपहर 12.45 बजे वह लंदन पहुंच गए।

आज का पोल

क्या भारतीय टीम पहले मैच में जिम्बाब्वे को शिकस्त देने में सफल रहेगी?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

शुक्रवार का जवाब

हां 65% नहीं 35%

पिछला सवाल: क्या एम्मा राडुकानु विम्बलडन टेनिस के चौथे दौर में पहुंच पाएंगी?

पहला टी-20 : पांच मैचों की सीरीज आज से, दोनों टीमों के बीच हरारे में खेला जाएगा मुकाबला

अब युवाओं की बारी : शुभमन गिल की कप्तानी में जिम्बाब्वे को देंगे चुनौती

प्रसारण : शाम 4.30 बजे से, सोनी स्पोर्ट्स टेन पर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हरारे. पूरा देश जहां आइसीसी टी-20 विश्व कप में खिताबी जीत का जश्न मना रहा है, दूसरी तरफ भारत के युवा खिलाड़ी शनिवार को मेजबान जिम्बाब्वे से खेले जाने वाली पांच टी-20 मैचों की सीरीज के लिए तैयारियों में जुटी है। जिम्बाब्वे दौरे पर बीसीसीआइ ने शुभमन गिल की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया है, जिनके पास खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साबित करने का बेहतरीन मौका है।

वहीं, पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे शुभमन गिल के लिए भी यह सीरीज एक बड़ी परीक्षा है। गिल ने आइपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस टीम की कप्तानी की है और इसका उन्हें इस सीरीज में काफी फायदा मिलेगा। उन्हें बतौर बल्लेबाज भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इस टीम के साथ वीवीएस लक्ष्मण बतौर मुख्य कोच जुड़े हैं।

2026 टी-20 विश्व कप पर निगाहें

बीसीसीआइ ने अभी से ही 2026 में होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी शुरू कर दी हैं, जिसकी मेजबानी भारत करेगा। इस कारण बोर्ड ने युवा खिलाड़ियों पर दांव लगाने का फैसला किया है, ताकि अभी से सीनियर खिलाड़ियों के खाली स्थानों की भरपाई की जा सके। गौरतलब है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अंतरराष्ट्रीय टी-20 से विश्व कप जीतने के बाद संन्यास लिया है। ऐसे में युवाओं के पास टीम में स्थान बनाने का शानदार मौका है।

हरारे में कोच वीवीएस लक्ष्मण के साथ कप्तान शुभमन गिल।

इन खिलाड़ियों पर रहेंगी निगाहें...

इस सीरीज के लिए रियान पराग, अभिषेक शर्मा और हर्षित राणा जैसे युवा खिलाड़ियों को पहली बार भारतीय टीम में मौका दिया गया है। इन खिलाड़ियों ने आइपीएल-2024 में दमदार प्रदर्शन किया था और इसी के तहत उन्हें टीम में चुना गया है। इसके अलावा, रवि बिश्नोई, आवेश खान और तुषार देशपांडे जैसे गेंदबाज भी चमक बिखेरना चाहेंगे।

एक्सक्लूसिव इंटरव्यू

मेजबानों ने भरी हुंकार : जिम्बाब्वे के मुख्य कोच जस्टिन सेमोंस को अच्छे प्रदर्शन का पूरा भरोसा

हमें हराना आसान नहीं है, हम सीरीज जरूर जीतेंगे

जस्टिन सेमोंस, जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के मुख्य कोच।

सौरभ कुमार गुप्ता
patrika.com

नई दिल्ली. *जिम्बाब्वे की टीम भले ही टी-20 विश्व कप 2024 में क्वालीफाई नहीं कर सकी लेकिन मुख्य कोच जस्टिन सेमोंस को भरोसा है कि उनकी टीम आगामी पांच मैचों की टी-20 सीरीज में युवा भारतीय टीम को कड़ी चुनौती देगी। **पत्रिका से खास बात करते हुए जस्टिन ने कहा** कि हम बेखौफ होकर खेलेंगे।*

Q इस सीरीज को लेकर आपकी क्या अपेक्षाएं हैं?

मैं उम्मीद कर रहा हूं कि हमारी टीम भारत को कड़ी चुनौती देगी और सीरीज अपने नाम करेगी। हमने इस सीरीज के लिए अच्छी तैयारियां की हैं। मैं इस चीज पर ध्यान नहीं देता कि पहले क्या हो चुका है। मेरी कोशिश है कि हम एक अच्छी टीम बनाएं। ऐसे में सभी खिलाड़ियों के पास अपनी स्किल दिखाने का अच्छा मौका है।

Q भारतीय टीम में कोई बड़ा खिलाड़ी नहीं है, क्या इसका आपको इस सीरीज में फायदा मिलेगा?

भारत की इस टीम में कई खिलाड़ियों के पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। ऐसे में इस टीम को कम आंकना बड़ी भूल होगी। हमारी कोशिश अच्छा प्रदर्शन करने पर होगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि सामने कौन सी टीम है और उसमें कौन-कौन से खिलाड़ी हैं।

Q जिम्बाब्वे के किन खिलाड़ियों से आपको ज्यादा उम्मीदें हैं?

मुझे कप्तान सिकंदर रजा से काफी उम्मीदें हैं। उनके पास दुनियाभर में टी-20 खेलने का काफी अनुभव है, जो टीम के काम आएगा। वह आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करेंगे।

Q क्या जिम्बाब्वे को घर में खेलने का फायदा मिलेगा?

जो टीम अच्छा खेलेगी, वही जीतेगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां खेल रहे हैं। हां, घर में खेलने का यह फायदा मिलता है कि आप परिस्थितियों से वाकिफ होते हैं।

महिला टी-20

द. अफ्रीकी टीम ने भारत को दी मात

चेन्नई। दक्षिण अफ्रीका ने यहां शुक्रवार को खेले गए पहले महिला टी-20 मैच में मेजबान भारतीय टीम को 12 रन से मात दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 189 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम चार विकेट पर 177 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से ओपनर तजमीन ब्रिट्स ने 10 चौंके और तीन छक्कों के साथ 81 रन की पारी खेली। वहीं, भारत की ओर से जेमिमा रोड्रिगेज ने 30 गेंदों में सात चौंकों और एक छक्के के साथ 53 रन की नाबाद पारी खेली लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सकी।

एशियन बिलियर्ड्स

पंकज ने फाइनल में बनाई जगह

रियाद. खिताबी हैट्रिक की तलाश में जुटे भारतीय क्यूइस्ट पंकज आडवाणी ने यहां खेले जा रहे एशियाई बिलियर्ड्स के फाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में पंकज ने हमवतन खिलाड़ी सौरव कोठारी को 5-0 से करारी शिकस्त दी। पकंज ने पूरे मैच में अपना दबदबा कायम रखा और हर फ्रेम में 100 का स्कोर किया।

विम्बलडन टेनिस : फिनलैंड के खिलाड़ी का कमाल

रूसुवुओरी ने उलटफेर कर सितसिपास को दी शिकस्त

लंदन. ग्यारहवीं वरीयता प्राप्त यूनान के स्टेफानोस सितसिपास को गुरुवार को यहां विम्बलडन के पुरुष एकल मुकाबले में उलटफेर का शिकार होना पड़ा। एटीपी रैंकिंग में 87वें नंबर पर काबिज फिनलैंड के एमिल रूसुवुओरी ने दूसरे दौर में 11वें नंबर पर काबिज सितसिपास को 7-6, 7-6, 3-6, 6-3 से करारी शिकस्त दी।

एमिल रूसुवुओरी।

नोवाक और अल्कारेज जीते : सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने तीन घंटे 14 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में ब्रिटेन के 22 वर्षीय वाइल्डकार्ड धारी जैकब फर्नले को 6-3, 6-4, 5-7, 7-5 से शिकस्त देकर तीसरे दौर में जगह बनाई। यह जोकोविच की 372वीं ग्रैंड स्लैम जीत थी। वहीं मौजूदा चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने अमरीका के फ्रांसेस टियाफो को कड़े मैच में 5-7, 6-2, 4-6, 7-6, 6-2 से हराया।

बैडमिंटन : कनाडा ओपन में जापानी खिलाड़ी को हराया

प्रियांशु की सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय एंटोनसेन से होगी भिड़ंत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कैलगरी, कनाडा. भारतीय शटलर प्रियांशु राजावत का शानदार सफर गुरुवार की रात को भी जारी रहा। विश्व नंबर-39 राजावत ने पुरुष एकल में 33वीं नंबर पर काबिज जापान के ताकुमा ओबेयाशी को 38 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 21-11 से शिकस्त दी और अंतिम-8 में प्रवेश किया। अब क्वार्टरफाइनल में प्रियांशु के सामने शीर्ष वरीय डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन होंगे।

गायत्री गोपीचंद और त्रिषा।

त्रिषा-गायत्री अंतिम-8 में: महिला युगल में त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने नतास्जा और एलिस की डेनिस-डच जोड़ी को 17-21, 21-7, 21-8 से शिकस्त दी।

फुटबॉल कोपा अमरीका : निर्धारित समय तक दोनों टीमों का स्कोर 1-1 से बराबर रहा था

इक्वाडोर को शूटआउट में हराकर अर्जेंटीना अंतिम-4 में

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हस्टन, अमरीका. गोलकीपर एमी मार्टिनेज के शानदार प्रदर्शन के बलबूते फीफा विश्व कप विजेता अर्जेंटीना ने गुरुवार की रात को पेनल्टी शूट आउट में इक्वाडोर को 4-2 से शिकस्त देकर लगातार पांचवीं बार कोपा अमरीका कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हालांकि टीम के कप्तान और स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने निराश किया और वह पेनल्टी शूटआउट में गोल करने से चूक गए।

जीत हासिल करने के बाद गोलकीपर के साथ खुशी मनाते हुए मेसी।

जीत का हीरो : एमी मार्टिनेज दो गोल बचाए

निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने पर मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंच गया। कोपा अमरीका में इस बार नए नियम के मुताबकि, एक्स्ट्रा टाइम ना देकर सीधे पेनल्टी के जरिए फैसला किया गया। अर्जेंटीना के गोलकीपर मार्टिनेज जीत के हीरो रहे क्योंकि उन्होंने विरोधी टीम के एंजेल मेना और एलन मिंडा के शुरुआती दो गोल के प्रयास को विफल कर दिया।

मिशन पेरिस ओलंपिक // पीएम ने ओलंपिक जाने वाले एथलीटों से मुलाकात करते हुए उनकी जमकर हौसलाअफजाई की

नीरज से बोले पीएम मोदी, मुझे तुम्हारी मां के हाथ का चूरमा खाना है

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक खेलों में चुनौती पेश करने वाले भारतीय एथलीटों से मुलाकात की और उनका जमकर हौसला बढ़ाया। उन्होंने विश्वास जताया कि यह दल देश को गौरवान्वित करेगा और 140 करोड़ लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

पीएम ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया और लिखा, पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों से मिलना एक यादगार अनुभव रहा। आइए हम सब इनका हौसला बढ़ाएं। इस दौरान पीएम ने ओलंपिक चैंपियन भालाफेंक एथलीट नीरज चोपड़ा से चूरमा खाने की मांग कर दी।

पेरिस ओलंपिक में जाने वाले एथलीटों से मिलते हुए पीएम नरेंद्र मोदी।

इस बार भारतीय दल में 120 एथलीट पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत के करीब 120 एथलीट चुनौती पेश करने के लिए उतरेंगे। भारतीय दल का लक्ष्य इस बार 10 से ज्यादा पदक जीतना है। भारत ने पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में सात पदक जीते थे, जो उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

फिट व चोट से मुक्त रहने की सलाह दी

नीरज चोपड़ा ने पीएम मोदी का अभिवादन करते हुए कहा, नमस्कार सर, कैसे हैं आप? मोदी ने हंसकर जवाब देते हुए कहा, मैं वैसा ही हूं। इसके बाद पीएम ने कहा कि मेरा चूरमा अभी तक नहीं आया है। वहीं, शरमाते हुए नीरज चोपड़ा ने कहा, इस बार मैं आपको हरियाणा वाला चूरमा खिलाऊंगा सर, पिछली बार आपने दिल्ली का चीनी वाला खाया था। इस पर ***पीएम ने घर का बना चूरमा खाने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा, मुझे तुम्हारी मां के हाथ का बना चूरमा खाना है।*** पीएम ने नीरज को ओलंपिक के लिए भी शुभकामनाएं दी और कहा कि वह फिट रहें और चोट से मुक्त रहें।

प्रियंका से बोले, अपने बालकृष्ण को भी साथ ले जाना

पीएम मोदी ने भारतीय धाविका प्रियंका गोस्वामी से भी बात की। 20 किमी रेस वॉक धाविका प्रियंका ने कहा, नमस्ते सर, मैं प्रियंका गोस्वामी, इस पर पीएम ने कहा, नमस्ते तुम्हारे बालकृष्ण कहां हैं? उन्हें भी ले जा रही हो ना। जवाब में प्रियंका ने कहा, जी सर, यह बालकृष्ण का भी दूसरा ओलंपिक हैं। दरअसल, 2021 में प्रियंका ने एक प्रतियोगिता में स्वर्ण जीता था। उनके एक हाथ में कान्हा (भगवान कृष्ण का बाल रूप) और दूसरे हाथ में मेडल की तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7036...

बाएं से दाएं... 1. शिव को प्रसन्न करने के लिए उच्चारित शब्द (2), 3. दौड़-धूप (5), 6. सत्य बोलना, सत्यवाद (4), 8. भाग्य में लिखा हुआ (2), 9. उदाहरण के रूप में (4), 11. शक्तिशाली, जानदार (2-2), 14. बुरा (2), 16. पहरेदार, चौकीदार (4), 18. दुर्लभ, दुष्प्राप्य (3), 20. प्रत्येक, शिव (2), 21. गुजर, निर्वाह (3), 23. श्मशान, मरघट (3), 25. वाद्य यंत्र बजाने वाला (3), 28. विष, हलाहल (3), 30. निरन्तर, लगातार (3), 32. विशेषज्ञता, दक्षता (4), 33. प्रत्येक महीना (2-2)

ऊपर से नीचे...

हल 7035

1 ज	2 न	ग	3 ण	4 ना		5 अ	6 ला	वा
7 मा	या		8 मो	ह	न		प	
न		9 बे	का	र		10 बे	ता	11 ब
12 त	13 ल	वा	र		14 धा	द		ग
	थ			15 रा		16 ख	17 ल	ल
18 आ	प	सी		19 ज	20 ला	ल	त	
21 प	थ		22 उ	दा	र		23 खो	24 ह
दा		25 क	म	र		26 ग	र	म
	27 आ	ल	स		28 क	र्ज		ला

1. लूट का माल प्राप्त होना (4), 2. मदयुक्त, नशे में चूर (2), 3. भ्राता, बंधु (2), 4. ओहदा, पद (4), 5. अमानत की रकम खा जाना (3), 7. निरीक्षक, निगहबान (4), 10. भार युक्त होना (3), 12. मुस्लिम पाठशाला (4), 13. एक तरह की सारंगी (3), 15. शराब, मद्य (2), 17. सुघनी (4), 19. स्मरण, स्मृति (2), 20. साथ-साथ चलने वाला मित्र (2-2), 22. दांत (2), 24. दृष्टि, निगाह (3), 26. कमी (3), 27. तल, वस्तु का ऊपरी भाग (3), 29. मार डाला हुआ, ताड़ित (2), 31. रात्रि, रात (2)

SUDOKU 6771...

	1	3	6					
				9			5	3
				7				
		7						
			9	1		4		
5		8		2	6			
				8			7	4
7						5		2
		6			2			1

हल 6770

6	3	2	9	5	8	1	7	4
8	1	4	2	6	7	5	9	3
9	7	5	1	3	4	6	8	2
3	5	8	6	4	9	7	2	1
7	6	1	5	2	3	9	4	8
2	4	9	7	8	1	3	5	6
4	2	6	3	9	5	8	1	7
1	9	3	8	7	2	4	6	5
5	8	7	4	1	6	2	3	9

कैसे खेलें : वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

बदलाव : लेबर पार्टी की प्रचंड जीत, 650 में से 412 सीटें जीतीं, कंजर्वेटिव पार्टी 121 पर सिमटी, 200 साल में पार्टी की सबसे बुरी हार

14 साल बाद लेबर पार्टी सत्ता में, पीएम बने कीर स्टार्मर

ब्रिटेन में अबकी बार 400 पार

26 भारतीय मूल के उम्मीदवार चुने गए सांसद, जो पिछली बार से ज्यादा हैं। पिछली बार 15 सांसद हाउस ऑफ कॉमन्स पहुंचे थे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली . भारत में लोकसभा चुनाव के दौरान सत्तारूढ़ भाजपा का नारा 'अबकी बार 400 पार' खूब सुर्खियों में रहा, हालांकि पार्टी 240 पर ही सिमट गई। लेकिन ब्रिटेन में 14 साल बाद सत्ता में लौटी लेबर पार्टी जरूर 400 पार पहुंच गई। उसने 412 सीटें जीती हैं। नए पीएम कीर स्टार्मर ने पदभार संभाल लिया। अब नजर भारत और इंग्लैंड के बीच संबंधों पर रहेगी। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर है। हालांकि लेबर पार्टी ने अपने मैनिफेस्टो में भारत के साथ एफटीए को लेकर सकारात्मक रुख की बात कही है। पीएम नरेंद्र मोदी ने स्टार्मर को जीत की बधाई दी।

गलती सुधारी, भारतीयों को लुभाया

2019 के चुनाव में भारत विरोधी रुख के कारण लेबर पार्टी को भारतीय मूल के मतदाताओं की बेरुखी झेलनी पड़ी थी। इस बार लेबर पार्टी ने गलती सुधारते हुए रेकॉर्ड संख्या में भारतवंशी उम्मीदवारों को टिकट दिया।इसके अलावा स्टार्मर ने चुनाव पूर्व कई मंदिरों में पूजा-अर्चना कर भारतीय मतदाताओं को लुभाया और उन्हें इसका भरपूर फायदा भी मिला। 2021 की जनगणना के अनुसार ब्रिटेन में दस लाख हिंदू रहते हैं।

लंदन. जीत के बाद पत्नी विक्टोरिया के साथ कीर स्टार्मर 10 डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचे और जनता का अभिवादन स्वीकार किया।

भारत के साथ सुधरेंगे संबंध

1 कश्मीर मुद्दे पर भारत का पक्ष
धारा 370 हटाने के बाद लेबर पार्टी ने संसद में एक प्रस्ताव पारित कर घोषणा की गई थी कि कश्मीर में मानवीय संकट पैदा हो गया है। भारत ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। तब स्टार्मर ने सफाई दी थी कि कश्मीर, भारत - पाकिस्तान का आपसी मसला है। इससे स्टार्मर का सकारात्मक रुख नजर आया।

2 मुक्त व्यापार समझौता
स्टार्मर के लिए भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर दस्तखत करना सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। हालांकि 26 बिंदुओं में से ज्यादातर पर दोनों देशों में सहमति बन चुकी है। पिछले वर्ष इंडिया ग्लोबल फोरम में कीर स्टार्मर ने कहा था कि हमारी लेबर सरकार बनी तो एफटीए लागू करवाएंगे।

ब्रेग्जिट से हुई पतन की शुरुआत

डेविड कैमरन ने 2016 में ब्रेग्जिट जनमत संग्रह के साथ टोरीज (कंजर्वेटिव) के पतन की नींव रखी। कैमरन को पद छोड़ना पड़ा, जिसके बाद थेरेसा मे ने कार्यभार संभाला। दक्षिणपंथी रुख के चलते बोरिस जॉनसन ने थेरेसा मे को बाहर का रास्ता दिखा दिया। 2020 में कोविड महामारी के दौरान वे 'पार्टीगेट' मामले में फंस गए। अविश्वास प्रस्ताव आया और लिज ट्रस नई पीएम बनीं, लेकिन जल्द ही पार्टी में उनकी नीतियों का विरोध शुरू हो गया। इसके बाद ऋषि सुनक इंग्लैंड के प्रधानमंत्री बने, लेकिन देश में कई मोर्चों पर विफल रहे।

ये रहे कंजर्वेटिव पार्टी की हार के बड़े कारण

- ***भारतीय मूल के लोगों की नाराजगी:*** सुनक की हार के पीछे की भारतीय मूल के लोगों का गुस्सा भी है। ब्रिटेन में भारतीय मूल के 18 लाख वोटर हैं। 65% सुनक से नाराज बताए जा रहे थे। इन्हें सुनक से उम्मीदें थी, लेकिन खरे नहीं उतरे।
- ***आर्थिक मोर्चे पर नाकामी:*** बदहाल अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में नाकाम रहे। देश निम्न विकास दर से जूझ रहा है। 2023 में अर्थव्यवस्था में 0.1 % की वृद्धि हुई और इस साल मंदी आ गई।
- ***महंगाई से जनता त्रस्त:*** ऋषि सुनक जब पीएम बने तो सभी को उम्मीद थी कि वे महंगाई को कंट्रोल करेंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इसके उलट महंगाई बढ़ी और रहन-सहन का खर्च बढ़ने से आम आदमी का जीवन मुहाल हो गया।
- ***टैक्स में बढोतरी:*** कंजर्वेटिव पार्टी के सत्ता में आने के बाद टैक्स में बढ़ोतरी हुई। सुनक सरकार ने कई तरह के टैक्स में बढ़ोतरी की थी, जिनमें एनआरआइ टैक्स थी है। इसे लेकर विरोध दिख रहा था।
- ***राजनीतिक अस्थिरता:*** कंजर्वेटिव पार्टी दो धड़ों में बंट गई। इससे देश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा हुई। आठ वर्षों में चार पीएम बने। लगभग दो-तिहाई मतदाताओं का कहना है कि कंजर्वेटिव फिर से चुने जाने के लायक ही नहीं हैं।
- ***अवैध प्रवासी समस्या:*** ब्रिटेन में अवैध प्रवासी की समस्या भी बढ़ी है। हालिया वर्षों में नाव से आने वाले प्रवासी बढ़े। आलोचकों का कहना है कि सरकार का अपनी ही सीमाओं पर नियंत्रण नहीं रहा है।

ऐसे हैं कीर स्टार्मर....

फुटबॉल के दीवाने, संगीत के जानकार

ब्रिटेन में पिछले 50 साल के इतिहास में पहली बार कोई 60 साल से ऊपर का व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बनेगा। कीर स्टार्मर लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं। ब्रिटेन में 2 सितंबर, 1962 को जन्मे स्टार्मर पूर्व में मानवाधिकार वकील और सरकारी वकील के तौर पर सेवा दे चुके हैं। स्टार्मर 'देश पहले, पार्टी बाद में' रखने की बात कहते हैं। वह प्रतिभाशाली संगीतकार होने के साथ ही फुटबॉल के दीवाने हैं। उन्होंने लीड्स और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों में कानून की पढ़ाई की है।

सियासी सफर

स्टार्मर पहली बार 2015 में सांसद चुने गए। इसके बाद एक साल ब्रिटेन की शैडो कैबिनेट में आवजन मंत्री थे। अप्रेल 2020 में स्टार्मर को लेबर पार्टी का अध्यक्ष चुना गया, लेकिन इसके ठीक बाद चुनाव में उनकी पार्टी को बुरी हार मिली। हार के बाद, वह पार्टी के लीडर रूप में उभरे।

विदेश नीति कैसी?

विदेश नीति पर, रूस के साथ चल रहे संघर्ष में स्टार्मर यूक्रेन के लिए समर्थन जारी रख सकते हैं। हालांकि इजरायल-गाजा विवाद के दृष्टिकोण में कुछ बदलाव की उम्मीद है, क्योंकि लेबर पार्टी इजरायल को हथियारों की बिक्री रोकने की योजना बना रही है।

चुनौतियों से भरा रहा बचपन

स्टार्मर पूर्वी इंग्लैंड के सरी में ऑक्सटेड नामक एक छोटे शहर में पले-बढ़े हैं। पिता एक कारखाने में कारीगर थे और मां नर्स थीं। स्टार्मर की मां को एक दुर्लभ और गंभीर बीमारी थी, जिसके चलते बचपन में उन्हें काफी परेशानियां उठानी पड़ीं।

दोस्तों के प्रति वफादार.. स्टार्मर का नाम लेबर पार्टी के संस्थापक कीर हार्डी के नाम पर रखा गया है। स्टार्मर मजाकिया हैं और अपने दोस्तों के प्रति वफादार माने जाते हैं।

शुक्रवार शाम छह बजे बाद काम नहीं करते... स्टार्मर शुक्रवार को शाम छह बजे बाद ऑफिशियल काम नहीं करते। इस आदत को वे जारी रखेंगे, ताकि परिवार को समय दे सकें।

पत्रिका पोल

Q क्या नए पीएम के नेतृत्व में ब्रिटेन के भारत के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे ?

कल का सवाल था
क्या देश में भीड़ प्रबंधन के लिए कोई स्टैंडर्ड ऑपरेशन प्रोसिजर (एसओपी) बनाई जानी चाहिए?

जवाब
89% हां 11% नहीं

स्कैन करें...

इंडिया @ शॉर्ट रीड

दिल्ली **मोदी का रूस-ऑस्ट्रिया दौरा 8 जुलाई से**

नई दिल्ली@ पत्रिका. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने 8 जुलाई को मॉस्को जाएंगे। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बाद यह पीएम मोदी की पहली रूस यात्रा होगी। मोदी 9 जुलाई को ऑस्ट्रिया की यात्रा भी करेंगे। यह 41 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी।

कश्मीर **अमरनाथ यात्रियों के लिए खुला डाकघर**

श्रीनगर @ पत्रिका. भारतीय डाक विभाग के जम्मू-कश्मीर सर्कल ने अमरनाथ गुफा की यात्रा के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए नुनवान आधार शिविर में डाकघर खोला है। अब श्रद्धालुओं को दो प्रमुख आधार शिविरों नुनवान-पहलगाम और बालटाल-सोनमर्ग में सीजनल पोस्ट ऑफिस का लाभ मिलेगा। यात्री डिब्बा बंद गंगाजल, पार्सल के लिए पैकेजिंग सामग्री और डाक स्टेशनरी आइटम ले और भेज सकते हैं।

बिहार **बारिश में रोने लगी सरकारी स्कूल की छत**

पटना @पत्रिका. बिहार की राजधानी में मानसून की बारिश के दौरान एक सरकारी स्कूल की कक्षा में छतों और दीवारों से टपकता पानी। पानी से बचाने के लिए शिक्षक और बच्चे छाते लेकर कक्षा में बैठे हैं।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

पाक **मुहर्रम में 6 दिन सोशल मीडिया बैन नहीं**

इस्लामाबाद @ पत्रिका. पाकिस्तान के पंजाब में मुहर्रम के दौरान 'घृणास्पद' सामग्री को नियंत्रित करने के लिए छह दिन तक सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर बैन लगाने की मांग नहीं मानी गई है। मरियम नवाज की सरकार ने चाचा पीएम शहबाज शरीफ की केंद्र सरकार से अनुरोध किया था कि छह दिन (13-18 जुलाई) के लिए पंजाब में इंटरनेट पर सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को निलंबित करने का निर्देश दें।

जगन्नाथ यात्रा कल : अपने महल से निकलेंगे प्रभु जगन्नाथ, दर्शन को आतुर हुए लाखों भक्तों के नैन

53 साल बाद एक दिन में तीन उत्सव, एक करोड़ श्रद्धालु आएंगे; पूरे शहर का बीमा

पुरी से LIVE

पत्रिका एक्सक्लूसिव

देवेंद्र गोस्वामी
patrika.com

पुरी . भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ महल से निकल कर अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए तैयार हैं वहीं लाखों भक्तों के नैन भी प्रभु के दर्शन को आतुर हैं। भगवान की नगरी जगन्नाथपुरी में रथ यात्रा की तैयारी पूरी हो गई है। रविवार को शुरू होने वाली रथ यात्रा में पहले दिन देश-दुनिया से करीब 15 लाख भक्तों के पहुंचने की उम्मीद है।

इस बार की यात्रा विशेष है क्योंकि 53 साल बाद ऐसा मुहूर्त आया है कि जब एक ही दिन तीन उत्सव होंगे। भगवान का नवयौवन दर्शन, नेत्रोत्सव और रथयात्रा रविवार को ही निकलेगी। हर साल ये तीनों उत्सव अलग-अलग दिन होते थे। रविवार को भोर 2 बजे से ही मंगलआरती से रथ यात्रा उत्सव की शुरुआत हो जाएगी। विभिन्न रस्मों, पूजा और उत्सव के बाद भगवान मंदिर से निकलकर रथ पर सवार होंगे। इसके बाद उनका शृंगार होगा। इस तरह दोपहर 2.30 बजे तक भगवान तैयार होंगे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य माधव चंद्र पूजापंडा ने बताया कि शाम 5 बजे गजपति महाराज यानी पुरी के राजा दिव्यसिंह देबा छेरा पहरा विधान यानी झाड़ू लगाएंगे और इसके साथ ही रथ यात्रा शुरू हो जाएगी। चलते-चलते अगर रास्ते में रात हो गई तो यात्रा वहीं रुक जाएगी। अगले दिन सोमवार को स्नान और मंगलआरती के बाद फिर से यात्रा शुरू होगी। 8 जुलाई को गुडिचा मंदिर पहुंचेंगे तो 9 जुलाई को भगवान अंदर प्रवेश करेंगे। भगवान 17 जुलाई को अपने महल में वापस लौटेंगे।

तीन रथ बनते हैं, सभी का नाम अलग-अलग

जगन्नाथपुरी में रथ यात्रा की तैयारी पूरी हो गई है। पूरा शहर सजा हुआ है।

नंदीघोष: भगवान **जगन्नाथ:** 16 पहिए, लकड़ी के 742 टुकड़े, ऊंचाई 45.6 फीट।

तलध्वज: **बलभद्र:** 14 पहिए, लकड़ी के 731 टुकड़े, ऊंचाई 45 फीट।

देवदलन: **सुभद्रा:** 12 पहिए, लकड़ी के 711 टुकड़े, ऊंचाई 44 फीट।

एंबुलेंस ग्रीन कॉरिडोर, अस्थायी मोबाइल टावर

रथ यात्रा के दौरान दोनों तरफ पर्याप्त जगह रख कर अप्रिय स्थिति के लिए एंबुलेंस के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया है। गर्मी से बचने के लिए यात्रा के आगे पानी का छिड़काव किया जाएगा। एक साथ लाखों लोगों के आने के कारण मोबाइल नेटवर्क की समस्या दूर करने के लिए अस्थायी मोबाइल टावर लगवाए हैं। मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से पूरे म्यूनिसिपल एरिया का बीमा कराया गया है ताकि किसी अनहोनी पर पीड़ित को पर्याप्त मुआवजा मिल सके।

पहली बार एआइ और ड्रोन का उपयोग

रथ यात्रा के दिन यातायात व अन्य व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की मदद ली जाएगी। एआइ के माध्यम से गाड़ियों की गणना, जाम से बचाने और ट्रैफिक के फ्लो को बनाए रखने का काम होगा। वहीं, लोगों को संबोधित करने व यातायात पर नजर रखने के लिए पहली बार ड्रोन का उपयोग होगा। 7 जुलाई से लेकर 17 जुलाई तक दुनियाभर से एक करोड़ से अधिक भक्तों के आने की उम्मीद है।

सईद व मसूद के बीच मुकाबला

ईरान में राष्ट्रपति चुनाव के लिए दूसरे चरण की वोटिंग

दिल्ली में पड़े वोट... नई दिल्ली में ईरान के राजदूत इराज इलाही और एक ईरानी नागरिक महिला एक मतदान केंद्र पर वोट डालते हुए।

तेहरान@ पत्रिका. ईरान में राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ। लोग दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की जगह लेने के लिए कट्टरपंथी पूर्व परमाणु वार्ताकार सईद जलीली और सुधारवादी उम्मीदवार मसूद पेजेशकियन के बीच चुनाव करेंगे। 28 जून को मतदान के पहले दौर में रेकॉर्ड कम मतदान में किसी भी उम्मीदवार को 50 फीसदी से ज्यादा वोट नहीं मिलने के बाद दूसरे चरण का मतदान करवाया गया। घरेलू मुद्दे जो इस चुनाव में छाए हुए हैं, उनमें महिलाओं के लिए हिजाब को अनिवार्य किए जाने पर नए सिरे से नियम बनाने, प्रस्तावित गैसोलीन मूल्य वृद्धि, बेरोजगार, महंगाई आदि शामिल हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट : जामा मस्जिद के सर्वे की मांग, एएसआइ से मांगा जवाब

प्रयागराज @ पत्रिका. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) को आगरा में जामा मस्जिद के सर्वेक्षण की मांग करने वाले मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। वादी का आरोप है कि कृष्ण जन्मभूमि से जुड़ी ठाकुर केशव देव की मूर्ति के अवशेष मस्जिद के नीचे दबे हुए थे। वादी ने मस्जिद के सर्वेक्षण के लिए एडवोकेट कमिश्नर को नियुक्त करने की मांग की थी। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने ठाकुर केशव देव जी के नाम से दायर कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले से संबंधित सुनवाई के दौरान यह आदेश जारी किया। इस मामले में अगली सुनवाई 5 अगस्त को होगी।

ट्रेंडिंग न्यूज

बंधक वार्ता के लिए भेजेंगे प्रतिनिधि
इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वह 7 अक्टूबर के हमलों में बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए वार्ता करने एक प्रतिनिधिमंडल भेजने पर सहमत हैं।

विपक्षी नेता के हमलावर को 15 साल जेल
इस साल जनवरी में दक्षिण कोरियाई विपक्षी नेता ली जे-म्यांग पर चाकू से हमला करने वाले व्यक्ति को शुक्रवार को 15 साल की जेल की सजा सुनाई गई। चाकू से लैस शख्स ने बुसान में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख ली पर ऑटोग्राफ मांगने के बहाने हमला किया।

बोल्सोनारो आभूषण घोटाले में आरोपी
ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर सऊदी अरब द्वारा दिए गए अघोषित हीरे के आभूषणों से संबंधित संभावित धन शोधन और अन्य आरोप लगे हैं। सऊदी की यात्रा से लौटने वाले सरकारी दल के थैले में आभूषण मिले थे।

अमरीका : राष्ट्रपति ने गवर्नरों से बातचीत में की पूरी नींद लेने की अपील

बाइडन ने मानी थकने की बात, कहा- मुझे 8 बजे बाद काम नहीं करने की मिली सलाह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन @ पत्रिका. अमरीका के एक स्थानीय अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने कुछ करीबियों के बीच कहा है कि उन्हें 8 बजे बाद काम नहीं करने के लिए कहा गया है क्योंकि उन्हें पूरी नींद की जरूरत है। हाल में 81 वर्षीय बाइडन ने यह भी कबूल किया था कि राष्ट्रपति चुनाव में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डॉनल्ड ट्रंप से टीवी डिबेट के दौरान लगभग सो गए थे क्योंकि उन्होंने काफी विदेश यात्राएं की थी और वे थक गए थे। डिबेट में कमजोर प्रदर्शन को लेकर बाइडन की दावेदारी पर सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में बाइडन ने 12 से ज्यादा डेमोक्रेटिक गवर्नरों के समूह से अधिक नींद लेने की अपील करते हुए कहा कि मुझे भी ज्यादा सोने, काम के घंटे घटाने व आठ बजे बाद कार्यक्रमों में ना जाने की सलाह मिल रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोते हैं चार घंटे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (73) के बारे में बताया जाता है कि वह चार घंटे सोते हैं। रात में भले ही देर से सोएं, लेकिन सुबह चार बजे बिस्तर छोड़ देते हैं और बिना छुट्टी 18 घंटे काम करते हैं। मोदी के एक्टिव और एनर्जेटिक रहने के पीछे उनकी योग करने की आदत, सादा जीवन और खानपान आदि वजहें बताई जाती है।

बारिश की फुहारें : कूनो में मां के साथ शावकों की अठखेलियां

श्योपुर (मप्र)@ पत्रिका. कूनो नेशनल पार्क में जून की भीषण गर्मी झेल चुका चीता परिवार अब बारिश का मजा ले रहा है। मस्ती की इस टोली में शामिल हैं, आशा, गामिनी और ज्वाला के शावक, जिनकी यह पहली बारिश है। शुक्रवार सुबह फुहारों से खेलते हुए गामिनी के 5 शावक कूनो प्रबंधन के कैमरे से भी दिखाई दिए।

'स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII , सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।
सम्पादकीय प्रभारी: सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी'